हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, शुक्रवार | 28 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 57 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

राहुल गांधी का महाकुंभ नहीं जाना कांग्रेस को पड़ेगा भारी! भाजपा ने कर ली पूरी तैयारी

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 45 दिनों तक चल महाकुंभ का भव्य समापन हो चुका है। इस महाकुंभ में लगभग 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। इतना ही नहीं, देश-विदेश के कई बड़े राजनेता और नामचिन हस्ती भी महाकुंभ पहुंचे। खुद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित तमाम बड़े और छोटे भाजपा नेता महाकुंभ पहुंचे थे। इसके अलावा कांग्रेस के भी कई नेता महाकुंभ पहुंचे। हालांकि, गांधी परिवार ने महाकुंभ से दूरी बनाई। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी इस बार महाकुंभ नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं, कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी महाकुंभ से दूर ही रहे। हालांकि ऐसा नहीं है कि गांधी परिवार की कुंभ से लगातार दूरी रही है। खुद सोनिया गांधी इससे पहले हुए कुंभ में आस्था के डुबकी लगा चुकी हैं।बावजूद इसके इस बार गांधी परिवार महाकुंभ से दूर रहा। अब भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का बड़ा मौका मिल गया है।

वक्फ बिल में 14 बदलावों को मोदी सरकार ने दी मंजूरी,

बजट सत्र के दूसरे चरण में संसद में पेश करने की तैयारी

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने जेपीसी समीक्षा का नेतृत्व किया और 27 जनवरी को विधेयक को अनुमति देने से पहले इसमें 14 संशोधनों को अपनाया। समिति की 655 पेज की रिपोर्ट बाद में 13 फरवरी को दोनों संसद सदनों में पेश की गई।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित वक्फ (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिसमें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा दिए गए सुझाव शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिल अब अगले संसद सत्र में पेश किया जाएगा, जो 10 मार्च से शुरू होगा। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने जेपीसी समीक्षा का नेतृत्व किया और 27 जनवरी को विधेयक को अनुमति देने से पहले इसमें 14 संशोधनों को अपनाया। समिति की 655 पेज की रिपोर्ट बाद में 13 फरवरी को दोनों संसद सदनों में पेश की गई।वक्फ संशोधन विधेयक को भारतीय बंदरगाह विधेयक के साथ मंजूरी दे दी गई और इसे शेष बजट सत्र के लिए सरकार की प्राथमिकता सूची में जोड़ा गया है।कुल 66 संशोधन पेश किए गए - 23 सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों द्वारा और 44 विपक्ष द्वारा। लेकिन विपक्षी संशोधनों को पार्टी आधार पर खारिज कर दिया गया क्योंकि समिति में भाजपा या उसके सहयोगियों के 16 सांसद और विपक्ष के 10 सांसद हैं।एक नया विवाद तब छिड़ गया जब विपक्षी सांसदों ने दावा किया कि संसद में पेश की गई अंतिम जेपीसी रिपोर्ट से उनके असहमति नोट के कुछ हिस्से हटा दिए गए हैं। सरकार ने जोर देकर कहा कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया, जेपीसी अध्यक्ष को समिति पर 'आक्षेप' लगाने वाले अनुभागों को हटाने का अधिकार था। लेकिन विपक्ष के दबाव में बाद में इस बात पर सहमति बनी कि असहमति नोट को उनके मूल स्वरूप में डाला जाएगा। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 ने वक्फ अधिनियम, 1995 में बड़े बदलाव पेश किए, जो भारत में मुस्लिम धर्मार्थ संपत्तियों के प्रशासन को नियंत्रित करता है।

दिल्ली की शराब नीति पर CAG की रिपोर्ट PAC को भेजी गई, समिति 3 महीने में निष्कर्ष प्रस्तुत करेगी

एजेंसी

दिल्ली: दिल्ली शराब नीति पर कैग की रिपोर्ट: दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार (27 फरवरी) को शराब नीति पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट लोक लेखा समिति (पीएसी) को भेज दी। इस मामले पर पीएसी का गठन किया जाएगा और समिति को तीन महीने में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके साथ ही अध्यक्ष ने आबकारी विभाग को एक महीने के भीतर की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा है।'दिल्ली में शराब के विनियमन और आपूर्ति पर प्रदर्शन लेखा परीक्षा रिपोर्ट' पर कैग की रिपोर्ट 25 फरवरी को नवनिर्वाचित दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र के दौरान पेश की गई। राष्ट्रीय राजधानी में शराब के विनियमन और आपूर्ति पर भारत के कैग की प्रदर्शन लेखा परीक्षा रिपोर्ट में आबकारी विभाग के कामकाज और उसकी नीति में खामियां सामने आई हैं, जिसके कारण 2,026.91 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व घाटा हुआ है।रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि शराब की बोतलों के लिए भुगतान किया गया था, जो पॉइंट ऑफ सेल (ढडर) पर बारकोड स्कैनिंग के जरिए प्रमाणित नहीं थे। दिल्ली की पिछली अअढ सरकार ने 2021-22 की आबकारी नीति को बड़े विवाद के साथ लॉन्च किया था, जिसके कारण अरविंद केजरीवाल सहित इसके शीर्ष नेताओं को जेल जाना पड़ा था। जुलाई 2022 में उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद नीति को रद्द कर दिया गया था।दिल्ली शराब नीति पर कैग की रिपोर्ट: दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार (27 फरवरी) को शराब नीति पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट लोक लेखा समिति (पीएसी) को भेज दी।

सीतारमण एक मार्च को सिविल लेखा दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक मार्च को 49वें सिविल लेखा दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगी। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) पर ह्वभारत में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन का डिजिटलीकरणः परिवर्तनकारी दशक (2014-24)ह्न शीर्षक से एक सार-संग्रह भी जारी किया जाएगा।पीएफएमएस, लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के संगठन द्वारा डिजाइन, विकसित और क्रियान्वित किया गया है। यह भुगतान, रसीद, लेखांकन, नकदी प्रबंधन और वित्तीय रिपोर्टिंग सहित सरकार के वित्तीय प्रशासन के लिए प्रमुख आईटी मंच है।सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली ने सरकार के प्रमुख सार्वजनिक व्यय प्रबंधन सुधारों में से एक, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के संचालन के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रदान किया है।

जीवेश को नगर विकास, सुनील को वन: बिहार में सीएम नीतीश कुमार ने बदले मंत्रियों के विभाग; 7 को नई जिम्मेदारी, देखें सूची

एजेंसी

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार (27 फरवरी) को नए मंत्रियों को विभागों की जिम्मेदारी सौंप दी। उन्होंने पुराने मंत्रियों की जिम्मेदारियों में भी फेरबदल किया है।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार (27 फरवरी) को मंत्रियों के विभागों में बदलाव किया है। बुधवार को बीजेपी कोटे से मंत्री बनाए गए जीवेश मिश्रा को नगर विकास, सुनील कुमार को वन एवं पर्यावरण, विजय मंडल को आपदा प्रबंधन मंत्री बनाया गया है। जबकि, कृष्ण कुमार मंटू आईटी, मोतीलाल प्रसाद, कला संस्कृति, राजू सिंह पर्यटन मंत्री बनाए गए हैं। यह विभाग पहले अन्य मंत्रियों के पास थे। नीतीश मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या 36 हो गई है। जिबेश मिश्रा, सुनील कुमार, संजय सरावगी, मोतीलाल प्रसाद, कृष्ण कुमार मंटू, राजू कुमार सिंह और विजय कुमार मंडल ने बुधवार को कैबिनेट मंत्री की शपथ ली है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें शपथ दिलाई है।इस दौरान कई दिग्गजों से विभाग छीने गए हैं। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से पथ निर्माण विभाग छीनकर नीतीन नवीन को दिया गया है। जबकि, नीतीन नवीन से नगर, विकास और आवास विभाग वापस लेकर जिवेश कुमार को सौंपा गया है। ंगल पांडेय का कृषि विभाग डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को दिया गया। जबकि, संतोष सुमन से भी दो विभाग छीने गए हैं। उनके पास केवल एक विभाग बचा है। दिलीप जायसवाल का राजस्व विभाग लेकर संजय सरावगी को दिया गया। प्रेम कुमार से वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और पर्यटन विभाग विभाग छीनकर सुनील सिंह और राजू सिंह को सौंपा गया है।

महाराष्ट्र में क्या हो रहा? शिंदे नाराज, उद्धव कर रहे फडणवीस की तारीफ, वेट एंड वाच की भूमिका में अजित पवार

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र का राजनीति लगातार सुर्खियों में है। वहां, किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर दरार की खबरें आई हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा की जाने वाली बैठकों से बचते रहे हैं और इसी तरह की बैठकें आयोजित करने की एक समानांतर प्रक्रिया चला रहे हैं। हालांकि, शिवसेना दावा कर रही है कि गठबंधन के भीतर सबकुछ ठीक है। बावजूद इसके उनकी नाराजगी की खबरें आ ही जा रही है।पिछले नवंबर में नतीजों के बाद भाजपा ने फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला लिया था, जिसके बाद शिवसेना प्रमुख शिंदे को उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा था। शिंदे के समर्थकों का मानना ??है कि मुख्यमंत्री के तौर पर उनके ढाई साल के कार्यकाल (जून 2022 से नवंबर 2024) के दौरान लिए गए फैसलों, विकास और कल्याणकारी योजनाओं के कारण ही भाजपा, शिवसेना और राकांपा के गठबंधन को विधानसभा चुनाव में जीत मिली। शिवसेना नेताओं के अनुसार शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करने के इच्छुक नहीं थे, लेकिन उनकी पार्टी के सहयोगियों और भाजपा के शीर्ष नेताओं ने उन्हें फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा बनने के लिए मना लिया था।

हरियाणा में कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई, पूर्व MLA रामबीर सिंह समेत 5 नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

एजेंसी

हरियाणा: हरियाणा में कांग्रेस इकाई ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पांच नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान द्वारा जारी पार्टी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम चुनाव (2025) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल के दिनों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले पार्टी नेताओं/कार्यकताओं से संबंधित संचार के विभिन्न माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त होने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है।जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी, पूजा रानी और रूपेश मलिक हैं। इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था। 19 फरवरी को, हरियाणा कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले नागरिक चुनावों से पहले 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों के लिए अपने सात नेताओं को निष्कासित कर दिया। निष्कासित लोगों में करनाल के पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष तरलोचन सिंह और अशोक खुराना, यमुनानगर के पार्टी नेता प्रदीप चौधरी और मधु चौधरी, हिसार के वरिष्ठ नेता राम निवास रारा, गुरुग्राम के पार्टी नेता हरविंदर और पीसीसी प्रतिनिधि, गुरुग्राम, राम किशन सैन शामिल हैं।

पुणे रेप केस ने दिलाई निर्भया कांड की याद, पूर्व CJI चंद्रचूड़ की कड़ी कार्रवाई की मांग, आरोपी अब भी फरार

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के पुणे के स्वारगेट डिपो में एक बस के अंदर एक महिला के साथ कथित बलात्कार की जांच के बीच, फरार आरोपियों के लिए सख्त सजा की मांग बढ़ती जा रही है। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने भी इसी तरह की मांग उठाई है। विपक्ष के बढ़ते दबाव के बीच, जिसने इस घटना की तुलना 2012 के दिल्ली निर्भया सामूहिक बलात्कार से की है, मामले को सुलझाने का पुरजोर प्रयास चल रहा है। पुलिस ने फरार आरोपी की सूचना देने पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया है।पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे (37) को पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया है, जो मंगलवार सुबह महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस में हुई घटना के बाद से फरार है। पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को कहा कि 'निर्भया' घटना के बाद कानूनों में बहुत सारे बदलाव किए गए, हालांकि, हम केवल कानून बनाकर ऐसी घटना को नहीं रोक सकते। चंद्रचूड़ ने कहा कि समाज पर बड़ी जिम्मेदारी है और इसके अलावा कानूनों का क्रियान्वयन भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए बने कानूनों को सही ढंग से लागू किया जाना चाहिए। महिलाएं जहां भी जाएं उन्हें सुरक्षित महसूस करना चाहिए। जरूरी है कि ऐसे मामलों में उचित जांच, कड़ी कार्रवाई, त्वरित सुनवाई और सजा हो।

अंतरराष्ट्रीय मदद पर जिंदा है: भारत ने UN की जिनेवा बैठक में जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को दिया करारा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली: संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें सत्र की सातवीं बैठक में भारत ने पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपा का करारा जवाब देते हुए भारत ने कहा, पाकिस्तान एक नाकाम देश है। जो अंतरराष्ट्रीय अनुदानों पर जिंदा है। भारत के स्थायी मिशन के क्षितिज त्यागी ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में कहा, हमे इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि पाकिस्तानी नेता अपने सैन्य-आतंकवादी परिसर से झूठ फैलाते हैं। पाकिस्तान ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (डकक) को अपना मुखपत्र बताकर संगठन का मजाक उड़ाते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस संगठन का समय एक असफल राज्य द्वारा बर्बाद किया जा रहा है, जो अस्थिरता पर पनपता है और अंतरराष्ट्रीय अनुदानों पर जीवित रहता है।अपने हालात बदलने पर ध्यान दे पाकिस्तान क्षितिज त्यागी ने पाकिस्तान के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमेशा भारत का अभिन्न हिस्सा थे, हैं और आगे भी रहेंगे। पाकिस्तान को भारत की बजाय अपने देश के हालात बदलने पर जोर देना चाहिए। इनकी इस बयानबाजी में पाखंड की बू आती है। यह हरकतें अमानवीय हैं और शासन व्यवस्था चलाने में अक्षमता को दर्शाती हैं। भारत अपनी प्रगति, लोकतंत्र और देशवासियों को सम्मान सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।जम्मू कश्मीर में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं

क्षितिज त्यागी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से जम्मू कश्मीर और लद्दाख में अभूतपूर्व राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव आए हैं। जो काफी कुछ बयां करते हैं। यह सफलताएं दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से त्रस्त क्षेत्र में सामान्य स्थिति लाने की सरकार की प्रतिबद्धता में लोगों के भरोसे का प्रमाण हैं। नागरिकहित में काम करे पाकिस्तान क्षितिज त्यागी ने कहा, पाकिस्तान को भारत के प्रति अपनी परंपरागत सोच से बाहर निकलना चाहिए और उन मुद्दों का समाधान करना चाहिए, जो उसके नागरिकों को प्रभावित करते रहते हैं। भारत लोकतंत्र, प्रगति और अपने लोगों के लिए सम्मान सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

नीतीश के बेटे निशांत के आने से बच जाएगी जेडीयू, लेकिनङ्क तेजस्वी ने कह दी बड़ी बात

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- **तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत अगर राजनीति में आते हैं, तो वह जेडीयू को बचा लेंगे। लेकिन, नीतीश कैबिनेट के कुछ मंत्री उन्हें पॉलिटिक्स में आने से रोकने के लिए बैठकें कर रहे हैं।**

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीति में आने की अटकलें तेज हैं। इस बीच पूर्व डिप्टी सीएम और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने इस पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि निशांत के राजनीति में आने से जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) बच जाएगी, लेकिन नीतीश के ही कुछ मंत्री उन्हें सियासत में आने से रोक रहे हैं। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को कोलकाता से लौटने के बाद पटना में मीडिया से बातचीत में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार मुख्यमंत्री के बेटे हैं और उनसे बचपन से रिश्ता रहा है। हम एक सीमा तक ही बयान दे सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि जेडीयू और बीजेपी में कुछ लोग निशांत को रोकने के लिए मीटिंग पर मीटिंग कर रहे हैं। शरद यादव की बनाई हुई पार्टी को बीजेपी हड़पना चाहती है। निशांत आएंगे तो जेडीयू को वह बचाने में शायद कामयाब हो जाएंगे।
तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि उनके पिता लालू यादव एवं मां राबड़ी देवी ने कभी उन्हें राजनीति में आने के लिए नहीं कहा था। जब वह बिहार घूमने लगे तो जनता और आरजेडी कार्यकर्ताओं ने उनसे पॉलिटिक्स में आने को कहा था। नीतीश कैबिनेट विस्तार पर बोलते हुए तेजस्वी ने इसे बीजेपी का अंदरूनी मामला बताया। उन्होंने यह भी दावा किया कि सीएम नीतीश कुमार आखिरी बार मंत्रिमंडल का विस्तार कर रहे हैं। अब उन्हें मौका मिलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता 2025 में एनडीए मुक्त सरकार बनाने जा रही है।

बिहार में चोरी के आरोपी की पीट-पीटकर हत्या, दूसरे की हालत नाजुक; कहां हुआ कांड

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के नवादा में मॉब लिंचिंग की घटना सामने आई है। चोरी के आरोप में भीड़ ने दो युवकों की पकड़कर बुरी तरह से पिटाई कर दी। जिसमें एक की अस्पताल में इलाज के क्रम में मौत हो गयी। जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना बुधवार की देर रात जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव की बतायी जाती है। मॉब लिंचिंग के शिकार मृत युवक की पहचान बिनोद प्रसाद के बेटे मृत्युंजय कुमार (25) के रूप में की गयी है। जबकि घायल प्रवेश कुमार (23) अवधेश प्रसाद का बेटा बताया जाता है। पुलिस मामले में जांच की जा रही हैभीड़ के शिकार बने दोनों आरोपी भगवानपुर गांव के रहने वाले बताये जा रहे हैं। इनके पास से भारी मात्रा में कथित रूप से चोरी के सोने व चांदी के जेवरात आदि बरामद किये गये हैं। इनमें सोने का एक पूरा सेट, बजरंगबली का लॉकेट तथा चांदी की 10 जोड़ी पायल, बिछिया व अन्य जेवरात के अलावा दो स्मार्ट फोन आदि शामिल हैं। बताया जा है कि भीड़ में शामिल लोगों ने दोनों युवकों पर चोरी की घटनाओं में संलिप्त रहते हैं।पुलिस ने दोनों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। ताजा समाचार मिलने तक मुफस्सिल एसएचओ मृत्युंजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस सदर अस्पताल में कैम्प कर रही थी।

महाकुंभ के समापन पर DGP ने थपथपाई UP Police की पीठ, बोले- बिना शस्त्र के अपने व्यवहार से जीता सबका मन

दिल्ली विधानसभा सत्र का आज तीसरा दिन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विधानसभा में आम आदमी पार्टी के विधायकों को एंट्री करने से रोका गयाबता दें कि सत्र के दूसरे दिन ही आप के 21 विधायकों को पूरे सेशन के लिए सस्पेंड कर दिया गया थाअब उनके परिसर में भी आने पर रोक लगा दी गई है दरअसल सत्र के दूसरे दिन जब उपराज्यपाल वीके सक्सेना का अभिभाषण जारी था, तब आम आदमी पार्टी के विधायक सदन में हंगामा कर रहे थे. इस वजह से स्पीकर ने वहां मौजूद सभी 21 विधायकों को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया था. इसकी मियाद शुक्रवार (28 फरवरी) तक है. हालांकि, अमानतुल्लाह खान उस दौरान वहां मौजूद नहीं थे, इसलिए उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई नहीं हुई.

घर के दरवाजा का ताला तोड़कर चोरों ने की चोरी, पुलिस कर रही है जांच

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के हांसा पंचायत के हांसा गांव से चोरों ने सड़क के किनारे स्थित स्व उपेंद्र नारायण सिंह पुत्र राजेश कुमार सिंह के घर का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी कर ली। इस सबंध में नौकर कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मुसेपुर गांव निवासी मुनेश्वर महतो ने एक लिखित आवेदन दी है।सुचना मिलने पर डीएसपी, इंस्पेक्टर एवं थानाध्यक्ष निरंजन कुमार पुलिस बल के साथ पहुँचकर मामले के तफतिस में जुट गये हैं। चोरों ने ताला तोड़कर अंदर में रखे अलमीरा आदि समाग्री को तोड़कर उसमें रखे कपड़ा आदि समान की चोरी कर ली। नौकर अपने घर शिवरात्रि पूजा मनाने गया था। जब गुरुवार को आया तो देखा ताला टूटा हुआ है।बतादे कि राजेश कुमार सिंह भंवन निर्माण विभाग के अतिरिक्त सचिव हैं।

विदेशी शराब बरियारपुर से 75.84 लीटर जप्त

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले वारिसनगर थाना क्षेत्र के बरियारपुर गांव से गुरुवार को पुलिस ने एक चार पहिया स्वीप्ट वाहन रखा शराब बरामद की है।थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया कि बरामद शराब 75.84 लीटर बताया गया है। पुलिस को गुप्त सुचना मिली स्वीप्ट गाड़ी पर शराब लेकर किशनपुर से वारिसनगर की ओर जा रहा है। सुचना के साथ थानाध्यक्ष के अलावे अपर थानाध्यक्ष शशि शंकर कुमार ने पुलिस बल के साथ पीछा किया तो बरियारपुर गांव के एक घर के पास सड़क पर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया।

अगवा बालक को पुलिस ने किया परिजनों हवाले,

बालक ने कहा अपनी मर्जी से प्रयाग राज गया था

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर ब्लॉक के तहत मथुरापुर थाना क्षेत्र के सारी से अगवा बालक को पुलिस ने न्यायलय में ब्यान कराने के बाद गुरुवार को पिता के हवाले कर दिया। अपर थानाध्यक्ष अश्वथामा कुमार ने बताया कि प्रयागराज से
बरामद 13 वर्षीय बालक कृत कुमार ने अपने ब्यान में कहा है कि बिना किसी को बताये सारी डेरा से निकला था ट्रेन पकड़ कर प्रयागराज पहुंच गये। पैसा नही रहने पर जीआरपी थाना के सम्पक में गये और बोले की हम भटक गये हैं। मेरे मम्मी के फोन पर बात करवा दीजिए। इसके बाद पापा व भाई प्रयागराज पहुंचकर मुझें वहां से लाये तो आने के बाद पता चला कि मम्मी थाना में केस कर दी है। इसके बाद पुलिस के कब्जे में ब्यान हुआ मुझें कोई भगाकर नही ले गया है। उन्होंने बताया कि मैं अपनी मर्जी से प्रयोग राज गया था।

मृतक के परिजनों को मंत्री ने दिया सहायता राशि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। गुरुवार को बिहार सरकार के मंत्री महेश्वर हजारी ने कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत बरहेता पंचायत के सड़क दुर्घटना मे मृत पुष्पम कुमार और तीरा पंचायत के अभिषेक कुमार जिनके डूबने के कारण मृत्यु हो गई थी, उनके परिवार से मिले और 20 - 20 हजार रुपया की सहायता राशि उनके घर पर जाकर दिया। मौके पर जदयू के वरिष्ठ नेता प्रो तकी अख्तर, प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार सिंह, रामचंद्र राय फौजी, आशीष पटेल, दीपक भगत, लक्ष्मी सिंह, सीओ रंजन कुमार समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत मधुबनी जिला के रायका थाना क्षेत्र के सप्ताह में मधुबनी मुख्य मार्ग पर एक बाइक के आमने-सामने टक्कर में आज शाम विक्की कुमार नामी युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जब के एक घायल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया इसकी सूचना मिलते ही रहिका थाना अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने दलबल के साथ पहुंचकर परिजनों को समझा बूझकर शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया वहीं थाना अध्यक्ष ने बताया कि विजय पासवान का लड़का विक्की पासवान बाइक से घर पतौना थाना क्षेत्र के नरसाम गांव रहने वाला था

आईपीएस की नौकरी छोड़ चुके शिवदीप लांडे अब क्या करने वाले हैं? पटना में बुलाई पीसी

बिहार चर्चित आईपीएस अधिकारी रहे शिवदीप वामनराव लांडे ने शुक्रवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस (पीसी) बुलाई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसमें वह अपने भविष्य का प्लान बताएंगे। बिहार पुलिस में आईजी रह चुके शिवदीप लांडे ने पिछले साल भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) से इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रपति ने पिछले महीने ही उनका इस्तीफा मंजूर किया था। इसके बाद वे ऐच्छिक रूप से सेवानिवृत हो गए। हालांकि, लांडे ने आईपीएस की नौकरी क्यों छोड़ी, इस बारे में उन्होंने अभी तक खुलासा नहीं किया है।सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले शिवदीप लांडे ने गुरुवार को एक पोस्ट शेयर की।

जनता दरबार में पहुंचे 11 फरियादी, 8 लोगों का हुआ निष्पादन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। वृहस्पतिवार को अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में अनुमंडल स्तरीय भूमि विवाद की सुनवाई की गयी, जिसमें कुल 11 मामले की सुनवाई की गयी। आज जनता दरबार में कुल 08 मामले का निष्पादन किया गया एवं शेष 03 मामले को अगले तिथि निर्धारित की गयी है इस सुनवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अनुमंडल दण्डाधिकारी (पंकज कुमार झा) एवं अंचल से आये परिवादी के साथ साथ अचंलाधिकारी एवं राजस्व अधिकारी जनता दरबार में उपस्थित थे

नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत मानव चिकित्सा शिविर कार्यक्रम आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

18वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, राजनगर के बाह्य सीमा श्रीरामपुर के कार्यक्षेत्र में स्थित बरपट्टी गाँव में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पुरुष 39, महिला 50 और बच्चे 18 कुल 107 ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जाँच एवं दवाइयों का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. उप कमांडेंट (मेडिकल) फाल्गुनी मंडल एवं बलकर्मी मौजूद थे ।भारत नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी19वीं वाहिनी के जवानों द्वारा शनिवार को नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत दो दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बटालियन के सेनानायक स्वर्ण जीत शर्मा के दिशा निर्देश पर आयोजित दो दिवसीय चिकित्सा शिविर में 61 मरीजों का इलाज किया गया। नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत वाहिनी की सी समवाय कुर्लिकोट के क्षेत्र के गांव हजारीगाछ (डांगीगाछ) एवं एफ समवाय पाठामारी क्षेत्र के राजकीय मिडिल स्कूल कुलीकोट में डॉ. मागा राम, सहायक कमान्डेंट (मेडिकल) द्वारा मानव चिकित्सा शिविर लगाकर स्थानीय सीमावर्ती क्षेत्रों के लगभग 61 मरीजों की जांच की तथा उन्हें जांच के आधार पर मुफ्त दवाईयां वितरण किया गया। बताते चलें कि 19वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमान्त क्षेत्र की जनता के लिए समय- समय पर ऐसे नागरिक कल्याण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किये जाते हैं।

फरोग - ए - उर्दू का सेमिनार, सह कार्यशाला का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। गुरुवार को कपूरी सभागार समस्तीपुर में फरोग - ए - उर्दू - सेमिनार - सह - कार्यशाला का आयोजन उर्दू निदेशालय बिहार सरकार मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग तथा जिला प्रशासन अंतर्गत उर्दू भाषा कोषांग के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन प्रभारी जिलाधिकारी- सह -अपर समाहर्ता अजय कुमार तिवारी, उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी महमूद आलम, उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण रजनीश कुमार राय, प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू भाषा कोषांग खालिद अनवर जिलानी द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर प्रभारी जिलाधिकारी द्वारा उर्दू भाषा के विकास हेतु उर्दू निदेशालय एवं जिला प्रशासन

के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में सेमिनार के आयोजक मंडल को कार्यक्रम के बेहतर संयोजन हेतु शुभकामना दी गई तथा सभी आलेख पाठक, डेली गेट्स एवं सेमिनार में भाग लेने वाले प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों को शुभकामना दी गई। मौके पर उपस्थित उप विकास आयुक्त द्वारा संबोधित करते हुए बताया गया कि उर्दू राज्य की दूसरी राजकीय भाषा है एवं विभिन्न कार्यक्रम राजभाषा विभाग द्वारा इसके प्रचार - प्रसार हेतु किए जा रहे हैं, इसी कड़ी में विभिन्न जिलों में सेमिनार सह कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।उनके द्वारा भी सभी आयोजको एवं प्रतिभागियों को शुभकामना दी गई तथा इस तरह के कार्यक्रम और होने चाहिए जिससे उर्दू भाषा का विकास हो सके इसके लिए और आवश्यक कार्रवाई करने हेतु अनुरोध किया गया। मौके पर विभिन्न डेली गेट्स, आलेख पाठक, शायर एवं प्रतिभागियों के साथ-साथ मीडिया के साथी एवं अभिभावकगण तथा श्रोतागण उपस्थित थे।

उर्दू बिहार की दूसरी भाषा है इस भाषा की उन्नति के लिए सभी वर्गों को मिलजुल कर प्रयास करना होगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

उर्दू बिहार की दूसरी भाषा है इस भाषा की उन्नति के लिए सभी वर्गों को मिलजुल कर प्रयास करना होगा इस मीठी जुबान का जन्म भारत में हुआ है और यह यही पली और बढ़ी है ।उर्दू भारत की संयुक्त सभ्यता और संस्कृति की भाषा है। उक्त बातें अपर समाहर्ता समस्तीपुर अजय कुमार तिवारी ने उर्दू निदेशालय मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग बिहार पटना के तत्वाधान में जिला उर्दू कोषांग समस्तीपुर की ओर से आयोजित एकदिवसीय फरोगे उर्दू सेमिनार एवं मुशायरा के कार्यक्रम में शहर के कपूरी सभागार में कहीं। उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा के उत्थान के लिए प्रचार प्रसार की आवश्यकता है इसी दृष्टिकोण से हर साल इस प्रकार का आयोजन जिला उर्दू कोषांग की ओर से किया जाता है। उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी ने कहा कि उर्दू भाषा की मिठास सभी को अपनी ओर खींचती है प्रेमचंद पंडित बृज नारायण इकबाल गालिब बिस्मिल अजीमाबादी जैसे बड़े-बड़े विद्वान उर्दू भाषा के हैं जिन्होंने अपनी कविताओं और उपन्यास से उर्दू भाषा की उन्नति में अपना योगदान दिया है। इस भाषा को सीखना चाहिए आम बोलचाल में इसका प्रयोग किया जाना चाहिए। उप निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी सह निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी जिला उर्दू कोषांग रजनीश कुमार राय ने कहा कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के द्वारा लगातार जिले में अल्पसंख्यक छात्र एवं छात्राओं के उत्थान के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं अल्पसंख्यक छात्रावास शहर के मॉडल स्कूल के पास निर्माण कराया गया है जहां अल्पसंख्यक छात्र एवं छात्राओं के लिए निशुल्क आवास एवं खाने पीने की व्यवस्था है साथ ही वाईफाई, जनरेटर और नई तकनीकी सुविधाएं भी दी जाती हैं। श्री रजनीश कुमार राय ने आगे कहा कि अल्पसंख्यक छात्रावास में रहने वाले छात्र एवं छात्राओं को ऑनलाइन हज भवन से कोचिंग भी कराई जाती है इसी प्रकार से और भी कई योजनाएं बच्चों के लिए चलाई जा रही है इच्छुक अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र एवं छात्राएं ई कल्याण पोर्टल के द्वारा अपना पंजीयन कर सकते हैं और इस योजना का निशुल्क लाभ ले सकते हैं। जिला आपूर्ति पदाधिकारी महमूद आलम जिला कला एवं सांस्कृतिक पदाधिकारी जूही कुमारी ने भी उर्दू के उत्थान के बारे में अपना विचार व्यक्त किया।इस अवसर पर स्कूली छात्र एवं छात्राओं ने भी विभिन्न विषयों पर अपना विचार रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण रजनीश कुमार राय एवं संचालन उर्दू अनुवादक आलम सिद्दीकी ने किया। इस अवसर पर प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू भाषा कोषांग मोहम्मद खालिद अनवर जिलानी ,शाजिया तमकीन, रहमत अली, मोहम्मद असदुल्लाह, मोहम्मद इरफान, परवेज हक , सादिया तबस्सुम मोहम्मद तारिकुज्जमा, डॉ वसिया इरफान, मोहम्मद सनाउल्लाह ,मोहम्मद मंजूर आलम ,मोहम्मद तौहीद आलम, मनीष कुमार इत्यादि मौजूद थे। कार्यक्रम के दूसरे सेशन में डॉक्टर बिस्मिल अरिफी की अध्यक्षता एवं मुकीम दानिश के संचालन में मुशायरा का आयोजन किया गया। जिसमें काबिस जमाली,आफताब समस्तीपुरी,आलम सिद्दीकी, प्रोफेसर मोहम्मद सफवान सफवी, ।

जमीयत उलेमा गुजरात के द्वारा संभल के शहीदों के परिवारों को आर्थिक सहायता दिया

कोई भी व्यवस्था, कानून और न्याय को कुचलकर स्थिर नहीं रह सकती झ्र मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी

मोहम्मद सदरे आलम नैमानी

पटना: जमीयत उलेमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी के नेतृत्व में जमीयत उलेमा गुजरात के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज संभल हादसे के शहीदों के परिवारों से मुलाकात की और उनके प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए प्रत्येक परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य रमजान से पहले प्रभावित परिवारों की सहायता करना और उनके साथ खड़े होने का वास्तविक प्रदर्शन करना है।

प्रतिनिधिमंडल में जमीयत उलेमा गुजरात के उपाध्यक्ष मौलाना अब्दुल कुद्दूस पालनपुरी, मौलाना अबुल हसन सिवानी (पालनपुर), मौलाना नदीम अहमद बदरखा और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। इस अवसर पर जमीयत उलेमा संभल के अध्यक्ष हाफिज मोहम्मद शाहिद, महासचिव मौलाना नदीम अख्तर कासमी और स्थानीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के विशेष निर्देश पर, घटना के कुछ ही दिनों बाद केंद्रीय कार्यालय की

ओर से प्रत्येक शहीद के परिवार को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता पहले ही प्रदान की जा चुकी है। जमीयत निरंतर पीड़ितों के संपर्क में है और उनकी हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है। इस मौके पर मौलाना अब्दुल कुद्दूस पालनपुरी ने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की विशेष ध्यानाकर्षण के बाद जमीयत उलेमा गुजरात यहां अपने भाइयों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने आई है। हमने हमेशा ही पीड़ितों और जरूरतमंदों के साथ खड़े रहने का संकल्प लिया है और आगे भी अपने धार्मिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों को निभाते रहेंगे।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी ने कहा कि जमीयत शुरूआत से ही संभल हादसे के पीड़ितों के साथ खड़ी है। हमारी राहत गतिविधियों का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि शहीदों के परिवारों के साथ एकजुटता प्रकट करना और उनके दुख में सहभागी बनना है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी व्यवस्था, कानून और न्याय को कुचलकर स्थिर नहीं रह सकती। हम संभल हादसे के पीड़ितों के साथ हर हाल में खड़े रहेंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे कि पीड़ितों को न्याय मिले और उनकी आवाज बुलंद हो।

कार ने बाइक एवं साईकिल सवार चार लोगों को रौंदा, एक की मौत तीन घायल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) हुसैनगंज थाना क्षेत्र के हुसैनगंज गोपालपुर सड़क के बीआरसी के समीप गुरुवार की सुबह तेज रफ्तार कार असंतुलित होकर चार लोगों को रौंद दिया. जिसमें एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. वहीं तीन गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक की पहचान खानपुर खैराटी निवासी नरेश बैठा का पुत्र राहुल कुमार बैठा है. जबकि गंभीर रूप से घायल तारकेश्वर साह का पुत्र दिलीप कुमार साह है. उसका एक बाह टुट गया है और सिर में चोट है जिसके कारण वह सदर अस्पताल में बेहोशी की हालत में ?????जिंदगी और मौत से जूझ रहा है.? वहीं हुसैनगंज उत्तर मुहल्ला निवासी आसीफ रजा उम्र 9 वर्ष और उसकी बहन रेशमी परवीन उम्र 12 वर्ष घायल है. ये दोनों भाई बहन अपने रिस्तेदारी इस्लामगंज से साईकिल से अपने घर जा रहे थे. वहीं मृतक राहुल और उसका साथी दिलीप बाईक से हुसैनगंज बाजार जा रहे थे. मृतक के परिजनों ने बताया कि राहुल दुबई से एक सप्ताह पूर्व अपने घर आया था. घटना के संबंध में बताया जाता है कि गुरुवार की सुबह तकरीबन 10:00 बजे दिलीप और राहुल एक बाइक पर सवार होकर अपने गांव से हुसैनगंज बाजार जा रहे थे .अभी वे लोग बाजार में पहुंचने ही वाले थे तब तक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दोनों युवकों को रौंद दिया. उन्हें भी कार ने रौंदते हुए सिमेंट की बनी दिवार को तोड़ते हुए कार पलट गई. जिसकी के बाद स्थानीय लोगो ने हल्ला हंगामा किया और सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी? हुसैनगंज में भर्ती कराया गया. जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया .यहां चिकित्सकों ने राहुल कुमार को मृत घोषित कर दिया. जबकि अन्य तीनों घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है. वाहन इनोवा कार है जिसका ड्राइवर घटना स्थल से फरार हो गया.इधर घटना के बाद पुलिस वाहन को जप्त करते हुए ? का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दी और मामले की जांच में जुट गई. मृतक दो भाई और दो बहन है. उसके पिता चिमनी पर ईंट ढोंने का काम करते हैं. नरेश बैठा उसकी पत्नी और एक बेटा एवं दो बेटी गंगे हैं. वे बोल नहीं सकते हैं. मृतक राहुल सिर्फ बोलता था जो परिवार की रोजी रोटी के लिए विदेश दुबई में कमाने गया था.

हवारी विकास समिति की छपरा में हुई बैठक,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हवारी विकास समिति बिहार,छपरा के बैनर तले मुस्लिम में आने वाले अरजाल मुस्लिम को २ू में शामिल करने की मांग सरकार से की गई ।इस बैठक में संगठन के अध्यक्ष मोहम्मद आस मोहम्मद साहब,सचिव मो इदरीस साहब, कोषाध्यक्ष हाजी अलाउद्दीन हवारी, इसराइल अली हवारी,शहजादा हुसैन शीशगर, मोहर्रम मियां,जफर अली, अरजाल मुस्लिम आंदोलन के सूत्रधार मोहम्मद सलीम रामपुरी,इकरामुद्दी हवाई, मो अजीमुल्लाह,मो इदरीस साहब आदि सैकड़ो लोग थे।

ग्लोबल पब्लिक स्कूल में धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई 8 वीं स्थापना दिवस

मंच पर सम्मानित करते हुए डायरेक्टर

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज (सीवान) हुसैनगंज प्रखंड के ग्लोबल पब्लिक स्कूल खानपुर खैरांटी के प्रांगण में रब्बानी इडुकेशन एण्ड सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा स्कूल की 8 वीं स्थापना दिवस धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ गुरुवार को मनाई गई. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड के बीपीएम ई. शिवम कुमार, विशिष्ट अतिथि थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह, डा. मोदस्सीर इकबाल उपस्थित थे. छोटे बड़े सभी छात्र व छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों सहित गणमान्य व्यक्तियों की मन मोह लिया. डायरेक्टर परवेज अहमद एवं चेयरमैन मो.मोलाजीम द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों को अंग वस्त्र तथा माला पहनाकर सम्मानित

किया गया. सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता निभाने वाले छात्र व? छात्राओं को मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों न ट्राफी देकर पुरस्कृत किया गया. इस अवसर पर प्रखंड के बीआरपी मंकेश्वर वर्मा, परमहंस पांडेय, पीयूष कुमार, समन्वयक कोमल कुमारी, प्रिंसिपल जेड खातून, वाईस प्रिंसिपल शौकत अली, शिक्षक सिमी, खुश्बू, दिनकर, नेहा, चंचल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

बिहार की दूसरी सरकारी भाषा उर्दू के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : अब्दुस सलाम अंसारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। कौमी असातिजह तंजीम बिहार उर्दू जबान के संरक्षण के लिए वरदान साबित हो रहा है। उक्त बातें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना के सचिव सह उपनिदेशक माध्यमिक शिक्षा बिहार अब्दुस सलाम अंसारी ने तहरीक तहफ्फुज ए उर्दू जबान व अदब कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन कौमी असातिजह तंजीम सीतामढ़ी के बैनर तले तैयबा अकेडमी बलुआ में हुआ। श्री अंसारी ने कहा कि उर्दू बिहार की दूसरी सरकारी भाषा है जिसके विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है लेकिन आज उर्दू आबादी में जागरूकता नहीं होने के कारण इसके विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है।? उन्होंने कहा कि बिहार में अरबी फारसी शिक्षकों की बहाली संस्था के माध्यम से ही संभव हुआ है। लेकिन योग्य अभ्यर्थी नहीं मिल रहे हैं, इसलिए

एक हजार में अभी मात्र तीन सौ ही अरबी फारसी भाषा के शिक्षक बहाल हो पाए हैं। संस्था के प्रदेश संयोजक मो रफी ने कहा कि इस तहरीक की शुरूआत क्यों और कैसे हुई तो इसके लिए हमारे संघर्ष की कथा संग्रह ह्य सद बर्ग ह्य के अध्यन से भली भांति होगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य उर्दू आबादी को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है ताकि वह अपने अधिकारों को हासिल करने की दिशा में प्रयास करे। प्रदेश अध्यक्ष ताजुल आरफीन ने कहा कि उर्दू भाषा में बहुत सारी पुस्तकें प्रकाशित होती हैं, आप उर्दू नहीं पढ़ेंगे तो उन किताबों का अध्ययन कैसे करेंगे। प्रदेश सचिव मो ताजुद्दीन ने कहा कि तहरीक का उद्देश्य प्राईमरी स्तर पर छात्र एवं छात्राओं को उर्दू भाषा की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था करना और उर्दू अरबी व फारसी भाषा के शिक्षकों की हिफाजत व अधिक संख्या में बहाली हो। मिन्हाज ढ़ाकवी ने शिक्षा ग्रहण करने और अधिक संख्याओं में शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का आह्वान करते हुए तहरीक तहफ्फुज ए उर्दू जबान व अदब के कारवां को आगे बढ़ाने को कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुफ्ती मंसूर अली अंसारी ने की जबकि संचालन शमीम अहमद ने किया। कार्यक्रम का समापन मो रब्बानी मिन्हाज, संयोजक कौमी असातिजह तंजीम सीतामढ़ी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नसीम अख्तर, सीतामढ़ी सचिव मो साबिर, मीडिया प्रभारी मो0 नुरुद्दीन अंसारी, पुस्तकालय संघ के परवेज आलम, हाफिज सोहैल उर्फ मुन्ना अंसारी, मदरसा रहमानिया मेहसौल के पूर्व अध्यक्ष मो अरमान अली,तालिब हुसैन आजाद, मौलाना अंजार खान , राशिद फहमी आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सड़क दुघर्टना में दो घायल सदर अस्पताल छपरा रेफर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के हनुमानगंज गांव में छपरा मशरक एस एच 90 पर अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से बाइक पर सवार दो युवक घायल हो गए। घायलों में हनुमानगंज गांव निवासी चांदी लाल प्रसाद का 22 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार और इसुआपुर थाना क्षेत्र के सढ़वारा गांव निवासी शिव कुमार राउत का 18 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार के रूप में हुई। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक प्रभारी डॉ संजय कुमार ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घायलों ने बताया कि गांव से बाजार की तरफ जा रहें थे कि अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी।

वेतन वृद्धि को लेकर रसोइया संघ का विशाल धरना प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। मध्याह्न भोजन रसोईया संघ, सीतामढ़ी के द्वारा वेतन वृद्धि सहित 11 सूत्री मांगों के लिए आंबेडकर स्थल डुमरा सीतामढ़ी में विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन जिला उपाध्यक्ष प्रदीप राय की अध्यक्षता में किया गया।

धरना को संबोधित करते हुए, दिलीप कुमार शाही जिला सचिव अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ सीतामढ़ी ने रसोइया के सभी मांगों का समर्थन करते हुए रसोईयों को 10 महीने के बजाय 12 महीने का वेतन अन्य राज्यों अरुणाचल प्रदेश की तरह प्रतिमाह 13 हजार रुपए वेतन देने हेतु आवश्यक कारवाई करने की मांग राज्य एवम् केंद्र सरकार से की।

पार्वती देवी ने कहा कि, रसोइया को जानवर से भी बदतर समझा जा रहा है। प्रतिमाह 1650 रु मानदेय ऊंट के मुंह में जीरा के समान है।

संघ के संरक्षक बिनोद बिहारी मंडल ने कहा कि, निदेशक, एमडीएम के द्वारा प्रतिमाह 3650 रु मानदेय का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया। लेकिन वित विभाग से अभी तक स्वीकृति नहीं मिलना गरीबों के साथ अन्याय है।

धरना के क्रम में उपाध्यक्ष प्रदीप राय के नेतृत्व में 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी सीतामढ़ी के माध्यम से 11 सूत्री मांगों रसोईया को सरकारी कर्मी घोषित कर न्यूनतम मानदेय देने, तत्काल प्रतिमा ?10 हजार मानदेय देने, साल में 10 माह के बजाय 12 माह का वेतन देने, सामाजिक सुरक्षा के तहत ?3000 प्रतिमा पेंशन देने , अकारण हटाए गए रसोइया कोकाम पर वापस लेने, ड्रेस मुहैया कराने,दुर्घटना बीमा व स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने, आकस्मिक मातृत्व एवं विशेष अवकाश का लाभ देने, रिक्त पदों पर हाली में मृत एवम् सेवानिवृत रसोईया के परिजन को प्राथमिकता देने, ऐनजीओ ओ एवं ठेकेदारों को मध्यान भोजन योजना से बाहर करने , भूमिहीन एवं गृह विभिन्न रसोईया को 5 डिसमिल जमीन एवं आवास देने का ज्ञापन सौंपा।

धरना में नागेश्वर राय, रामकृत रावत ,नवल मंडल ,बेबी गुप्ता, मनोज रावत ,मंजू देवी, रेणु देवी, पार्वती देवी, शीला देवी, मिथिलेश राय, प्रमोद प्रसाद, उमेश रावत ,जयमंगल दास, राजकिशोर महतो ,वीरेंद्र प्रसाद, मीरा देवी ,सुनील राय, नागेंद्र राय, जगदीश महतो, देवेंद्र झा, रुखसाना खातून सहित सैकड़ो रसोइया उपस्थित थे।

बासोपट्टी थाना क्षेत्र में सिरियापुर गांव में भीषण चोरी की घटना,डीएसपी ने किया जांच पड़ताल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बासोपट्टी थाना क्षेत्र के सिरियापुर गांव के रिटायर्ड शिक्षक चंद्रेश ठाकुर के घर में चोरों ने भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया है ।घटना करीब रात 12 बजे के आस पास की बताई जा रही है ।बताया जा रहा है कि घटना के बारे में परिजन को जानकारी उस वक्त मिला जब घर के एक परिजन अपने रूम से बाहर निकला ।घर के परिजन ने घटना की जानकारी स्थानीय लोगों सहित बासोपट्टी थाना पुलिस को दिया ।बासोपट्टी थाना पुलिस,डीएसपी विपल्व कुमार,डॉग स्क्वायड की टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की जांच पड़ताल किया। बताया जाता है घटना की जानकारी स्थानीय विधायक अरुण शंकर प्रसाद को मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचकर पुलिस के पर सवाल उठाया ।उन्होंने पुलिस से जल्द इस घटना की उद्भेदन को लेकर बात कही।

सोनी सब की भारत में पहली बार अनूठी तकनीकी क्रांति: उज्जैन के आसमान में श्री राम घाट पर अद्भुत 3डी होलोग्राफिक स्काई प्रोजेक्शन के साथ जीवंत हुआ वीर हनुमान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

अभिनेता महिर पंधी, आरव चौधरी, सायली सालुंके और आन तिवारी इस ऐतिहासिक भव्य लॉन्च के लिए पवित्र मंदिर नगरी पहुंचे

उज्जैन, 24 फरवरी, 2025: सोनी सब के बहुप्रतीक्षित पौराणिक धारावाहिक "वीर हनुमान" का भव्य लॉन्च एक ऐतिहासिक आयोजन के साथ हुआ, जिसने उज्जैन के आसमान को पहली बार 3डी होलोग्राफिक स्काई प्रोजेक्शन से रोशन कर दिया। श्री राम घाट पर हुए इस शानदार प्रदर्शन ने भगवान हनुमान की कहानी की एक झलक पेश की, जो महाशिवरात्रि के अवसर से पहले शहर के आसमान में दिखाई दी। इस अत्याधुनिक तकनीक और आध्यात्मिक महत्व के अद्वितीय संगम ने "वीर हनुमान" की भक्ति-प्रधान कथा को बखूबी दशार्या। 3डी होलोग्राफिक प्रोजेक्शन ने शो की रोमांचक कहानी की झलक दी और सोनी सब पर इसके शुभारंभ के लिए एक पवित्र वातावरण तैयार किया। "वीर हनुमान" के कलाकारों में माहिर

पंधी (बालि और सुग्रीव), आरव चौधरी (केसरी), सायली सालुंके (अंजनी) और आन तिवारी (बाल हनुमान) इस शुभ अवसर पर मौजूद रहे। प्रोजेक्शन से पहले सभी कलाकारों ने एक स्थानीय हनुमान मंदिर में जाकर प्रार्थना की और श्री राम घाट पर आरती समारोह में भाग लिया।आरव चौधरी ने कहा, "उज्जैन में इतने सारे भक्तों के बीच इस शो को लॉन्च करना और इस अनूठी गतिविधि का हिस्सा बनना अविश्वसनीय अनुभव था। इस पवित्र और भक्ति-भावनाओं से भरपूर माहौल ने इस क्षण को और भी खास बना दिया। मुझे इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला, इसके लिए मैं आभारी हूँ।"अपनी खुशी जाहिर करते हुए माहिर पंधी ने कहा, "उज्जैन के आसमान में हनुमान जी की कहानी को देखना एक अद्भुत और भावनात्मक अनुभव था। यह शो की भव्यता और भक्ति को दशार्ने का एक शानदार तरीका था और मैं आभारी हूँ कि इस अनोखे पल को मैंने वहां उपस्थित सभी लोगों के साथ साझा किया ।सायली सालुंके ने इस अविश्वसनीय अनुभव पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "इस प्रोजेक्शन के दौरान मेरे रोंगटे खड़े हो गए और ऐसा लगा मानो हनुमान जी हमें आशीर्वाद दे रहे हों। ऐसा अनुभव हुआ जैसे हनुमान जी वास्तव में हमारे बीच मौजूद हैं और हमें हर कार्य में मार्गदर्शन दे रहे हैं ।आन तिवारी, जो बाल हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं, ने कहा, "मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। यह जादू जैसा लगा। आसमान में खुद को हनुमान जी के रूप में देखकर मैं बेहद खुश हुआ।

आगामी विधान सभा चुनाव को देखते हुए दिलावर राजदरबार में कांग्रेस के नेताओं ने की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान दुरौंधा 27 फरवरी बृहस्पतिवार। सिवान जिला कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष विद्युशेखर पाण्डेय ने दुरौंधा कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष अनंत तिवारी के अध्यक्षता में दुरौंधा के दिलावर राज दरबार में बैठक कर आगामी विधान सभा चुनाव में भारतीय कांग्रेस पार्टी के मजबूती पर बल दिया गया। जिसमें कांग्रेस ने देश के आजादी के बाद देश को किस तरह विकसित बनाया इस पर श्री विदुषेखर पांडेय ने विस्तार पूर्वक चर्चा की ।और बूथ स्तर पर पार्टी के मजबूती पर बल दिया गया ।और देश में सांप्रदायिक सदभाव को बिगाड़ने वाले और संविधान निमार्ता को गाली देने वालो के खिलाफ उनको गद्दी से भगाने का संकल्प लिया। और आगामी विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने बूथ लेवल अधिकारी बूथ स्तर पर मजबूती से कार्य करने का संकल्प लिया। वही बैठक में आए आगंतुक मेहमानों को दिलावर तारिक ने भोजन करा कर चट्टानी एकता का परिचय दिया ।इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश कांग्रेसमहामंत्री रामजी उपाध्याय, मानवाधिकार आयोग के प्रदेश महामंत्री तारिक दिलावर, जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी, शशि कांत सिंह, सरोज भारती गौतम मिश्रा, विनोद सिंह, सिवान राजद व्यावसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राज किशोर गुप्ता, मोहम्मद हक खान साहेब, महाराजगंज कांग्रेस प्रभारी रमेश उपाध्याय, डॉक्टर अलाउद्दीन, शंभु राम अंशु पाण्डेय इत्यादि मौजूद थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,अपार आईडी बनाने में शिथिलता को लेकर 6 प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण

जिलाधिकारी श्री अमन समीर द्वारा आज शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्तमान में जिला में 82 भूमिहीन विद्यालय हैं जिनके भवन निर्माण हेतु भूमि की आवश्यकता है जिलाधिकारी ने प्राथमिकता के आधार पर अपर समाहर्त्ता के माध्यम से भूमिहीन विद्यालयों के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु कार्रवाई का निर्देश दिया। विद्यालय में अध्यनरत छात्रों का अपार आईडी बनाया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 55% छात्रों का अपार आईडी बनाया जा चुका है। इसकी धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया। 55 प्रतिशत से कम अपार आईडी बनाने वाले प्रखंड सदर छपरा, जलालपुर, तरैया, दिघवारा, मांझी एवं एकमा के प्रखंड

शिक्षा पदाधिकारी से स्पष्टीकरण पूछा गया। ई-शिक्षा कोष पर बच्चों के आधार नामांकन की प्रविष्टि की जा रही है। अभी भी लगभग 90000 बच्चों का आधार नहीं बना है। सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को इस कार्य को प्राथमिकता से पूरा कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मध्याह्न भोजन के आपूर्तिकर्त्ता एजेंसी के केंद्रीयकृत किचन से भोजन डिस्पैच के समय संबंधित बीआरपी निश्चित रूप से वहां मौजूद रहें। सबसे दूर वाले विद्यालयों के लिए भोजन लेकर वाहन सबसे पहले किचन से खुले ताकि समय पर वहां खाना पहुंच सके। सभी किचन का औचक निरीक्षण सुनिश्चित कराया जाएगा। जिला के 712 विद्यालयों में पोषण वाटिका का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए संबंधित विद्यालयों को राशि दी गई है। पोषण वाटिका में विभिन्न प्रकार की सब्जियों को उगाया जाएगा जिसका उपयोग मध्याह्न भोजन में भी किया जा सकेगा। साथ ही बच्चों को कृषि कार्यों के बारे में भी बेसिक जानकारी इसके माध्यम से दी जा सकेगी।

सिवान में पुलिस इनकाउंटर में अपराधी घायल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज 27 फरवरी बृहस्पतिवार। महाराजगंज थाना क्षेत्र के इंदौली गांव में पुलिस मुडभेड़ में कुख्यात अपराधी इंदौली निवासी
परमानंद यादव के पुत्र प्रमोद यादव घायल हो गया। वही महाराजगंज अनुमंडल पुलिस अधीक्षक श्री राकेश कुमार रंजन ने बताया कि प्रमोद यादव कई मामलों में नामजद अभियुक्त है। जिसकी तलाश महाराजगंज थाना की पुलिस कर रही थी। जिसकी गुप्त सूचना महाराजगंज थाना को मिली थी की अपराधी घर पर है। जिसे गिरफ्तार करने पुलिस गई थी जहां अपराधी ने अपने घर के पीछे पुआल में हथियार छुपा कर रखा था। जहां अपराधी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी जहां पुलिस के जवाबी कार्रवाई में अपराधी के पैर में गोली लग गई जिसे अनुमंडल अस्पताल महाराजगंज में प्राथमिक उपचार करा कर बेहतर इलाज के लिए सिवान सदर अस्पताल पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया गया।

मां अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन के माध्यम से राजयसभा सांसद संजय यादव के जन्मदिन पर विधानसभा प्रत्याशी ब्रज किशोर यादव ने कराया गरीबों को भोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर रेलवे स्टेशन के सामने पुराना नगर पंचायत कार्यालय परिसर मे लंगर लगा कर गर्म व पौष्टीक भोजन बैरा निवासी खजौली विधानसभा के भावी विधायक प्रत्याशी सह समाजसेवी सह राजद नेता ब्रज किशोर यादव ने राजद से राज्यसभा सांसद संजय यादव के जन्मदिन के अवसर पर भोजन करवाया। साथ ही इन्हीं गरीब-गुरबों के बीच केक भी काटा और इन सभी को खिलाया ।जरूरतमंद को भोजन कराना और उसकी सेवा करना जीवन का सबसे बड़ा पुण्य होता है। इस कार्य के लिए हर व्यक्ति आगे होता है, ताकि कोई व्यक्ति भूखा ना सोए। इसी उद्देश्य से मधुबनी जिले के जयनगर में माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन की शुरूआत की गई। माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन का उद्देश्य है कि जयनगर शहर में कोई भी व्यक्ति भोजन

के लिए दर-दर न भटके। हर जरूरतमंद को भोजन मिल पाए। जयनगर के युवाओं ने व्यवसायी सह समाजसेवी भाई अमित कुमार राउत के नेतृत्व मे पाँच वर्ष पहले कोरोना संकट के समय माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन की शुरूआत की थी। लेकिन, अब धीरे-धीरे इस माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन ने पिछले 1701 दिनों से अनवरत जरूरतमंदों के लिए जयनगर में लंगर लगाकर निःशुल्क भोजन प्रतिदिन करवा रहे है। माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन के जरिए गरीब भूखे लोगों को गुणवत्ता युक्त भोजन उपलब्ध कराए जाते हैं। कोरोना संकट में शुरू हुआ माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन अब हर गरीब और असहाय लोगों की भूख मिटा रहा है। अब माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन की ओर से नई पहल करते हुए शहर के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जन्मदिन हो या पुण्यतिथि लोगों से अपील की जा रही है कि व्यर्थ खर्चा करने के बजाय आप इन जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करें। लोग भी इनकी मदद के लिए आगे आए हैं ।इसी कड़ी में खजौली विधानसभा के भावी विधायक प्रत्याशी सह समाजसेवी सह राजद नेता ब्रज किशोर यादव ने राजद से राज्यसभा सांसद संजय यादव के जन्मदिन के अवसर पर गरीब,असहाय,विकलांग,जरूरतमंद लोगों के बीच निःशुल्क भोजन वितरण किया गया, साथ ही इन्हीं गरीब लोगों के बीच केक भी काटा गया।

रेल मंत्री ने प्रयागराज, महाकुम्भ में रेल कर्मयोगी के अथक प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया और उनकी प्रशंसा की!

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- महाकुम्भ 2025 के दौरान रिकॉर्ड 17000 से अधिक ट्रेनें चलाई गईं!
- श्री अश्विनी वैष्णव ने प्रयागराज का दौरा किया, महाकुम्भ के दौरान अद्भुत कार्य हेतु रेल परिवार – सभी को बधाई दी!

नई दिल्ली, 27 फरवरी 2025: माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने महाकुम्भ 2025 के लिए भारतीय रेल की व्यापक तैयारियों की स्व-समीक्षा करने के लिए सुबह प्रयागराज का दौरा किया। इस भव्य धार्मिक समागम के पैमाने और महत्व को पहचानते हुए, उन्होंने जमीनी परिचालन का आकलन करने के लिए उत्तर मध्य रेल (एनसीआर), पूर्वोत्तर रेल (एनईआर) एवं उत्तर रेल (एनआर) के तहत विभिन्न स्टेशनों का दौरा किया। अपने इस दौरे के दौरान, उन्होंने रेलवे कर्मियों के साथ बातचीत की, प्रमुख व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया; श्री वैष्णव ने विभिन्न विभागों के मध्य निर्बाध समन्वय की भी सराहना की और सभी तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित, कुशल व सुखद यात्रा की सुविधा के लिए भारतीय रेल की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस सम्पूर्ण आयोजन के दौरान रेल मंत्री ने माननीय प्रधानमंत्री को उनके निरंतर मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया और श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व संख्या को संभालने में सहयोग के लिए माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव और पड़ोसी राज्यों की सरकारों को भी उनके सतत सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। रेल मंत्री ने रेल कर्मयोगियों के उत्कृष्ट समर्पण की सराहना की अपनी यात्रा के दौरान, रेल मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और इस तरह के आयोजन के प्रबंधन में भूमिका निभाने वाले रेलवे कार्यबल के प्रत्येक व्यक्ति के प्रति अपनी सराहना व्यक्त की। यात्रियों की सहायता करने वाले फ्रंटलाइन कर्मयोगियों से लेकर सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले आरपीएफ, जीआरपी और पुलिस कर्मियों तक, निर्बाध ट्रेन संचालन को बनाए रखने वाले इंजीनियरों से लेकर सफाई कर्मचारियों तक एवं चिकित्सा सहायता प्रदान करने वाले डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ से लेकर यात्रा को सुविधाजनक बनाने वाले हेल्प डेस्क अधिकारियों तथा बुकिंग कर्मचारियों तक - सभी के योगदान को सराहा।

रेल मंत्री द्वारा रेल कर्मयोगियों के समर्पण को सराहा गया

शकील हैदर,वरिष्ठ संवाददाता ,छपरा

रेल मंत्री ने टीटीई, ड्राइवरों, सहायक ड्राइवरों, सिग्नल और दूरसंचार कर्मियों, टीआरडी और इलेक्ट्रिकल टीमों, एएसएम, नियंत्रण अधिकारियों, ट्रैकमैन और रेलवे प्रशासकों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिनके समन्वित प्रयासों से इस विशाल उपक्रम का सुचारू निष्पादन सुनिश्चित हुआ। उन्होंने पहली से आखिरी पंक्ति तक हर कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने स्टेशनों पर जाकर पहली से आखिरी पंक्ति तक हर कर्मचारी से मिलकर धन्यवाद ज्ञापित किया व उत्साहवर्धन किया और सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने लाखों तीर्थयात्रियों के लिए महाकुम्भ 2025 का निर्बाध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे अथक प्रयास किया।

अभूतपूर्व रेल संचालन

महाकुम्भ 2025 के लिए भारतीय रेल ने अपनी प्रारंभिक संचालन योजना से कहीं अधिक सेवाएँ प्रदान कीं। कुल 17,152 ट्रेनों का संचालन किया गया, जो कि नियोजित 13,000 ट्रेनों से अधिक था और पिछले कुंभ की तुलना में चार गुना वृद्धि दशार्ता है। इसमें 7,667 विशेष ट्रेनें और 9,485 नियमित ट्रेनें शामिल थीं, जिससे श्रद्धालु सुचारू और कुशल यात्रा कर सकें। महाकुम्भ में कुल 66 करोड़ श्रद्धालु सम्मिलित हुए, जिनमें से केवल प्रयागराज के नौ प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 4.24 करोड़ यात्रियों के लिए प्रबंधन किया गया।

बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को समायोजित करने के लिए, भारतीय रेल ने प्रयागराज के नौ प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक अवसंरचना और परिचालन संवर्द्धन लागू किया, जिसमें आवागमन को सुव्यवस्थित करने के लिए दूसरा प्रवेश द्वार, 48 प्लेटफॉर्म और 21 फुट ओवर ब्रिज (ऋङ्कइ) का निर्माण किए गए। अत्याधिक संख्या को नियंत्रित करने के लिए फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी (ऋख्ळ) और ड्रोन निगरानी सहित 1,186 सीसीटीवी कैमरों के साथ निगरानी को सुदृढ़ किया गया। अत्यधिक व्यस्ततम समय में भीड़भाड़ को प्रबंधित करने के लिए 23 स्थायी होल्डिंग एरिया स्थापित किए गए, जबकि मल्टीलैंग्वेज अनाउंसमेंट और 23 भाषाओं में बुकलेट द्वारा यात्री सुविधाओं को बेहतर किया गया। 151 मोबाइल यूटीएस काउंटर और एक क्यूआर-आधारित प्रणाली सहित 554 काउंटरों के साथ टिकट सुविधाओं का विस्तार किया गया।इसके अतिरिक्त, निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए 21 रोड ओवर और अंडर ब्रिज (आरओबी/आरयूबी) का निर्माण किया गया।

भारतीय रेल ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी चिकित्सा और आपातकालीन सहायता प्रणाली लागू की। जिला अधिकारियों के समन्वय में केंद्रीकृत सहायता डेस्क, चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड एवं मोबाइल टॉयलेट तैनात किए गए, जबकि स्टेशनों पर अतिरिक्त खानपान सेवाओं की व्यवस्था की गई। यात्रियों के सुचारू आवाजाही को बनाए रखने के लिए, पार्सल यातायात को प्रतिबंधित किया गया और कुशल रूप से कर्मचारियों की तैनाती एवं समायोजन के लिए एक ऐप-आधारित प्रणाली शुरू की गई। रेक, कोच एवं इंजनों की निरंतर निगरानी ने परिचालन दक्षता सुनिश्चित की, जबकि समर्पित प्रयासों से एक महीने के भीतर वाराणसी-प्रयागराज खंड में अंतिम 34 किमी ट्रैक लिंकिंग को तेजी से पूरा करने में मदद मिली।

महाकुम्भ 2025 संचालन का निर्बाध निष्पादन भारतीय रेल की सार्वजनिक सेवा के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण है। बहुस्तरीय समन्वय और उन्नत भीड़ प्रबंधन के माध्यम से, रेलवे नेटवर्क ने लाखों श्रद्धालुओं को सफलतापूर्वक पहुंचाया। इस असाधारण प्रयासों के प्रति धन्यवाद करते हुए, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने पूरे रेल कार्यबल के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके अथक समर्पण ने सभी के लिए सुचारू और कुशल यात्रा सुनिश्चित की। उनकी प्रतिबद्धता और टीम वर्क ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर परिचालन उत्कृष्टता में एक नया मानदंड स्थापित किया है, जिससे देश की परिवहन प्रणाली की रीढ़ के रूप में भारतीय रेल की भूमिका अधिक प्रभावी हुई है।

महाकुम्भ-2025 के दौरान भारतीय रेल द्वारा की गई तैयारियां:

? सभी मालगाड़ियों को डीएफसी में डायवर्ट किया गया।
? कुम्भ क्षेत्र में +200 रेक उपलब्ध कराए गए, जिसमें दोनों तरफ से ट्रेन सेट या इंजन हैं। (शंटिंग संचालन से बचने के लिए)
? महाकुम्भ क्षेत्र में पिछले 3 वर्षों में 5,000 करोड़ निवेश व विकास कार्य हुआ।
? बनारस-प्रयागराज दोहरीकरण (गंगा पुल सहित)
? फाफामऊ-जंघई दोहरीकरण
? महाकुम्भ के लिए 13,000 निर्धारित ट्रेनों के बदले 17,152 ट्रेनें चलाई गई, जो पिछले कुम्भ से 4 गुना अधिक हैं (विशेष ट्रेनें, 7,667 और नियमित ट्रेनें 9,485 = 17,152)
? कुम्भ में आने वाले कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 66 करोड़ (जिनमें से प्रयागराज के 9 कुम्भ रेलवे स्टेशनों पर 4.24 करोड़ यात्रियों द्वारा यात्रा की गई)

प्रयागराज क्षेत्र में यात्री सुविधाएं

? 9 रेलवे स्टेशन, सभी पर दूसरा प्रवेश द्वार, 48 पीएफ, 21 एफओबी
? 1,186 सीसीटीवी (फेस रिकॉग्नाइजन वाले 10% कैमरे), निगरानी के लिए ड्रोन

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन के पांचवें चरण की शुरूआत में दिखी एकजुटता, समस्तीपुर में कार्यकर्ताओं का उमड़ा जनसैलाब

घटक दलों के अध्यक्षों ने एक स्वर में विधानसभा चुनाव में 225 पार करने के लिए कार्यकर्ताओं को किया संकल्पित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- कार्यकताओं की कर्तव्यनिष्ठा से संगठन को मिलता है बल : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कार्यकताओं के जज्बे को किया सलाम, कहा - यही जज्बा एनडीए की सफलता का उद्घोष
- एनडीए सरकार में महिलाओं के सशक्तिकरण को मिल रही नई उड़ान : डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए एकजुट, बिहार में विकास का रथ अब नहीं रुकने वाला : डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए सरकार बिहार के लोगों के सपने को पूरा कर रही : डॉ. दिलीप जायसवाल
- बिहार विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर : उमेश सिंह कुशवाहा
- विपक्ष को देश की विरासत और विकास से कोई मतलब नहीं : राजू तिवारी
- आगामी विधानसभा चुनाव में नया रिकॉर्ड बनेगा : मदन चौधरी

पटना, 27 फरवरी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के कार्यकर्ता सम्मेलन के पांचवें चरण की शुरूआत आज समस्तीपुर से हुई। समस्तीपुर के पटेल मैदान में आयोजित इस कार्यकर्ता सम्मेलन की शुरूआत से ही एनडीए कार्यकताओं में गजब का उत्साह दिखा और एनडीए के पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने इन उत्साहित कार्यकताओं में जोश भरते हुए एकजुटता की ताकत का एहसास कराया। एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने एनडीए कार्यकताओं को प्रदेश में 225 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करने के लिए संकल्पित किया तथा एक ही लक्ष्य बनाने की अपील की।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पटेल मैदान में कार्यकताओं के जोश और उत्साह की लहर से विपक्ष अभी ही धराशायी हो गया है।उन्होंने कहा कि चार चरणों के कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान कार्यकताओं की जो कर्तव्यनिष्ठा देखने को मिली है, उसी से संगठन को बल मिलता है। इन सम्मेलनों ने भी कार्यकताओं के मनोबल को बढ़ाया है और यह साफ कर दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में हम 'पांडवों' की जीत तय है।उन्होंने मैदान में उत्साहित कार्यकताओं के जज्बे को प्रणाम करते हुए कहा कि कार्यकताओं का यही जज्बा आने वाले विधानसभा के परिणाम का उद्घोष है। उन्होंने कहा कि यह जज्बा प्रदेश के लिए गलत भी नहीं है। एनडीए कार्यकताओं की मेहनत और उत्साह से बिहार में फिर से सुशासन की सरकार बनेगी और बिहार के विकास की गति और तेज होगी। कोई भी प्रदेशवासी अपने प्रदेश का विकास देखना चाहता है।इस एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के अलावा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से भाग लिया।भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि एनडीए सरकार में महिलाओं के सशक्तिकरण को नई उड़ान मिल रही है। आज बिहार में महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। कल बिहार की महिलाएं जहां सुरक्षा की बात करती थीं, लेकिन आज पुलिस विभाग में पहुंचकर ये महिलाएं राज्य के लोगों को सुरक्षित कर रही हैं।

मंत्रिमंडल के विस्तार में समाज के सभी वर्गों को मिला नेतृत्व - मनोज शर्मा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रदेश प्रवक्ता श्री मनोज शर्मा ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है। बिहार के मंत्रिमंडल का विस्तार इसी नीति के तहत किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी के मार्गदर्शन में इस पूरे टीम का गठन किया गया है। इस मंत्रिमंडल के पुराने और नए सभी सदस्यों अपने-अपने क्षेत्र में बड़ा और गहरा प्रभाव है।

पटना, 27 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक श्री मनोज शर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा कि BJP's job is to make the better even better..यानी बेहतर को और बेहतर करना ही काम है भारतीय जनता पार्टी का। इसी फामूर्ले के साथ बिहार में मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया है। जिसमें समाज के सभी वर्गों का समावेश किया गया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, माननीय भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी, प्रदेश प्रभारी माननीय श्री विनोद तावड़े जी, श्री दीपक प्रकाश जी, उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी, श्री विजय सिन्हा जी और प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप जायसवाल जी के मार्गदर्शन में मंत्रिमंडल का एक बेहतर और सुदृढ़ चयन किया गया है। इस मंत्रिमंडल के विस्तार से बिहार के हर समाज में एक सकारात्मक मैसेज गया है। सभी नए मंत्रिमंडल के सदस्य अपने-अपने क्षेत्र में अनुभवी और और ऊजार्वान व्यक्ति हैं। सभी को बेहतर भविष्य और नए कार्य के लिए विशेष बधाई और साधुवाद। प्रदेश प्रवक्ता श्री मनोज शर्मा ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है। बिहार के मंत्रिमंडल का विस्तार इसी नीति के तहत किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी के मार्गदर्शन में इस पूरे टीम का गठन किया गया है। इस मंत्रिमंडल के पुराने और नए सभी सदस्यों अपने-अपने क्षेत्र में बड़ा और गहरा प्रभाव है। भारतीय जनता पार्टी का मानना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर रहने वाले व्यक्ति तक पहुंचे, उन्हें सरकार क्या लाभ दे रहे है, उन्हें ये पता चले, इसके तहत जाति-धर्म से अलग हटकर पूरी टीम राष्ट्र निर्माण और भारत-बिहार के विकास पर काम करेगी। श्री शर्मा ने आगे कहा कि आने वाले कुछ महीनों के बाद बिहार में चुनाव होने है। वैसे तो भारतीय जनता पार्टी साल के बारह महीने इसकी तैयारी करती है लेकिन, प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप जायसवाल, प्रभारी श्री विनोद तावड़े, श्री दीपक प्रकाश उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी और श्री विजय सिंहा के नेतृत्व में भाजपा बिहार में रिकॉर्ड बनाएगी और बिहार में एकबार फिर से एनडीए की सरकार स्थापित होगी।

विज्ञान दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद पटना श्री ?कृष्ण विज्ञान केन्द्र, पटना एवं साइंस फॉर सोसायटी, बिहार के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दिनांक 28 फरवरी 2025 को श्रीकृष्ण विज्ञान केन्द्र पटना में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दिनांक 20 फरवरी को आयोजित किए गये प्रमंडल स्तरीय विज्ञान दिवस प्रतियोगिता में उच्च माध्यमिक विद्यालय, गंगसारा, सरायरंजन की कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा रानी कुमारी अपने मार्गदर्शक शिक्षक मनीष चन्द्र प्रसाद के मार्गदर्शन में प्रतिनिधित्व करेगी।वहीं इसी प्रतियोगिता में दिनांक 19 फरवरी को आरएसबी इण्टर स्कूल में आयोजित किए गये जिला स्तरीय निबंध एवं लिखित क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली उच्च माध्यमिक विद्यालय, दिघरा, पूसा की नवम कक्षा की छात्रा सताक्षी प्रभा अपने मार्गदर्शक शिक्षिका पल्लवी कुमारी निबंध प्रतियोगिता एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय, विशनपुर बथुआ, पूसा की कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा मुस्कान कुमारी लिखित क्विज प्रतियोगिता में अपने मार्गदर्शक शिक्षिका नूतन सिन्हा के साथ प्रतिभागिता करेंगी। वक्तृत्व प्रतियोगिता का विषय जल प्रबंधन एवं जल संरक्षण की भारतीय एवं वर्तमान परम्परा, निबंध प्रतियोगिता का विषय सतत भविष्य के लिए जल संरक्षण तथा लिखित क्विज प्रतियोगिता का विषय बेहतर भविष्य के लिए समृद्ध जैवविविधता राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा निर्धारित किया गया था।उच्च माध्यमिक विद्यालय, गंगसारा, सरायरंजन के जीव विज्ञान के विद्यालय अध्यापक तथा प्रतिभागी रानी कुमारी के मार्गदर्शक शिक्षक मनीष चन्द्र प्रसाद ने बताया कि भारत में प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन भारतीय वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन ने रमन इफेक्ट की खोज की थी । उनके इस खोज के लिए उन्हें 1930 ई में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। विद्यालय अध्यापक मनीष चन्द्र प्रसाद ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के पीछे के मकसद के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के साथ ही छात्रों को विज्ञान को कैरियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा विज्ञान के क्षेत्र में नये शोधों को प्रोत्साहित करना है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्राथमिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान में मानवेंद्र कुमार राय, संभाग प्रभारी अर्जुन कुमार, कार्यक्रम सहायक मो सफीक, उच्च माध्यमिक विद्यालय, गंगसारा, सरायरंजन के प्रधानाध्यापक नवीन कुमार शर्मा, शिक्षक मनीष चन्द्र प्रसाद, श्रीकांत कुमार, रंजना कुमारी, प्रियंका कुमारी, स्नेहा कुमारी, अनामिका दीक्षित, अमर कुमार महतो, नीरज कुमार झा, उच्च माध्यमिक विद्यालय, दिघरा, पूसा के प्रधानाध्यापक मंडल राय, शिक्षक मुकेश कुमार मृदुल, उच्च माध्यमिक विद्यालय, विशनपुर बथुआ, पूसा के प्रधानाध्यापक बिन्देश्वर साह ने सभी प्रतिभागियों से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने की अपेक्षा की।

शिक्षा विभाग सिवान के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षात्मक बैठक जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान, 27 फरवरी बृहस्पतिवार।

सिवान जिला पदाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुयी।

जिसमें जिला पदाधिकारी द्वारा जिले में शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु महत्त्वपूर्ण दिशा- निर्देश दिए गए।

जिला पदाधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए निर्देश देते हुए कहा कि जिला में अपार आईडी के निर्माण में तेजी लावें ।अब तक की प्रगति से जिला पदाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया। जिला पदाधिकारी द्वारा निदेश दिया गया कि अपार निर्माण कार्य को विद्यालयवार सभी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी अनुश्रवण करें साथ हीं सभी जिला कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा अपार आईडी निर्माण के अनुश्रवण हेतु प्रखण्ड का आवंटन किया गया। साथ हीं एक सप्ताह के अन्दर जिले में कुल छात्रों के 80 प्रतिशत का अपार आईडी निर्माण कराने का निदेश दिया गया।

जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी निरीक्षण करने वाले पदाधिकारीयों को निदेश दिया गया कि विद्यालय के निरीक्षण के दौरान शिक्षक द्वारा छात्रों के संचालित वर्ग कक्ष एवं गृह कार्य का सूक्ष्मतापूर्वक अवलोकन करेंगें एवं शैक्षणिक कार्य एवं अन्य कार्यों की गुणवता में सुधार लाएगें।

सभी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण के दौरान कोई भी छात्रा किसी भी तरह के मोबाईल एवं अन्य इलेक्ट्रानिक गैजेट न रखी हो इससे आश्वस्त हो लेंगे।साथ हीं सभी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया साप्ताहित मेडिकल कैंप का आयोजन करवांएगे जिससे छात्रों के मानसिक एवं अन्य प्रकार बिमारी से ग्रसित नहीं हैं इसका सूक्ष्मापूर्वक जाँच करवाएंगे। सभी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण के दौरान कोई भी छात्रा किसी भी तरह के मोबाईल एवं अन्य इलेक्ट्रानिक गैजेट न रखी हो इससे आश्वस्त हो

दिल्ली, झारखंड की सरकार महिलाओं को 2500 रुपए सहायता राशि दे सकती है तो बिहार सरकार क्यों नहीं- सुरेंद्र प्रसाद सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- नुक्कड़ सभा कर 2 मार्च को पटना महाजुटान रैली में भाग लेने का किया आह्वान
- पटना महाजुटान रैली में ताजपुर से होगी बड़ी भागीदारी - प्रभात रंजन गुप्ता
- दिल्ली-झारखंड की तरह बिहार में भी फ्री बिजली-पानी, पेंशन में बढ़ोतरी, महिला के खाते में नगद राशि आदि लाभ मिले-प्रमोद साह

ताजपुर/समस्तीपुर :- 2 मार्च को भाकपा माले द्वारा पटना के गांधी मैदान में आयोजित बदलो बिहार महाजुटान रैली को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने को लेकर प्रखंड क्षेत्र के फतेहपुर, मौलानाचक, कालीपोखर आदि क्षेत्रों में गुरुवार को नुक्कड़ सभा आयोजित कर लोगों से अपने हक-अधिकारों को लेकर बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की गई। सभा की अध्यक्षता रंजीत कुमार सिंह ने की। संचालन भाकपा माले प्रखंड कमिटी सदस्य प्रभात रंजन गुप्ता ने किया। ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, मो० एजाज, राजदेव प्रसाद सिंह, सुलेखा कुमारी, चंद्रशेखर कुमार, प्रमोद साह, अंतोष कुमार आदि ने सभा को संबोधित किया। बतौर मुख्य वक्ता सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि बिहार में वृद्धावस्था, मोसमाती एवं दिव्यांग पेंशन 3 हजार रूपए करने, राशन के चावल-गेहूं के साथ दाल, तेल, चीनी आदि देने, स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मी का दर्जा देने, रसोई गैस की कीमत 5 सौ रुपए करने, सभी गरीबों को 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण-पत्र बनाने एवं मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना का 2-2 लाख रुपए देने, दिल्ली-झारखंड के तर्ज पर महिलाओं के खाता में 3-3 हजार रुपए देने, भूमिहीनों को वासभूमि एवं आवास देने, खाली पदों पर बहाली करने, प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने समेत अन्य मांगों को लेकर 2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में भाकपा-माले के बदलो बिहार महाजुटान रैली को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने की अपील ताजपुर वासियों से की।

कमला नदी तट से निकला भगवान राम सीता का डोला

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर अवस्तिथ पवित्र कमला नदी के पावन तट पर से भगवान राम सीता का डोला नेपाल के जनकपुर के संत सुखराम शरण जी के नेतृत्व में नगर परिक्रमा कर साधु संतों के साथ रामपुर में रात्रि विश्राम कर सुबह कलना के लिए प्रस्थान करेंगे। आज यह डोला कमला नदी से निकलकर पटना गद्दी रोड इस्तिथ डॉ. सुनील राउत के निज आवास राउत निवास में दर्शन हेतु हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रुकी।इस मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र दर्शन किया।

इस मौके पर जानकारी देते हुए संत सुखराम शरण ने देते हुए बताया मिथिलांचल की 84 कोसी परिक्रमा आज से पवित्र कमला नदी तट पर से फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथि धनिष्ठा नक्षत्र सोमवती अमावस्या के पंचक काल पर भगवान का डोला निकलता है। नगर परिक्रमा कर कलना में जाता है, जहां नेपाल सहित पूरे मिथिलांचल से भगवान के डोले आते हैं। मिथिलांचल 84 कोसी परिक्रमा 15 दिन चलता हैं। फागुन के पूर्णमासी को गृह परिक्रमा कर जनकपुर में इसका समापन होता है।मिथिलांचल में भगवान राम और सीता का डोला विश्व प्रसिद्ध है। इस परिक्रमा का इतिहास त्रेतायुग से जुड़ा हुआ है। जब प्रभु श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण व गुरु विश्वामित्र के साथ मिथिला के तत्कालीन राजा जनक के द्वारा आयोजित धनुष यज्ञ में भाग लेने के लिए मिथिलाधाम पधारे थे। राजा जनक के दरबार में पहुंचने से पहले प्रभु श्रीराम ने अनुज व गुरु के साथ नगर दर्शन किया था। प्रभु ने नगर दर्शन के दौरान जहां-जहां विश्राम किया, परिक्रमा के दौरान उन सभी स्थानों पर श्रद्धालु पहुंचते हैं। यह पूरी यात्रा 84 कोस की होती है। परिक्रमा में भारत-नेपाल के संत, साधु व श्रद्धालु भाग लेते हैं।इस मौके पर नवीन राउत, लीला राउत, डॉ. सुनील कुमार राउत, कुसुम राउत, श्यामा राउत, पल्लवी राउत, पूजा राउत, सुभद्रा देवी, मनमन, कान्हा, परी, शास्वत समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे ।इस मौके पर जानकारी देते हुए संत सुखराम शरण ने देते हुए बताया मिथिलांचल की 84 कोसी परिक्रमा आज से पवित्र कमला नदी तट पर से फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथि धनिष्ठा नक्षत्र सोमवती अमावस्या के पंचक काल पर भगवान का डोला निकलता है।

भारतीय जनता पार्टी के सभी सातों विधायकों को बिहार सरकार में मंत्री मनोनीत किए जाने पर कार्यकर्ताओं ने हार्दिक और शुभकामनायें दी है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

प्रखंड संवाददाता, ताजपुर / समस्तीपुर :-- दरभंगा शहर से भारतीय जनता पार्टी से पाँचवी बार लगातार विधायक निर्वाचित होने वाले कर्मठ, ऊजार्वान, कुशल समाजसेवी माननीय संजय सरावगी सहित भारतीय जनता पार्टी के सभी सातों विधायकों को बिहार सरकार में मंत्री मनोनीत किए जाने भारतीय जनता पार्टी ताजपुर के सभी वरिष्ठ -कनिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने हार्दिक बधाई और शुभकामनायें दी है। बधाई देने वालों में भाजपा ताजपुर पूर्वी मंडल अध्यक्ष सुशील कुमार चौबे सहित कई लोग हैं ।

खुल गया, खुल गया सतमलपुर में रॉयल पेट्रोल पंप, अब भारत पेट्रोलियम का लाभ उठाएंगे क्षेत्र वासी, क्षेत्र में खुशी की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर ब्लॉक के तहत सतमलपुर में रॉयल पेट्रोल पंप का शुभारंभ क्षेत्रीय प्रबंधक आशुतोष कुमार प्रवर्धन, मुख्य अतिथि विभोर कुमार पाठक, प्रो शोएब आजम एवं डॉक्टर सीमा आजमी ने फीता काटकर किया। फीता काटकर शुभारंभ होते ही स्थानीय लोगों के तालियों के गड़गड़ाहट से पूरा सतमलपुर गांव गूंज उठा। बताया जाता है कि रॉयल पेट्रोल पेट्रोल पंप इस क्षेत्र के लिए एक नमूना साबित हुआ है क्योंकि उक्त पेट्रोल पंप भारत पेट्रोलियम से जुड़ा है। बताते चले कि भारत पेट्रोलियम पंप के नाम से इस क्षेत्र में नहीं था, जिसका भव्य उदघाटन आज किया गया। इधर पूछे जाने परक्षेत्रीय प्रबंधक आशुतोष कुमार प्रवर्धन ने बताया कि भारत पेट्रोलियम के द्वारा बेहतर क्वालिटी और क्वांटिटी दी जाती है। वहीं प्रोपराइटर शोएब आजम ने बताया कि यहां की जनता के आशीर्वाद से मुझे इस तरह की कामयाबी मिली है। उन्होंने बताया कि रॉयल पेट्रोल पंप में ग्राहकों के लिए नाइट्रोजन, शौचालय एवं लघुशंका करने की सुविधा उपलब्ध है। बताया जाता है आज पेट्रोल पंप का शुभारंभ होते ही ग्राहकों की काफी भीड़ लग गई जो देर रात तक जारी रहा। रॉयल पेट्रोल पंप के उदघाटन के अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक आशुतोष कुमार प्रवर्धन, मुख्य अतिथि विभोर कुमार पाठक, प्रोपराइटर शोएब आजम, डॉक्टर सीमा आजमी, मो आकिब आजम, मो शाकिब आजम, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता अनंत कुशवाहा, राजीउल इस्लाम, जीवछ पासवान, चांद जौहर, आफताब आलम, मो नसीम अब्दुल्लाह, मो सईद कादरी, मुस्तकीम रजा, मो नाजिर हुसैन, मो मुस्ताक उर्फ मुन्ना, अंजनी कुमार सिंह उर्फ बंगाली, राम प्रीत पासवान आदि मौजूद थे।

दिल का दर्द
पहचानें इसके लक्षण

कोरोनरी हार्ट डिजीज किसी भी उम्र में हो सकती है। समय रहते इलाज करा लिया जाए तो आप दिल के दौरे जैसे खतरे से बच सकते हैं।

कोरोनरी धमनी रोग यानी सीएडी एक तरह का हृदय रोग है, जिसमें हमारे हृदय की धमनियों के अंदर प्लेक नाम के एक मोम जैसे पदार्थ का निर्माण होने लगता है, जिससे हमारी धमनियां सिकुड़ जाती हैं और हमारे हृदय तक ऑक्सीजन युक्त खून का प्रवाह घट जाता है। यही प्लेक जब हमारे हृदय की धमनियों के आधे हिस्से में फैल जाता है तो हमारी छाती में दर्द होने लगता है और रोजमर्रा के काम में हमें परेशानी होने लगती है।

इसके अलावा छाती में कसाव और ऐंठन भी महसूस होने लगती है, जिसे एनजाइन कहते हैं। कंधे, बांह, गर्दन, दांत के जबड़े, पीठ और पेट के ऊपरी भाग में भी यह दर्द हो सकता है। सीएडी की वजह से ही दिल का दौरा पड़ता है। किसी व्यक्ति को दिल का दौरा तब पड़ता है, जब उसके प्लेक टूटने लगते हैं और धमनियों पर खून के थक्के जमने लगते हैं, जिससे हृदय की धमनियों में खून का प्रवाह बहुत कम समय में ही अवरुद्ध हो जाता है।

ऐसे में अगर खून का प्रवाह तुरंत पहले जैसा नहीं हुआ, तो हृदय की मांसपेशियां 20 मिनटों के बाद ही मृत होने लगती हैं। ऐसे में व्यक्ति का तुरंत इलाज करवाना चाहिए, नहीं तो सेहत से जुड़ी परेशानियों के अलावा मृत्यु तक का खतरा हो सकता है। सांस की कमी, मिचली आना, उल्टी करना, चक्कर आना आदि दिल के दौरे के लक्षण हैं।

इन वजहों से सीएडी में विकास होता है

धूम्रपान, बीमारी का पारिवारिक इतिहास, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सुस्त जीवनशैली, व्यायाम में कमी, तनाव, हाईपरलीपिडेमिया (खून में लीपिड की मात्रा का बढ़ना)।

समय रहते करा लें इलाज

सही समय पर हृदय से जुड़ी इस परेशानी का इलाज न कराया जाए तो हृदय काम करना बंद कर सकता है। इससे हृदय की पम्पिंग क्षमता कम हो जाती है, तो फेफड़ों में खून का जमाव होने लगता है और व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। इसके अलावा हृदय की गति अचानक से रुक जाना भी इसकी एक बड़ी समस्या है। कई बार मरीज को यह आभास नहीं हो पाता कि उन्हें हृदय से जुड़ी कोई परेशानी है। इसलिए शुरुआत में ही बीमारी की पहचान हो जाए तो इस बीमारी का इलाज करना संभव होगा। फिर भी अगर बीमारी की पहचान नहीं हो पा रही हो और दवाइयों से भी कोई फायदा नहीं हो पा रहा हो, तो कार्डिएक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी की मदद ली जा सकती है। वहीं दिल के दौरे पड़ने पर खून के थक्कों को हटाने के साथ एंजियोप्लास्टी (अवरुद्ध धमनियों को खोलने की एक तकनीक) एक सुरक्षित तरीका है।

अपनाएं ये उपाय

अपनी जीवनशैली में कुछ जरूरी बदलाव कर आप इस बीमारी से बच सकते हैं, जिसमें वजन को नियंत्रित रखने के साथ निम्न बातों पर अमल करने की सलाह दी जाती है।

स्वस्थ डाइट अपनाएं

एक स्वस्थ डाइट एक स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा होती है। एक दिन की डाइट में 25-35 प्रतिशत से ज्यादा कैलोरी नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही स्वस्थ डाइट में घुलनशील फाइबर होता है। फाइबर पाचन तंत्र को कोलेस्ट्रॉल सोखने से रोकता है। ओटमील, जई का चोकर, सेब, केले, संतरे, नाशपाती, आलूबुखारे, काबुली चने, राजमा, दाल, लोबिया में फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा खाने में नमक संतुलित मात्रा में होनी चाहिए, साथ ही खाने में ऊपर से नमक कभी न डालें। नियमित तौर पर अल्कोहल का सेवन करने वाले पुरुषों को दिन में दो बार से ज्यादा ड्रिंक नहीं लेनी चाहिए।

शारीरिक तौर पर रहें सक्रिय

नियमित रूप से शारीरिक श्रम हृदय से जुड़ी कई बीमारियों (जैसे उच्च रक्तचाप, अत्यधिक वजन) के खतरे को कम कर देता है। यही नहीं, यह मधुमेह के खतरे को भी कम करता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए आप रोज तेज-तेज चलें, सीढियां चढ़ें या कोई खेल खेलें। जॉगिंग, स्विमिंग, बाइकिंग, वॉकिंग जैसे एरोबिक व्यायाम भी आपके हृदय को स्वस्थ बनाते हैं। एक हफ्ते में 150 मिनट यानी करीब ढाई घंटे के हल्के व्यायाम या 75 मिनट यानी सवा घंटे के कड़े व्यायाम की सलाह दी जाती है।

धूम्रपान से बचें

धूम्रपान दिल का दौरा पड़ने का एक बहुत बड़ा कारण है। आंकड़े बताते हैं कि 65 साल के कम उम्र के एक तिहाई लोगों में क्रोनिक हर्ट डिजीज का मुख्य कारण धूम्रपान होता है। वहीं जिन लोगों ने समय रहते ही धूम्रपान छोड़ा है, उनमें कोरोनरी धमनी रोग से उत्पन्न मृत्यु का खतरा करीब आधा कम हो गया। यह भी देखा गया है कि जो लोग घूम्रपान नहीं करते, उनका इलाज धूम्रपान करने वाले लोगों से ज्यादा प्रभावी तरीके से हो पाता है।

तनाव से रहें दूर

रिसर्च बताते हैं कि मानसिक तनाव भी दिल का दौरा पड़ने का एक अहम कारण है। कई बार तनाव दूर करने के लिए लोग ड्रिंक, धूम्रपान या ओवरईटिंग का सहारा लेने लगते हैं, जिससे हृदय की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए तनाव से दूर रहें और हृदय को स्वस्थ रखें।

ऐसे पहचानें ब्रेन हैमरेज

सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है।

ब्रेन हैमरेज यानी मस्तिष्क आघात, विशेषकर धमनी विकार से पीड़ित व्यक्ति की जांच या उसके इलाज में हुई देरी मरीज़ की देखभाल के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

इन 7 अंगों में दर्द हो सकता है गंभीर रोगों का इशारा

मरीज़ों की स्थिति और मृत्यु को लेकर राष्ट्रीय विश्वसनीयता जांच रिपोर्ट (एनसीईपीओडी) में कहा कि सामान्य रोग चिकित्सक मस्तिष्क आघात के लक्षणों की पहचान करने में विफल रहते हैं और स्वास्थ्य लाभ की स्थितियां खराब हैं।

बार-बार सिरदर्द के पीछे हो सकती है यह वजह

हालांकि एनसीईपीओडी ने 58 फीसदी मामलों में बेहतर देखभाल पाई है। ब्रिटेन में हर वर्ष पांच हजार लोग सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ से प्रभावित होते हैं। एनसीईपीओडी की यह रिपोर्ट सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के 427 मामलों के विश्वसनीय विश्लेषण पर आधारित है। इनमें इंग्लैंड, वेल्स, उत्तरी आयरलैंड, द चैनल आइसलैंड और आइल ऑफ मैन से पीड़ित शामिल हैं। कुल मिलाकर रिपोर्ट में इस प्रकार के मस्तिष्क आघात वाले मरीज़ की देखभाल में बड़े स्तर पर आए बदलाव का एक उपलब्धि के तौर पर स्वगत किया गया है। रिपोर्ट में कहा कि 90 फीसदी अस्पतालों में सप्ताह के साते दिनों सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध रहती है और 86 फीसदी मरीज़ों का इलाज आधुनिकतम एंडोवैस्कुलर तकनीकों के इस्तेमाल के जरिए होता है। लेकिन दूसरे इलाकों में मरीजों को यह सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं।

सप्ताहांत में होने वाली देरी

देखा गया है कि सामान्य चिकित्सक सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के मुख्य लक्षण के तौर पर तेज होने वाले सिरदर्द की पहचान करने में विफल रहते हैं और 18 फीसदी मरीज़ों को अस्पताल में भर्ती कराते समय तंत्रिका संबंधी जांच नहीं उपलब्ध नहीं होती है। रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में भर्ती होने के बाद सप्ताहांत के समय इलाज में देरी होना आम बात है। तीस फीसदी मरीजों को 24 घंटों के अंदर इलाज मिल पाता है। जबकि सामान्य दिनों में 70 फीसदी मरीजों का इलाज संभव हो पाता है। एनसीईपीओडी की रिपोर्ट के अनुसार सर्जरी के बाद अस्पताल से छुट्टी होने पर देखभाल में सुधार किया जा सकता है।

इस रिपोर्ट के सह-लेखक और सलाहकार सर्जन प्रोफेसर माइकल गॉह ने कहा कि सबअरैक्नॉइड हैमरेज़ के बहुत से मरीज़ अपनी बाकी के जीवन में रोज़मर्रा के कामकाज के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते है। इसलिए यह जरूरी है कि इस बीमारी से पीड़ित सभी मरीज़ों की न केवल सर्जरी के बाद तुरंत सही देखभाल हो बल्कि बाद में ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जिनता जल्दी संभव हो, मरीजों की उनके स्वस्थ होने में मदद की जाए। एनसीईपीओडी की इस रिपोर्ट में अस्पतालों को स्थानीय विशेषज्ञ तंत्रिकातंत्र केंद्र से सम्बद्ध करने की सिफारिश की गई है, ताकि मरीजों का समय रहते इलाज संभव हो सके। इसके साथ ही मरीजों की जांच और प्रबंधन सुधारने के लिए देखभाल के मानक प्रक्रियाएं लागू करने की सिफारिश की है।

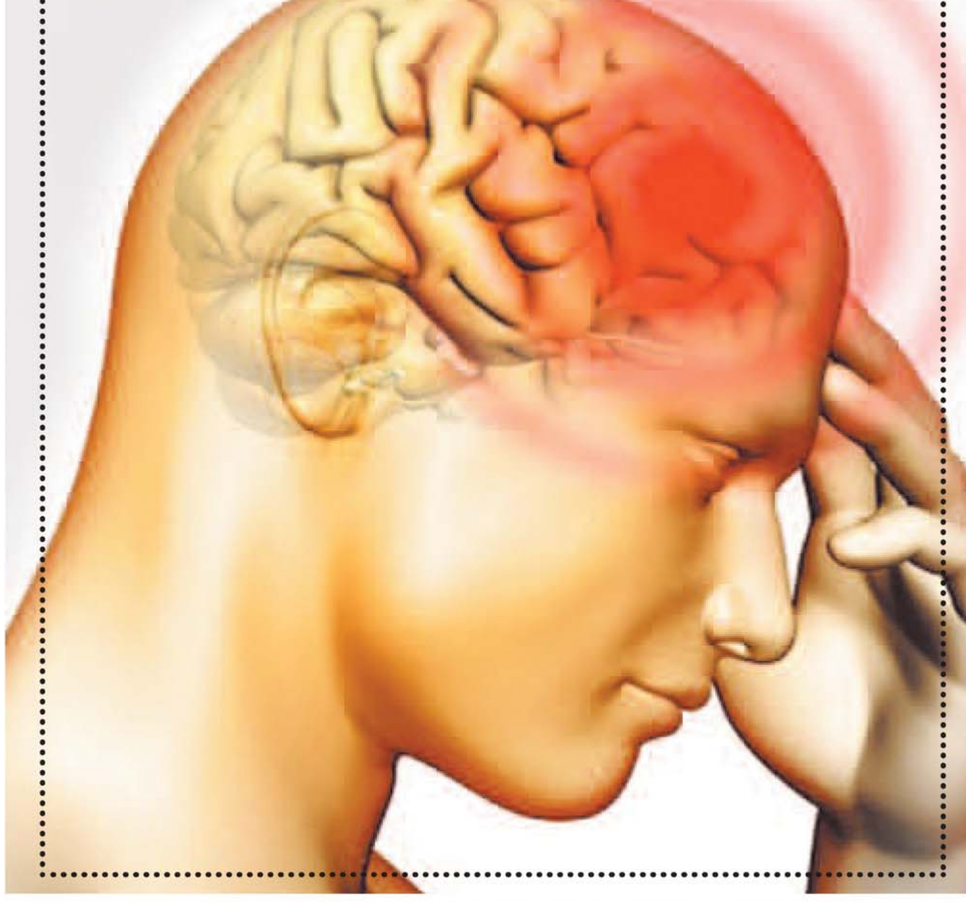

किशोरों में बढ़ रही मधुमेह की बीमारी

एक दशक पूर्व व्यस्कों में होने वाली मधुमेह की बीमारी अब किशोरों को भी चपेट में ले रही है। लेकिन इसके बारे में जानकारी हासिल करना कि बच्चा मधुमेह से पीड़ित है या नहीं प्रत्येक माता-पिता के लिए चिंता का कारण बन रही है। किशोर मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन के मुताबिक तेजी से बच्चों में टाइप-1 मधुमेह की बीमारी बढ़ रही है। जीवन शैली में लगातार हो रहे बदलाव से टाइप-2 मधुमेह भी बढ़ रहा है। जिले में भी एक बड़ी संख्या में बच्चे मधुमेह की चपेट में आ रहे हैं। मधुमेह के प्रति जागरूकता लाने के लिए विश्व मधुमेह दिवस किशोर मधुमेह जागरूकता के रूप में मनाया जाता है।

क्या है मधुमेह बीमारी का कारण

वरिष्ठ फिजीशियन डा. अरविंद डोगरा बताते हैं कि किशोर मधुमेह अनुवाशिक मुद्दा है। बच्चों में टाइप-1 मधुमेह का मतलब है कि उनके शरीर में इंसुलिन नहीं बन रहा और इस बीमारी से बचने के लिए उन्हें बाहर से इंसुलिन लेने की जरूरत है। किशोर मधुमेह या इंसुलिन- डिपेंटेंड मधुमेह के तौर पर जाना जाने वाली यह बीमारी बच्चे के जीवन को पुनर्परिभाषित कर सकती है जिन्हें नियमित रूप से रक्त शर्करा स्तर (बल्ड शुगर लेवल) और उसके प्रबंधन की आवश्यकता होगी।

कैलोरी का च्यादा सेवन, सामान्य चीनी, संतृप्त वसा और कम फाइबर वाले अनुचित आहार एवं कम होती शारीरिक गतिविधि के साथ तेजी से बदलती जीवनशैली उन्हें अधिक घातक टाइप-2 मधुमेह की चपेट में धकेल सकता है।

कैसे पहचाने मधुमेह

ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मधुमेह बच्चों को भी हो सकता है, जब तक हालात बहुत न बिगड़ जाए तब तक बीमारी का पता नहीं चलता। हालाकि बीमारी की शुरुआत धीमी है और माता-पिता अक्सर लक्षण के बारे में भ्रमित रहते हैं या उसे नजर अंदाज कर देते हैं। इसके बावजूद प्यास या पेशाब में वृद्धि, देखने की क्षमता से जुड़ी समस्याएं, अचानक कम होता वजन या बच्चे में सुस्ती कुछ ऐसे लक्षण हैं जिन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। तुरंत किसी डॉ से परामर्श करना चाहिए और बच्चे की जरूरी जाच करनी चाहिए क्योंकि इन समस्याओं की वजह संभव है मधुमेह हो।

सावधानी बरत कर करें बचाव

मधुमेह को रोकने के लिए जरूरी है कि हम अनिवार्य और नियमित शारीरिक गतिविधि के साथ स्वस्थ खानपान और ग्लूकोस के स्तर की नियमित निगरानी करें। स्वस्थ खानपान और शारीरिक गतिविधि के जरिए मोटापे और इसके विनाशकारी परिणाम से बचा सकती है। मधुमेह से पीड़ित कोई बच्चा हाइपोग्लिसेमिक (ब्लड शुगर कम हो जाना) हो जाए, तो जरूरी है कि बच्चे को दो चम्मच चीनी, ग्लूकोज या मीठा पेय दिया जाए।

रोज योग का फायदा जानते हैं आप?

योग हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, यह बताने की जरूरत नहीं। पर यह फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाने का बेहद आसान और कम खर्चीला तरीका भी साबित हो सकता है।

ये नौकरियां हैं फेफड़े के लिए खतरनाक

एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन में यह दावा किया गया है। इस अध्ययन को यहां आयोजित चेस्ट 2013 की बैठक में पेश किया गया।

जानें, एक्सरसाइज के दिलचल्प विकल्प

इसमें 12 हफ्तों की ट्रेनिंग के बाद क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पुलमोनेरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित मरीजों के फेफड़े और सांस संबंधी तकलीफों में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला। ऐसे मरीजों को अपने फेफड़ों से सांस बाहर निकालने में तकलीफ होती है, जिससे ताजी हवा शरीर के अंदर लेना मुश्किल हो जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि वैसे तो सीओपीडी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों को नियंत्रित कर इस बीमारी से पीड़ित मरीजों की जिंदगी को बेहतर बनाया जा सकता है। सिगरेट पीने की वजह से ज्यादातर लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं और इसके लक्षण अक्सर 40 की उम्र में देखने को मिलते हैं।

महंगा होगा चावल, एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी में मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं के लिए चावल महंगी कीमत पर मिल सकता है क्योंकि मोदी सरकार एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी कर रही है। दरअसल, वरिष्ठ मंत्रियों की एक समिति चावल की कुछ किस्मों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा की जरूरत पर विचार कर रही है। अगर बैन हटा तो फिर चावल की कीमत में बढ़ोतरी होना तय है। वहीं, आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में चावल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों से बासमती की तुलना में गैर-बासमती चावल पर ज्यादा असर पड़ा है।

खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही सरकार

सूत्रों ने कहा कि समिति जल्द ही चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर दिए गए सुझावों पर विचार करेगी, क्योंकि इसका केंद्रीय पूल में भंडार जरूरत से ज्यादा हो गया है। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि समिति प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला खरीफ में धान की बोआई की स्थितिसाफ होने तक के लिए टाल सकती है। अगले महीने से केंद्र सरकार खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही है। केंद्र ने राज्यों को बगैर किसी निविदा के उससे चावल खरीदने की अनुमति भी दे दी है इस चावल की बिक्री 28 रुपये किलो नियत भाव पर होगी। इस फैसले से कई राज्य, खासकर दक्षिण भारत के राज्य अपनी खाद्यान्न योजना फिर से शुरू कर सकेंगे।

इस बात की भी संभावना है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अतिरिक्त चावल एथनॉल बनाने के लिए भी दिया जाए, जो पिछले कुछ महीने से रुका हुआ है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि अनाज से एथनॉल बनाने वाले सरकार पर (ओएमसी) द्वारा एथनॉल की एफसीआई के गोदामों से सस्ते खरीद दर में वृद्धि करने की मांग की चावल की आपूर्ति बहाल करने की थी मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि ऐसा न होने से उनके संयंत्र बंद हो जाने खतरा है। उनका कहना है कि पिछले 6 महीने में खुले बाजार में टूटे चावल की कीमत औसतन 22 से 24 रुपये किलो से बढ़कर 27 से 29 रुपये किलो हो गई है। मक्के की कीमत भी औसत 22 से 23 रुपये किलो से बढ़कर 26 से 27 रुपये किलो पहुंच गई है। इस कीमत पर भी आपूर्ति सीमित है। ग्रेन एथनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने हाल ही में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर एफसीआई के अतिरिक्त चावल की आपूर्ति बहाल करने या तेल विपणन कंपनियों (ओएमएस) द्वारा एथनॉल की खरीद दर में वृद्धि करने की मांग थी। सेंट्रल पूल में 1 जुलाई को चावल का स्टॉक करीब 563.1 लाख टन (धान सहित) था, जो पिछले साल की समान अवधि के स्टॉक की तुलना में करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही मौजूदा स्टॉक, बफर स्टॉक के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रियों की समिति बासमती के न्यूनतम निर्यात मूल्य को मौजूदा 950 डॉलर से घटाकर 850 डॉलर करने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा कुछ रॉ राइस को 500 डॉलर प्रति टन के हिसाब से निर्यात की अनुमति मिल सकती है, साथ ही प्रीमियम चावल की किस्मों जैसे सोना मसूरी और गोविंद भोग के निर्यात की भी अनुमति मिल सकती है।

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उनें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।

फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश होगा। सरकार से व्यक्तिगत टैक्स को कम करके या कंज्यूमर-सेंटर्ड क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाकर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने की उम्मीद है। रायटर्स के मुताबिक ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इससे कंज्यूमर्स गुड्स मेकर्स, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है। सिटी के मुताबिक सरकार द्वारा खपत को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित किए जाने की उम्मीद है। इससे हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी एफएमसीजी कंपनियों और टीवीएस मोटर व हीरो मोटोकॉर्प जैसी दोपहिया वाहन निर्माताओं को फायदा मिल सकता है।

जॉब रिजर्वेशन विवाद में बैकफुट पर फोनपे के मालिक, बिना शर्त मांगी माफी

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में अटके पड़े नौकरी आरक्षण विधेयक पर अपनी टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी फोनपे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और फाउंडर समीर निगम ने रविवार को बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी राज्य और उसके लोगों का अपमान करने का इरादा नहीं था। बता दें कि हाल ही में एक बयान के कारण फोनपे को सोशल मीडिया पर आलोचना और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, निगम ने कर्नाटक सरकार के नौकरियों के लिए कोटा विधेयक की आलोचना की थी। इसमें मूल रूप से प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

रविवार को एक बयान जारी करते हुए समीर निगम ने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था और टीम को ऐसे शहर में अपनी जड़ें पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, जो अपनी ग्लोबल टेक्नोलॉजी टैलेंट और वाइब्रेंट डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। निगम ने कहा, मैंने हाल ही में मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स पढ़े हैं, जिनमें मैंने पिछले सप्ताह नौकरी आरक्षण विधेयक मसौदे के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि कर्नाटक और उसके लोगों का अपमान करने का मेरा कभी इरादा नहीं था।

130 रुपये के शेयर ने पहले ही दिन दोगुना किया पैसा, 90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट की शेयर बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग हुई है। सती पॉली प्लास्ट के शेयर 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 247 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सती पॉली प्लास्ट के शेयर का दाम 130 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जुलाई 2024 को खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। सती पॉली प्लास्ट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 17.36 करोड़ रुपये का था।

शानदार लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

धमाकेदार लिस्टिंग के ठीक बाद सती पॉली प्लास्ट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 259.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86.30 पर्सेंट थी, जो कि अब 63 पर्सेंट रह गई है। सती पॉली प्लास्ट की शुरुआत जुलाई 1999 में हुई थी। कंपनी मल्टीफंक्शनल फ्लेक्सिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सती पॉली प्लास्ट की 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। एक प्लांट की हर महीने की कैपेसिटी 540 टन है। दूसरा प्लांट नोएडा के उद्योग केंद्र में है और इसकी कैपेसिटी भी महीने की 540 टन की है। कंपनी अपने पैकेजिंग मैटीरियल की सप्लाई असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और राजस्थान में करती है। सती पॉली प्लास्ट का आईपीओ टोटल 499.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 670.62 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 569.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि क्वॉलिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 146 गुना दांव लगा। सती पॉली प्लास्ट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 130000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

1 से बढ़कर 110 पर आया टाटा का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) (टीटीएमएल) के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत तक चढ़कर 110 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि पिछले कई 5 कारोबारी दिन से टाटा ग्रुप के इस शेयर में रॉकेट की स्पीड है। पांच दिन में यह शेयर करीबन 50 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इससे पहले शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर यह शेयर 14 फीसदी की बढ़त के साथ 20 महीने के उच्चतम स्तर 111.48 रुपये पर पहुंच गया था। आपको बता दें कि टीटीएमएल के शेयर में लगातार मुनाफावसूली हो रही थी और यह शेयर 70 रुपये से नीचे पहुंच गया था। इसका 52 वीक का लो प्राइस 65.29 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 20,999.83 करोड़ रुपये है। बता दें कि 27 मार्च 2020 को इस शेयर की कीमत 1 रुपये थी। यानी अब तक यह शेयर 10,900 प्रतिशत चढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार

टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी टीटीएमएल (टाटा टेलीसर्विसेज) के साथ एंटरप्राइज क्षेत्र में बढ़ती बाजार प्रमुख है। यह टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ब्रांड नाम के तहत देश में व्यवसायों के लिए कनेक्टिविटी, सहयोग, क्लाउड और सास, सुरक्षा और मार्केटिंग सॉल्यूशंस का एक बड़ा पोर्टफोलियो प्रोवाइडर है। टाटा टेलीसर्विसेज के पास व्यापक, उच्च गुणवत्ता और मजबूत वायरलाइन नेटवर्क है और यह भारत भर के 60 से अधिक शहरों में अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

24 जुलाई को है बोर्ड मीटिंग

हाल ही में एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की एक बैठक बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को होने वाली है। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वहीं, बुधवार, 17 जुलाई को टीटीएमएल ने एक टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) के एक नए रिसर्च के अनुसार, भारत के बढ़ते डिजिटल त्वरण से प्रेरित होकर, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए तेजी से क्लाउड का लाभ उठा रहे हैं। देश भर में 58 प्रतिशत एसएमई का मानना है कि उनके पास उच्च स्तर की डिजिटल परिपक्वता है।

5 शेयर करेंगे मालामाल! अभी दांव लगाने से 3 से 4 वीक में ही हो जाएगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क निफ्टी 50 में पिछले सप्ताह 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लगातार सातवें सप्ताह में तेजी देखी गई। शुक्रवार के बंद (19 जुलाई) तक बेंचमार्क इंडेक्स इस साल 13 फीसदी चढ़ा है। इस बीच, कई एनालिस्ट्स का मानना है कि बाजार के हाई वैल्यूएशन और मौजूदा आय सेशन की वजह से छोटी अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता और फेड रेट कट से भी बाजार का रुख बदल सकता है। निवेशकों को केंद्रीय बजट 2024 का इंतजार है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 23 जुलाई को पेश करेंगी। बाजार को उम्मीद है कि बजट वृद्धि समर्थक होगा और कुछ लोकलुभावन उपायों के साथ राजकोषीय विवेक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजार की दिशा आगामी बजट नतीजों से तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगर बजट उम्मीद पर खरा उतरता है तो यह बाजार में अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। ऐसे में एनालिस्ट निवेशकों को सतर्क रहने और क्वालिटी शेयरों पर दांव लगाने की सलाह देते हैं। छोटी अवधि के लिए वे उन शेयरों को खरीदने की सलाह देते हैं जो टेक्निकल इंडिकेटर पर आकर्षक दिखाई देते हैं। कई एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर आपको हम 5 ऐसे शेयरों के बारे में बता रहे हैं, जो अगले 3-4 हफ्तों में 10-18 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। जिग्नेश एस. पटेल, आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स टाइटन कंपनी को लेकर पॉजिटिव हैं। एनालिस्ट का मानना है कि निवेशक टाइटन के शेयरों को 3,235-3,265 रेंज के भीतर खरीदने पर विचार कर सकते हैं। 3,575 के टारगेट प्राइस तक संभावित तेजी की उम्मीद की जा सकती है। स्टॉप लॉस 3,090 पर रख सकते हैं। एनालिस्ट के मुताबिक, टेक्निकल इंडिकेटर्स को ध्यान में रखते हुए बजाज फिनसर्व में 1,620-1,645 रुपये के दायरे में लॉन्ग पोजिशन शुरू करना समझदारी भरा लगता है। इस एंट्री रेंज से 1,800 का टारगेट प्राइस हो सकता है।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल। स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है। यह डीलरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया है जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल कैटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है।

बजट के पहले सोने-चांदी के दाम गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट के पहले कमोडिटी बाजार में भी सुस्ती दिखाई दे रही है। आज सोने में हल्की तेजी तो चांदी में गिरावट नजर आई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पिछले सत्र में सोना 50 डॉलर टूटकर 2400 डॉलर पर तो चांदी 3 प्रतिशत लुढ़ककर 29.30 डॉलर के नीचे आ गई थी। घरेलू बाजार में भी सोने में 1,200 रुपए और चांदी में 2,100 रुपए की भारी गिरावट आई थी। आज भी बाजार थोड़े कमजोर ही नजर आए।

भारतीय वायदा बाजार पर सोना 71 रुपए (0.1 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। शुक्रवार को 72,990 पर बंद हुआ था। वैसे गोल्ड आज 73,184 के भाव पर खुला था। आज चांदी भी खुली तो हरे निशान में थी लेकिन इसके बाद इसमें 278 अंकों की गिरावट दर्ज हो रही थी और ये 89,368 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में ये 89,646 रुपए पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरा सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2 फीसदी से ज्यादा गिरा है। इस हफ्ते सोना अपने ऑल टाइम हाई पर गया था। सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं से बाजार में तेजी बनी हुई थी लेकिन ऊपरी स्तरों से प्रॉफिटबुकिंग आने के चलते यूएस स्पॉट गोल्ड 1.9 प्रतिशत गिरकर 2,399.27 प्रति औंस पर आ गया और यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 2.3 प्रतिशत गिरकर 2,399.10 प्रति औंस पर गया।

सर्राफा बाजार में भी लुढ़के सोना-चांदी

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 750 रुपए की गिरावट के साथ 75,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ सोने में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लग गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 76,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 800 रुपए घटकर 75,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को यह 76,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए टूटकर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। सोने की कीमतों में गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और देश में आभूषण विक्रेताओं की मांग में आई गिरावट रही।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसईः 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋण मानदंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राम गोपाल जिंदल ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उनके मिशन में पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह निवेश वित्तीय समावेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जो सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि. ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई: 543929, एनएसई: एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फ्रीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी। 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49% की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई। प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई। यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है। हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है। कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज दुनिया भर के ग्राहकों की सेवा करती है। कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 1,472 मीट्रिक टन है। कंपनी की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा आगरा, उन्नाव, पंजाब, अलीगढ़, मेवात और परभनी में 6 शहरों में फैली हुई है। इसमें पूर्ण स्वचालन के साथ विनिर्माण और खुदरा बिक्री के लिए पूरी तरह से एकीकृत बुनियादी ढांचा है।

मानव जीवन में बढ़ती विज्ञान की भूमिका

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है।

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें

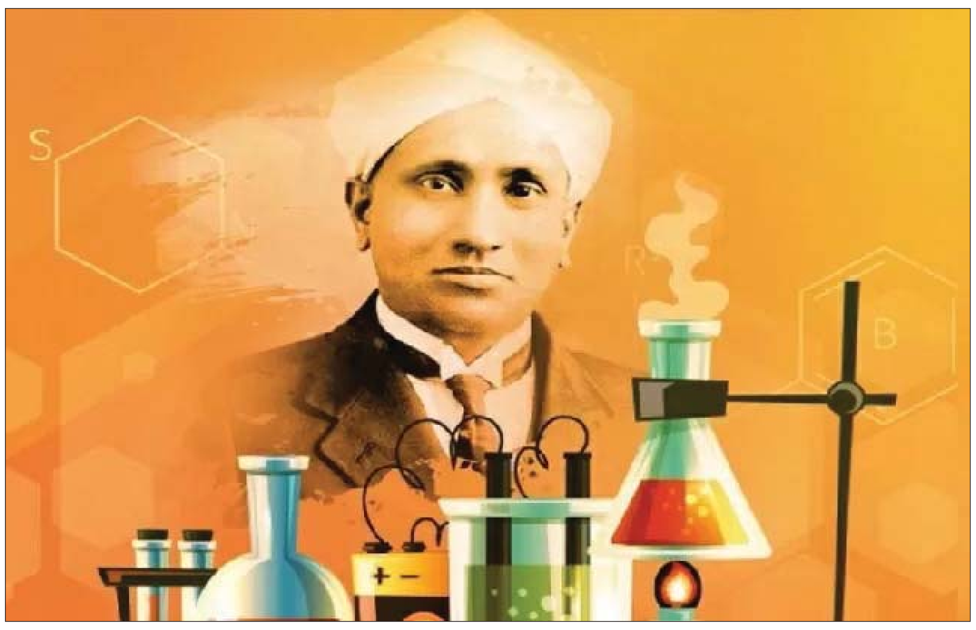

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। 2025 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम है 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। 2024 में यह दिवस विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 2023 में 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीअई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्यौगिकी और नवाचार (एसटीअई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा : 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का 'दैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई ह्यविज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

'आप' के लिए सबक

आम आदमी पार्टी (आप) के क्रियाकलाप पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट अंततः दिल्ली विधानसभा के पटल पर रख दी गई। कुल चौदह मामलों पर कैग ने रिपोर्ट तैयार की हैं, लेकिन जिस रिपोर्ट पर सबकी नजर लगी थीं, वह आबकारी नीति के संबंध में है। इस रिपोर्ट में शराब नीति को लेकर कोई व्यवस्था जितनी तरह की लापरवाहियां बरत सकती है, जितनी तरह की अनियमितताएं कर सकती हैङ्क और विभिन्न हित समूहों के लिए भ्रष्टाचार की जितनी गुंजाइशें छोड़ी जा सकती हैं, उन सबका उल्लेख किया गया है। पुरानी नीति की प्रक्रियागत खामियों को दूर करने के लिए ही नई नीति का मसौदा तैयार किया था लेकिन नई नीति के क्रियान्वयन में विशेषज्ञ समिति के अनेक सुझावों को दरकिनार किया गया। दिल्ली में शराब वितरण केंद्रों की न केवल संख्या बढ़ा दी गई, बल्कि वितरण उन क्षेत्रों में भी पहुंचा दिया गया जहां पहले प्रतिबंधित था यानी स्कूल और आवासीय परिसरों के निकट। उत्पादन और वितरण की एजेंसियों का भी मनमाने ढंग से चयन किया गया। उन संस्थाओं को ठेके दे दिए गए जो पात्रता नहीं रखती थीं और रखती भी थीं तो उन्हें जरूरत से ज्यादा खुदरा विक्रय केंद्र आवंटित कर दिए गए। रिपोर्ट में यह उल्लेख स्पष्ट है कि शराब नीति में हेरा-फेरी और उसके क्रियान्वयन में जो तौर-तरीके अपनाए गए उनके चलते लगभग दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा नुकसान दिल्ली सरकार को हुआ। यह तभी हो सकता है, जब नुकसान की राशि का कुछ न कुछ हिस्सा उन लोगों के पास पहुंचा हो जिन्होंने नुकसान होने दिया और इसी ने ईड़ी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के लिए जांच की स्थितियां तैयार कीं जिसके कारण तबके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह जैसे लोगों को जेल जाना पड़ा। यह रिपोर्ट लोक लेखा समिति को भेज दी गई है। उसकी रिपोर्ट मिलने पर शेष स्थितियां उजागर होंगी। लेकिन आप की सरकार अपने ऊंचे-ऊंचे वादों, विचारों के पैमानों पर असफल हुई और दुखद यह है कि पराजय के बाद भी उसके नेताओं ने सबक नहीं लिया है। वे शुद्ध राजनीति पर लौटने की बजाय हंगामा खड़ा करने में अब भी ज्यादा भरोसा किए हुए हैं।

सूक्ति

तुम अपने मिनटों का ध्यान रखो, घंटे अपनी परवाह खुद कर लेंगे
– अर्ल ऑफ चेस्टरफील्ड

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है
– एलेअनोर रूज़वेल्ट

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, 'क्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।'

पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

कुंभ में जब भेदभाव नहीं, बाकी समय क्यों

सनत जैन

उत्तर प्रदेश सरकार दावा कर रही है, महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया है। आस्था के इस महापर्व कुंभ में श्रद्धालुओं और भक्तों के बीच में किसी किस्म का कोई भेदभाव नहीं था। सभी एक ही घाट पर जाकर नहा रहे थे। कोई किसी की जात-पात नहीं पूछ रहा था। यहां कोई गरीब और अमीर भी नहीं था। आस्था के इस महापर्व मैं जब कोई भेदभाव नहीं था तो बाकी के समय भारत में जाति, धर्म, गरीब-अमीर का भेदभाव क्यों होता है। क्या यह हमारा दोहरा आचरण नहीं है। कहा जाता है कि धर्म आचरण में धारण करना होता है। नारे लगाने से अथवा धार्मिक पुस्तकों को पढ़ने से धर्म नहीं आता है। धर्म आस्था से आता है, आस्था आचरण में होनी चाहिए। कुंभ के इस महापर्व मे प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर सही रास्ते पर चलने का भक्त संकल्प लेते हैं। भारत ने देश एवं दुनिया के देशों को महाकुंभ के इस आयोजन से यही संदेश दिया है। मानव समाज के बीच कोई भेदभाव नहीं हो सकता है। यदि हम इस बात को समझ जाएं और अपनी -अपनी परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था को आचरण में लेकर आएं, तभी मानव संस्कृति और मानव समाज का विकास संभव हो सकता है। जनवरी और फरवरी माह में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हुआ। देश और विदेश से करोडों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। संगम तट पर सभी ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा और संगम में डुबकी लगाने से पाप धुलेंगे, यह संभव नहीं है। जो भी श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने के लिए गए थे, उनके मन में आस्था का विश्वास था। गंगा में डुबकी लगाने के बाद उनके मन का मैल साफ होगा। उनके पाप कटेंगे, उनकी आत्मा और आचरण में शुद्धी आएगी। जिसके कारण वह परमात्मा की निकटता प्राप्त करेंगे। आस्था के कारण करोड़ों की संख्या में जो श्रद्धालु कुंभ पहुंचे हैं। उन्होंने तरह-तरह की तकलीफें और कष्ट झेले, कष्टों ने उन्हें प्रभावित नहीं किया। उनकी आस्था गंगा मैया में डुबकी लगाने की थी। उन्होंने डुबकी लगाकर यह सिद्ध कर दिया है। आस्था से वह जो पाना चाहते हैं, वह पाने में सफल होते हैं। कुंभ के आयोजन का इससे बड़ा अन्य कोई उदाहरण हो नहीं सकता है। महाकुंभ का यह पर्व भारतीय एकता का सबसे बड़ा संदेश है। जब बिना किसी भेदभाव के करोड़ों लोग एक स्थान पर पहुंचकर आपस में मिलकर अपनी आस्थाओं और परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था के साथ बिना किसी भेदभाव के महापर्व को मनाते हैं। महाकुंभ के आयोजन में विभिन्न भाषाओं और विभिन्न धर्मों के लोग प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप इस महापर्व में उपस्थित होकर धर्म को अपनी आस्था को आचरण में शामिल किया। इस महाकुंभ से हम इतना ही सीख पाएं। बिना किसी भेदभाव के हम अपनी धार्मिक पारंपरिक एवं कुल की आस्थाओं के अनुसार मानव विकास और मानव समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। यदि यह सृजनशीलता भारत के सभी लोगों में देखने को मिले, तो भारत का आर्थिक एवं सामाजिक विकास दुनिया के सभी देशों से ज्यादा बेहतर ढंग से होगा। भारतीय संस्कृति हमेशा से सबको साथ लेकर चलती है। 84 लाख योनियों के साथ जियो और जीने दो का भाव रखती है। सभी एक दूसरे के लिये उपयोगी हैं। मानव समाज सामा?जिक विकास के साथ-साथ प्रकृति एवं संस्कृति का विकास भारतीय सनातन व्यवस्था करती है। हम सब भारतीयों के आचरण में यदि यह संस्कृति रहेगी तो हम दुनिया के सबसे संपन्न और सबसे ज्ञानवान देश होंगे इसमें कोई संदेह नहीं है। महाकुंभ से सारी दुनिया के देशों को यही संदेश जाता है।

शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है महिला अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

प्रियंका सौरभ

यूडीआईएसई+ 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20% अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है।

उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20% से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25% से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10% से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30% से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है।

समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ाना: महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का ₹विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं₹ कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की ₹महिला वैज्ञानिक योजना₹ महिला शोधकताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान करके शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है, जो कक्षा के बाहर उनके प्रभाव को सीमित करता है। आईआईटी और आईआईएम में महिला शिक्षकों का प्रतिशत 20% से भी कम है।

यूजीसी का जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस (जीएटीआई) कार्यक्रम महिला संकाय सदस्यों को नेतृत्वकारी पदों पर आसीन होने के लिए प्रोत्साहित करता है। समान वेतन के दिशा-निर्देश स्थापित करें, श्रम कानूनों को अधिक सख्ती से लागू करें तथा अनुबंध शिक्षकों को नियमित करें। निजी शिक्षा में समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 का सशक्त प्रवर्तन आवश्यक है। परिसर में सुरक्षा प्रोटोकॉल, परिवहन विकल्प और शिकायत प्रक्रिया को बेहतर बनाएं। शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा उपायों की स्थापना को निर्भया फंड (2013) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। लिंग-संतुलित शिक्षण स्टाफ प्रारंभिक शिक्षा में स्त्रीकरण को कम करेगा और

देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को सामान्य बनाएगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में, फिनलैंड और स्वीडन पुरुषों की भर्ती को आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करते हैं। गुमनाम शिकायत निवारण प्रक्रियाएं स्थापित करें, सुनिश्चित करें कि आंतरिक शिकायत समितियां (आईसीसी) कार्यरत हों, तथा सभी विश्वविद्यालयों में कठोर उत्पीड़न-विरोधी नीतियां लागू करें। यूजीसी के 2023 निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालयों में आईसीसी आवश्यक है; हालाँकि, अभी भी कार्यान्वयन में खामियाँ हैं, विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण संस्थानों में। शिक्षा जगत में लैंगिक अंतर को कम करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन कार्यक्रम, समावेशी नियुक्ति प्रथाएं, संस्थागत परिवर्तन और बहुआयामी रणनीति आवश्यक हैं। परिवार-अनुकूल कार्यस्थलों को बढ़ावा देना, पारदर्शी पदोन्नति की गारंटी देना, तथा भेदभाव-विरोधी कानूनों को मजबूत बनाना, उच्च शिक्षा में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहायक हो सकता है। लिंग-संवेदनशील, योग्यता-आधारित नीतियों की ओर प्रतिमान बदलाव से प्रतिनिधित्व में सुधार होगा और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इस खास दिन पर आरसी 16 के शीर्षक से उठेगा पर्दा

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि, अब राम चरण ने अपनी अगली फिल्म पर ध्यान केंद्रित कर लिया है। वह बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म के निर्माण में जुटे हुए हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में चल रही है और टीम जल्द ही तीन सप्ताह के शेड्यूल के लिए दिल्ली जाने वाली है।

इस दिन सामने आएगा फिल्म का शीर्षक फिल्म के शीर्षक का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसा लगता है कि निर्माता अब फिल्म के नाम से पर्दा उठाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म के बहुप्रतीक्षित शीर्षक की आधिकारिक घोषणा 27 मार्च, 2025 को की जाएगी। इस दिन राम चरण का जन्मदिन भी है। ऐसे में अभिनेता के जन्मदिन के मौके पर ही फैंस को खास तोहफा मिलेगा।

फिल्म का टीजर भी होगा जारी

खबर है कि शीर्षक के खुलासे के अलावा बुची बाबू सना एक छोटा सा टीजर भी जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक एलान का इंतजार है। फिलहाल इस फिल्म का अस्थाई नाम आरसी 16 रखा गया है और कहा जा रहा है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें क्रिकेट मुख्य विषय होगा। जान्हवी-राम चरण की साथ में पहली फिल्म हाल ही में क्रिकेट से जुड़े कुछ मुख्य दृश्यों की शूटिंग एक विशेष रूप से निर्मित स्टेडियम सेट में की गई। इस फिल्म में राम चरण बिल्कुल नए लुक में नजर आएंगे, जिसका संगीत एआर रहमान ने दिया है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर को मुख्य भूमिका में लिया गया है, जो राम चरण के साथ उनकी पहली फिल्म है। इस फिल्म का निर्माण पुष्पा के बैनर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जा रहा है।

फिल्म के शीर्षक का खुलासा?

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बुची बाबू सना ने फिल्म का टाइटल पेड्डी चुना है, लेकिन अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच राम चरण सार्वजनिक तौर पर कम ही नजर आ रहे हैं, ताकि फिल्म से अभिनेता के लुक का खुलासा न हो। वहीं, अब राम चरण के जन्मदिन के मौके पर ही फिल्म से जुड़ा दिलचस्प अपडेट सामने आने का इंतजार है।

श्रुति हासन ने बताया, कैसे उनकी संगीत यात्रा पर रहा है पिता कमल हासन का प्रभाव

अभिनेत्री श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पिता और एक्टर कमल हासन के साथ एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस पोस्ट में श्रुति ने अपने म्युजिक के प्रति प्यार और अपनी संगीत यात्रा पर अपने पिता कमल हासन के प्रभाव के बारे में बताया। पिता के साथ स्टेज पर बिताए खास पलों का वीडियो शेयर करते हुए श्रुति ने कैप्शन में लिखा, जब से मुझे याद है, मुझे गाना बहुत पसंद है। मेरी मां ने मुझे संगीत सिखाया, लेकिन बचपन से ही मेरे पसंदीदा गायन साथी मेरे अप्पा कमल हसन रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे कमल हासन ने उन्हें मंच पर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया और अब वह मंच को अपना दूसरा घर मानती हैं। श्रुति ने अपने पिता से जीवनभर में सीखे गए महत्वपूर्ण पाठों को याद करते हुए कहा, उन्होंने मुझे सिखाया कि मंच हमारा घर है। हमें निडर रहना चाहिए और अपनी सभी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए। इस दिल को छूने वाले वीडियो में पिता और बेटी के बीच एक प्यार भरे और मजबूत पल को दिखाया गया है, जो उनके बीच संगीत के प्रति साझा प्रेम और उनके संबंध को और भी खास बनाता है। इस बीच, श्रुति हासन महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के मुकाबले के दौरान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में परफॉर्म करेंगी।

श्रुति हासन ने कई हिट गाने दिए हैं, जिनमें आजमा (लक) और सिनेमा छुपी मां जैसे मशहूर गाने शामिल हैं। साथ ही हाल ही में अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित फिल्म कुली का हिट गाना डिस्को भी है। काम की बात करें तो, अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म कुली की रिलीज के लिए तैयार हैं, जिसमें वह रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक खास डांस नंबर करने के लिए पूजा हेगड़े को चुना गया है। कुली एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म है, जो सोने की तस्करी करने वाले माफिया पर आधारित है। इस फिल्म में नागार्जुन, उपेंद्र, सत्यराज, सौबिन शाहिर, संदीप किशन और रेबा मोनिका जॉन जैसे शानदार कलाकार भी हैं। इसके अलावा, बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान भी कथित तौर पर फिल्म में एक गेस्ट रोल में नजर आएंगे।

फिल्म 'छावा' में दिव्या दत्ता ने सोयराबाई की भूमिका निभाई है। इस भूमिका में उनके अभिनय को काफी सराहा गया है, जबकि फिल्म में उनके हिस्से बहुत अधिक सींस नहीं थे। वहीं फिल्म में रश्मिका मंदाना ने भी येशूबाई की भूमिका की, जो विक्की कौशल के किरदार संभाजी महाराज की पत्नी हैं। इस किरदार में रश्मिका के अभिनय को कुछ दर्शकों ने पसंद नहीं किया है। रश्मिका की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। ऐसे में दिव्या दत्ता ने उन्हें सपोर्ट किया है।

दिव्या ने किया रश्मिका मंदाना को सपोर्ट, 'छावा' में एक्टिंग को लेकर एक्ट्रेस को मिल रही है आलोचना

दिव्या दत्ता ने हाल ही में इंटरव्यू में कहा है कि रश्मिका मंदाना की पिछली फिल्में हिट रही हैं, ऐसे में उनमें कोई तो बात होगी कि दर्शक इस तरह का रेस्पॉन्स देते हैं। वह बताती हैं कि रश्मिका बहुत प्यारी लड़की हैं, उनकी आंखें पर्दे पर मन को मोह लेती हैं। वह एक अच्छी एक्ट्रेस हैं।

अपने किरदार को लेकर क्या सोचती हैं

अपने किरदार के बारे में दिव्या दत्ता बताती हैं कि मैंने फिल्म 'छावा' में सोयराबाई का रोल किया है, इसके लिए दर्शकों की तरफ से सराहना मिली है। साथ ही कुछ लोगों का कहना है कि मेरे किरदार को लंबा होना चाहिए था। लेकिन सबसे अहम बात है कि हमारी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चल रही है।

कई उम्दा कलाकार फिल्म में हैं शामिल

फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना, दिव्या दत्ता के अलावा आशुतोष राणा, प्रदीप राम सिंह रावत, संतोष जुवेकर सिंह, डायना पेंटी ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। साथ ही औरंगजेब के रोल में अक्षय खन्ना और कवि कलश के रोल में विनीत कुमार नजर आए हैं। इन सभी कलाकारों को दर्शकों ने काफी सराहा है।

हॉलीवुड डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं प्रनूतन बहल

प्रनूतन बहल, जो दिवंगत एक्ट्रेस नूतन की पोती और मोहनीश बहल की बेटी हैं, जल्द हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। वह फिल्म कोको & नट में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसमें उनके साथ एक्टर रहसान नूर भी होंगे। यह फिल्म एक रोमांटिक कहानी पर आधारित है और 2025 में रिलीज होगी। प्रनूतन के लिए हॉलीवुड डेब्यू एक बड़ा अवसर है और वह इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।

अभिनेत्री ने कहा मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत खूबसूरत है और यह एक पूरी तरह से रोमांटिक फिल्म है। मेरी पहली फिल्म 'नोटबुक' भी रोमांटिक थी, लेकिन उसमें मेरा मेल लीड से उतना इन्वॉल्वमेंट नहीं था। लेकिन इस बार यह पूरी तरह रोमांटिक लव स्टोरी है और मुझे इसे करने का मौका लंबे इंतजार के बाद मिला। 2023 के अंत में, मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया और हमने इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। उम्मीद है कि इस साल फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा ये मेरे लिए सिर्फ 'हॉलीवुड डेब्यू' नहीं, बल्कि एक नए एक्सपीरियंस का मौका है। मेरी सोच हमेशा से सिंपल रही है – कोई भी प्रोजेक्ट करो, उसे पूरे दिल और मेहनत से करो। चाहे हिंदी सिनेमा हो, तेलुगु इंडस्ट्री हो या हॉलीवुड, क्रिएटिव फील्ड में असली पहचान आपकी भाषा से नहीं, आपकी परफॉर्मेंस से बनती है। जब आप सच्चाई और ईमानदारी से कोई किरदार निभाते हैं, तो वो स्क्रीन पर दिखता है। यही सबसे जरुरी चीज है।

जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक बनाएंगे रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी जॉन अब्राहम के साथ अपनी अगली एक्शन फिल्म का निर्देशन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म मुंबई के एक मशहूर पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया के जीवन पर आधारित है। रोहित शेट्टी इस फिल्म को जल्द ही फ्लोर पर ले जाने का विचार कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने काम भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित का लक्ष्य 45-डे स्टार्ट-टू-फिनिश शेड्यूल में फिल्मांकन पूरा करना है, जिसका प्रोडक्शन अगले महीने शुरू होने वाला है। जॉन फिल्म में राकेश मारिया का किरदार निभाएंगे, जिनके करियर की पहचान 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों और 26/11 के आतंकी हमलों जैसे बड़े मामलों से रही है। राकेश मारिया के संस्मरण लेट मी से इट नाउ पर आधारित यह फिल्म एक रोमांचक ड्रामा होगी।

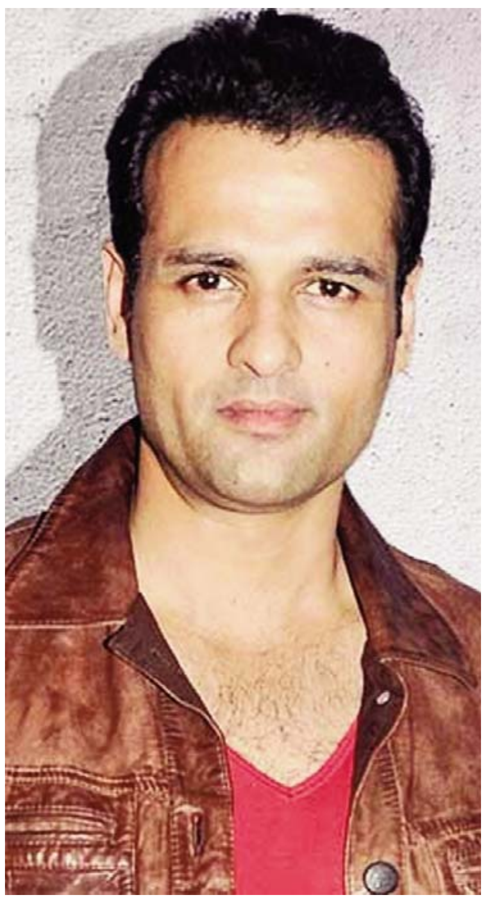

रोहित रॉय ने हिना खान की तारीफ में किया पोस्ट

हिना खान तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। अभिनेत्री का उपचार चल रहा है। हिना अक्सर अपनी हेल्थ को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जानकारी साझा करती नजर आती हैं। इस मुश्किल वक्त का सामना हिना काफी सकारात्मक तरीके से कर रही हैं। एक तरफ वह अपने घूमने-फिरने के शौक को भी पूरा कर रही हैं तो वर्क फ्रंट पर भी एक्टिव हैं। फैंस और इंडस्ट्री के तमाम सितारे हिना की तारीफ करते नजर आते हैं।

हाल ही में रोहित रॉय भी हिना की हिम्मत को सलाम करते दिखे हैं। रोहित रॉय ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने हिना के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इसके साथ लिखा है, यह तारीफ भरा पोस्ट मेरी जानकारी में सबसे मजबूत लड़कियों में से एक के लिए है। वह जंग लड़ रही है और मुझे यकीन है कि वह समय के साथ इसे हरा देगी। लेकिन, इस मुश्किल वक्त में और जब वह लड़ रही है, तब भी उसके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं जाती। तुम्हें और हिम्मत मिले हिना खान।

हिना ने कहा शुक्रिया

रोहित के पोस्ट के पोस्ट पर हिना खान ने कमेंट किया है और उनका आभार जताया है। हिना ने लिखा है, बहुत बहुत शुक्रिया। जिंदगी ने मुझे नींबू दिए, मैंने उनसे करतब दिखाना सीखा। यह सीख मुझे मेरे पिताजी ने दी। आप मुझे अपनी दुआओं में याद रखिए प्लीज।

हिना के लिए फैंस ने की दुआ

रोहित के पोस्ट पर हिना के फैंस के खूब कमेंट आ रहे हैं। यूजर्स अभिनेत्री के जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत दिल वाले लोग ऐसे ही होते हैं, जिंदगी उनकी परीक्षा लेती है। एक यूजर ने लिखा, मुस्कुराना कोई हिना से पूछे। हिना के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल के दिनों में गृहलक्ष्मी शो में देखा गया।

अल्फा की तैयारी करती नजर आई शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। शरवरी वाघ फोटोज में रस्सी से एक्सरसाइज करते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा है जल्द ही अल्फा के लिए जंग की तैयारी। शरवरी जल्द ही अल्फा फिल्म में नजर आने वाले हैं, वह इसकी तैयारी कर रही हैं। शरवरी हाल ही में मुंजया में नजर आई थीं। उनका गानातरस नी आया काफी मशहूर हुआ।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेंगे ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान

लाहौर (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम शुक्रवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए हालांकि ये इतना आसान नहीं होगा क्योंकि अफगानिस्तान टीम ने जिस प्रकार से इंग्लैंड को हराया है उससे पता चलता है कि अब वह दूसरे दर्जे की टीम नहीं रही। अफगान टीम ने पहले भी आईसीसी टूर्नामेंटों में कई बड़ी टीमों को हराया है। जिसको देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम उसे हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी। अफगानिस्तान का लक्ष्य भी इस मैच में जीत का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा। उसने इंग्लैंड के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाकर मैच जीता है। उसने पिछले साल हुए टी20 विश्व कप में भी सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। ऐसे में ये मैच रोमांचक होना तय है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया का बल्लेबाजी क्रम भले ही बेहद मजबूत हो पर उसे अपने तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की कमी खलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में इंग्लैंड को हराया था।

दो बार की पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 15 साल के बाद चैंपियन्स ट्रॉफी का खिताब फिर से जीतना चाहेगी। टीम ने 2006 और 2009 में लगातार दो खिताब जीते पर साल 2013 और 2017 में वह फाइनल में नहीं पहुंची जिसके बाद इस प्रतियोगिता का आयोजन बंद कर दिया गया। शीर्ष तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया जानता है कि उसकी ताकत बल्लेबाजी में है। टीम के पास ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी हैं जो विरोधी गेंदबाजी आक्रमण को बिखेरने में सक्षम हैं। नियमित खिलाड़ियों की अनुपस्थिति ने कंगारु टीम को कमजोर किया है लेकिन इसने युवा खिलाड़ियों को प्रभावित करने, टीम में अपनी जगह पक्की करने का अवसर है जिसका वह लाभ उठाना चाहेंगे। उसके पास अच्छे बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान बेन ड्वार्शुइस, स्पेंसर जॉनसन, नाथन एलिस और एडम जंपा के पास रहेगी। ये जानते हैं

कि आगे बढ़ने इस मैच में जीत जरुरी है। ड्वार्शुइस और जॉनसन हालांकि पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। ऐसे में इनका लक्ष्य इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। जम्पा के रूप में टीम के पास एक अनुभवी स्पिनर है जो पाक के हालातों का लाभ उठा सकता है। वहीं दूसरी ओर उसकी बल्लेबाजी की कमान इंग्लैंड के खिलाफ 177 रन की पारी खेलने वाले इब्राहिम जादरान करेंगे। पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया का हराया था और इस बार इसेस दोहराना चाहेगा। उसके पास गेंदबाजी में अजमतुल्लाह उमरजई जैसे गेंदबाज है जिसन इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। टीम की कप्तानी हशमतुल्लाह शाहिदी कर रहे हैं। उसके पास राशिद खान जैसा स्टार स्पिनर है जो पिच से लाभ उठा सकता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया = स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।

अफगानिस्तान =हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

सचिन, शास्त्री सहित कई दिग्गजों ने अफगानिस्तान टीम की प्रशंसा की

मुम्बई (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर सहित कई दिग्गजों ने चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब कोई भी उनकी जीत पर हैरान नहीं होगा। सचिन ने कहा कि जिस प्रकार अफगानिस्तान ने बड़ा स्कोर बनाया और उसका बचाव किया उससे पता चलता है कि अब वह एक अच्छी टीम को गयी है। अफगान टीम ने लाहौर में पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान की 146 गेंद में 177 रन की शानदार पारी की सहायता से सात विकेट पर 325 रन बनाए और फिर अजमतुल्लाह उमरजई के 58 रन देकर पांच विकेट की सहायता से इंग्लैंड को 317 रन पर मैच जीत लिया।

तेंदुलकर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'अफगानिस्तान का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार आगे बढ़ना प्रेरणादायक रहा है। आप अब उनकी जीत को तुक्का नहीं मान सकते, उन्होंने इसे अब आदत बना लिया है। जादरान के शानदार शतक और अजमतुल्लाह के पांच विकेट से अफगानिस्तान ने मैच में जीत तय की जिसके लिए वह तारीफ के काबिल है। ! वहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने उपमहाद्वीप के हालातों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के लिए इंग्लैंड की आलोचना की है। शास्त्री ने लिखा, 'अफगानिस्तान। आप लोग कमाल करते हैं। कमाल कर दिया। इंग्लैंड टीम उपमहाद्वीप में खेलने को बिना किसी बहाने के गंभीरता से लें। केवल तभी आप एक ऐसी टीम के रूप में पहचाने जाएंगे जो दौरा करने में अच्छी है। वहीं विश्व कप 2023 के दौरान अफगानिस्तान के साथ मेंटर के रूप में काम करने वाले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने भी सोशल मीडिया पर अफगान टीम को बधाई दी है। जडेजा ने लिखा, अफगानिस्तान के प्रशंसक इस जीत के अधिकारी हैं क्योंकि वे दुनिया भर में सबसे अधिक जुनूनी और विनम्र क्रिकेट प्रशंसक हैं। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी उम्मीद जताई कि अफगानिस्तान की टीम सेमीफाइनल से आगे जाएगी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी अफगानिस्तान के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंग्लैंड की टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाई। ऐसे में अफगान टीम को जीत का श्रेय दिया जाना चाहिये।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी : बारिश के कारण रद्द हुआ पाकिस्तान, बांग्लादेश मैच

रावलपिंडी (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में गुरुवार को यहां पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होने वाला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। इसा मैच में पहले ही बारिश की आशंकाएं जतायी जा रहीं थीं जो सही निकली। बारिश के कारण टॉस में देरी हुई और जब बारिश नहीं रुकी तो अंपायरों ने इसे रद्द घोषित कर दिया। दोनों ही टीमें पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं थीं। इसलिए ये मैच केवल एक औपचारिकता भर था। इस मैच के नहीं हो पाने से मेजबान पाक टीम अब ग्रुप ए से टूर्नामेंट में अंतिम स्थान पर आ गयी है क्योंकि मैच नहीं होने से दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला पर नेट रन रेट में अधिक होने के कारण बांग्लादेश तीसरे और पाकिस्तान चौथे और अंतिम स्थान पर रही। इस टूर्नामेंट में पाक टीम को पहले मैच में न्यूजीलैंड जबकि दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया। था। वहीं बांग्लादेश को पहले मुकाबले में भारत और दूसरे में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा। कीवी टीम पहले और भारतीय टीम दूसरे स्थान पर है। दोनो के ही बराबर अंक हैं पर कीवी टीम का नेट रन रेट अधिक है।

चैंपियंस ट्रॉफी : रिजवान ने माना, हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और यह निराशाजनक है

रावलपिंडी (एजेंसी)। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का आखिरी मैच रावलपिंडी क्रिकेट ग्राउंड पर बांग्लादेश के खिलाफ बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद कप्तान मोहम्मद रिजवान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे वे निराश हैं। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के मेजबान और गत विजेता पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड से 60 रन से हारकर टूर्नामेंट की बेहद खराब शुरुआत की और फिर दुबई में भारत से 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिससे वे सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गए।

रिजवान ने कहा, 'हम अपने देश के सामने अच्छा प्रदर्शन करना चाहते थे। उम्मीदें बहुत अधिक थीं। हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और यह हमारे लिए निराशाजनक था। आप अपनी गलतियों से सीख सकते हैं। हमने पिछले कुछ मैचों में गलतियां की हैं। उम्मीद है कि हम इनसे सीख सकते हैं। हम अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं और उम्मीद है कि हम वहां अच्छा प्रदर्शन करेंगे और पाकिस्तान में न्यूजीलैंड के खिलाफ हमने जो गलतियां की हैं, हम उनसे सीख सकते हैं। और हम न्यूजीलैंड में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'हम सभी बहुत निराश हैं। हम सभी देश के लिए यहां हैं। पाकिस्तान हमारी प्राथमिकता है और हमसे बहुत उम्मीदें हैं। हम निराश हैं और हम स्वीकार कर रहे हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उम्मीद है कि हम और कड़ी मेहनत करेंगे और वापसी करेंगे।'

उन्होंने सैम अयूब और फखर जमान की चोटों को पाकिस्तान की टीम के खराब होने का कारण बताने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'वह खिलाड़ी जो पिछले कुछ महीनों से ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है... टीम संयुक्त थी और फिर अचानक जब कोई चोटिल होता है, तो टीम परेशान हो जाती है। एक कप्तान के तौर पर आप भी यही उम्मीद कर सकते हैं। एक तरफ, आप कह सकते हैं कि टीम परेशान है, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। हां, फखर जमान और सैम अयूब चोटिल हो गए, लेकिन हम इससे सीखेंगे।'

ग्रुप ए में पाकिस्तान बांग्लादेश के बेहतर नेट रन रेट के कारण तालिका में सबसे नीचे रहा। देश में बेंच स्ट्रेंथ की गुणवत्ता के बारे में पूछे जाने पर रिजवान ने कहा कि देश के क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक व्यावसायिकता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'यह बहुत कठिन सवाल है। पाकिस्तान में बेंच स्ट्रेंथ... मुझे पाकिस्तान कप में पांच टीमों को देखने दो। हम अलग-अलग चीजों में सुधार चाहते हैं। अगर हम सुधार करना चाहते हैं और पाकिस्तान को उच्च मानक पर रखना चाहते हैं, तो हमें जागरूकता और व्यावसायिकता की आवश्यकता है। हम चैंपियंस कप में इसे देखते हैं, लेकिन हमें और सुधार की आवश्यकता है।'

विजेंदर ने बीएफआई चुनाव शीघ्र कराने की मांग की

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने कहा है कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव शीघ्र कराये जाने चाहिये। विजेंदर ने ये भी कहा कि अगर अवसर मिला तो वह भी चुनाव लड़ेंगे। बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीतने वाले विजेंदर ने कहा, ''जब भी चुनाव हों, मैं उनमें खड़ा होना चाहूंगा। मैंने पूरी जिंदगी संघर्ष किया है, यह मेरे लिए एक और लड़ाई होगी।

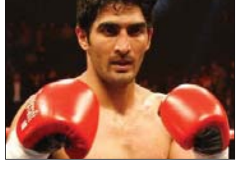

मुझे नहीं पता कि मुझे समर्थन मिलेगा या नहीं, लेकिन मैं चुनाव लड़ने से नहीं डरता।'' उन्होंने कहा, ''अगर मुझे बदलाव करने का मौका मिलता है तो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने जा रहा हूं। ऐसा मैं कभी नहीं करूंगा और पेशेवर सर्किट में उतरता रहूंगा।'' इससे पहले विजेंदर ने कहा कि भारतीय मुक्केबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना है तो उन्हें विदेश में अभ्यास का अवसर तलाशना होगा। विजेंदर ने प्रधानमंत्री कार्यालय और खेल मंत्री मनसुख मांडविया को लिखा, '' इसके लिए, हमें एक मजबूत महासंघ बनाने के लिए जल्द से जल्द नए और निष्पक्ष चुनाव कराने की जरूरत है। अगर सरकार हमें कोई जिम्मेदारी देती है तो मुझे अपने अनुभव से योगदान देने को तैयार हूं।'' इस मुक्केबाज ने ये बात भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा बीएफआई के चुनावों में देरी को देखते हुए महासंघ के कामकाज तदर्थ समिति को सौंपने को देखते हुए कही है।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया : स्टार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर रहने का कारण बताया है। स्टार्क ने कहा कि जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्होंने चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया है। स्टार्क को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम में जगह मिली थी पर जब अंतिम टीम घोषित हुई तो उसमें स्टार्क का नाम नहीं था। तब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा था कि स्टार्क ने निजी कारणों से अपना नाम वापस लिया है। वहीं अब स्वयं इस तेज गेंदबाज ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया के लिए जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तरोताजा रहना चाहते हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, ' 'इसके कुछ अन्य कारण भी हैं। टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें टखने में थोड़ा दर्द हुआ था, जिससे उबरने के लिए उन्हें समय चाहिये था। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा भी करना है। बीच में आईपीएल क्रिकेट मुकाबले भी हैं पर उनकी नजरें डब्ल्यूटीसी फाइनल पर टिकी हैं। इससे साफ है कि स्टार्क मोटी धनराशि कमाने आईपीएल में भी नजर आयेंगे।'

अफगानिस्तान को अब कभी हल्के में नहीं लिया जाएगा: जोनाथन ट्रॉट

लाहौर (एजेंसी)। मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि अफगानिस्तान के चैंपियन्स ट्रॉफी में इंग्लैंड को हराकर यादगार जीत दर्ज करने के बाद उनकी टीम को कोई भी अन्य टीम हल्के में नहीं लेगी। इब्राहिम जादरान की शानदार 177 रन की पारी और तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई के पांच विकेट की बदौलत अफगानिस्तान ने बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ आठ रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने करो या मरो के अगले मुकाबले से पूर्व ट्रॉट ने कहा कि अफगानिस्तान की टीम हाल ही में विश्व कप में इस टीम के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करेगी। ट्रॉट ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''जब से मैं कोच बना हूं, हमने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन बार खेला है और हमने हर मैच में चुनौती दी है इसलिए हमें इससे बहुत आत्मविश्वास लेना चाहिए।''

उन्होंने कहा, 'और मुझे लगता है कि विश्व कप, टी20 विश्व कप में जो हुआ, मैं खिलाड़ियों से भी यही कहता हूं कि अफगानिस्तान को फिर कभी हल्के में नहीं लिया जाएगा।' ट्राट ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम जो भी मैच खेलेंगे वह प्रतिस्पर्धी होगा और हम जब भी मुकाबले में उतरेंगे तो मुझे जीत की उम्मीद होगी।'

टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले स्थापित देशों के खिलाफ अफगानिस्तान की जीत को अब उलटफेर के रूप में नहीं देखा जाता और विश्व मंच पर हाल के प्रदर्शनों का मतलब है कि कोई टीम उन्हें हल्के में लेने को जोखिम नहीं उठा सकती। ट्रॉट ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया हमें हल्के में नहीं लेने वाला है इसलिए हमें तैयार रहना होगा। अतीत में शायद लोगों ने कार्यक्रम देखा होगा और सोचा होगा कि यह बड़े टेस्ट देश के खिलाफ खेलने से थोड़ा आसान होगा। लेकिन इस प्रारूप में, इन परिस्थितियों में, मुझे ऐसा नहीं लगता।' दो मैच में दो अंक के साथ अफगानिस्तान अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत से टीम के चार अंक हो जाएंगे जो उसे शीर्ष दो में पहुंचा देगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारिश के कारण मैच रद्द होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के दो मैच में तीन अंक हैं। अफगानिस्तान हालांकि अगर ऑस्ट्रेलिया से हार जाता है तो प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगा।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने न्यूकैसल को हराकर टॉप पर 13 अंक की बढ़त बनाई

लिवरपूल। लिवरपूल ने बुधवार रात एंफील्ड में न्यूकैसल यूनाइटेड को 2-0 से हराकर प्रीमियर लीग में अपनी बढ़त 13 अंकों तक बढ़ा ली। डोमिनिक स्ज़ोबोस्जलाई और एलेक्सिस मैक एलिस्टर के गोल ने लिवरपूल को यह जीत दिलाई, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद आर्सेनल नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रॉ खेलने के कारण और पिछड़ गया। बारिश के बावजूद लिवरपूल ने शानदार खेल दिखाया और जल्दी ही बढ़त बना ली। टीम के लिए इस सीजन का 100वां गोल स्ज़ोबोस्जलाई ने किया, जो उनका सातवां गोल था। मैच में दोनों टीमों ने तेज प्रसास किया और यह आक्रामक खेल के साथ जारी रहा। लिवरपूल की रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान सिमिकास ने पेनल्टी क्षेत्र के अंदर दाहिने पैर से जोरदार शॉट मारा, जो गोल के ऊपर से चला गया। जबकि

न्यूकैसल के कालम विल्सन को गोल करने का बेहतरीन मौका मिला, लेकिन वह गेंद को सही दिशा में नहीं मार सके। हाफ टाइम से पहले लिवरपूल के लिए सोबोस्लाई और मोहम्मद सालाह ने भी गोल करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में चोटों के कारण खेल कई बार रुका, लेकिन लिवरपूल ने मिले मौके का पूरा फायदा उठाया। मैक एलिस्टर ने न्यूकैसल के डिफेंस से गेंद छीनी और कुछ पास खेलने के बाद 63वें मिनट में शानदार शॉट लगाकर गोल कर दिया। इस गोल में सालाह की भी अहम भूमिका रही, जिन्होंने सही समय पर उन्हें पास दिया। लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन ने एक क्रॉस को रोककर अपनी टीम को दो गोल की बढ़त बनाए रखने में मदद की। इसके तुरंत बाद सालाह के शानदार पास पर डियाज ने एक और प्रयास किया, लेकिन गेंद गोल पोस्ट के बाहर चली गई। मैच के अंतिम पलों में सालाह का एक और शॉट न्यूकैसल के गोलकीपर पोप ने रोक लिया, लेकिन लिवरपूल ने बिना किसी मुश्किल के अपनी जीत दर्ज कर ली।

शुभमन बीमार और रोहित हुए चोटिल, न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना तय नहीं

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। उसे अब अपने अंतिम लीग मैच में 2 मार्च को न्यूजीलैंड से खेलना है। कीवी टीम भी सेमीफाइनल में आ गयी है। ऐसे में ये मैच केवल औपचारिकता है और इसके परिणाम से टूर्नामेंट पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस मैच से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के चोटिल होने और उपकप्तान शुभमन गिल के बीमार होने की खबरें हैं। इसी कारण रोहित और शुभमन बुधवार को हुए अभ्यास सत्र में भी शमिल नहीं हुए थे। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सहित अन्य सभी खिलाड़ियों ने अभ्यास किया। शमी ने काफी गेंदबाजी की जिससे उनके लय हासिल करने की उम्मीद है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शमी शुरुआती तीन ओवरों के बाद मैदान से बाहर चले गये थे।

रोहित और शुभमन को लेकर टीम प्रबंधन ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। वहीं ऐसा माना जा रहा है कि रोहित अभी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, उन्हें ये चोट पाकिस्तान के खिलाफ भारत के दूसरे लीग मैच के दौरान लगी थी। वह पाकिस्तान की पारी के दौरान कुछ समय के लिए ड्रेसिंग रूम में चले गए थे लेकिन फिर मैदान पर लौट आए। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित अभी अपनी चोट को लेकर सावधानी बरत रहे हैं जिससे कि सेमीफाइनल तक पूरी तरह से फिट हो जायें।

भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में रोहित को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे लीग मैच में आराम भी दिया जा सकता है।

चैंपियंस ट्रॉफी में दूसरी बार खिलाड़ियों की सुरक्षा दाव पर, अफगानी खिलाड़ियों को खींचा

कराची (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जब अफगानिस्तान के प्लेयर इंग्लैंड को हराकर मैदान पर जश्न मना रहे थे तब एक दर्शक सुरक्षा को तोड़कर अफगानी खिलाड़ियों तक जा पहुंचा। उक्त शख्स ने अफगानी खिलाड़ियों को गले लगाने की कोशिश की। हालांकि, सुरक्षाकर्मी तुरंत दौड़े और उस व्यक्ति को बाहर ले गए। लेकिन एक बार फिर से ऐसी घटना होने से क्रिकेट जगत सकते में है। यह पहली बार नहीं है जब इस टूर्नामेंट में किसी मैच के दौरान किसी आदमी ने पिच पर हमला किया हो। न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश मैच के दौरान, पाकिस्तान में एक आतंकवादी समूह के एक समर्थक को पिच में दौड़ते हुए और रचिन रवींद्र को पीछे से पकड़ने की कोशिश करते देखा गया था।

तब सुरक्षा गार्ड ने उक्त व्यक्ति को पकड़ लिया था। प्रशासन ने शख्स के खिलाफ सख्त कदम उठाने का फैसला लिया था। कहा गया कि उक्त व्यक्ति पर पाकिस्तान में किसी भी क्रिकेट स्थल में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, पीसीबी इस बात पर जोर दे रही है कि रावलपिंडी और लाहौर में पिच पर लगातार हमलों के बाद बोर्ड सभी स्थानों पर सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल अपना रहा है।

पीसीबी का कहना है कि कल हुए सुरक्षा उल्लंघन को गंभीरता से लिया है जब एक दर्शक खेल के मैदान में घुस गया। खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बयान में कहा गया है, 'इसमें शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और आज अदालत के समक्ष पेश किया गया। इसके अलावा, उन्हें पाकिस्तान के सभी क्रिकेट स्थलों में प्रवेश पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसमें शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और आज अदालत में पेश किया गया। इसके अलावा, उन्हें पाकिस्तान के सभी क्रिकेट स्थलों में प्रवेश करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

रणजी से संन्यास ले चुके खिलाड़ियों के लिए नई लीग की तैयारी, जून-जुलाई में खेले जाने की संभावना

नई दिल्ली। रणजी क्रिकेट से संन्यास ले चुके खिलाड़ियों के लिए फ्रेंचाइजी आधारित एक लीग पर काम चल रहा है, जिसका मेंटोर (मर्गदर्शक) भारत के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार को नियुक्त किया गया है। टूर्नामेंट जून या जुलाई में खेले जाने की उम्मीद है।

'एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग (ईवीसीएल)' ' में छह फ्रेंचाइजी टीमें भाग लेंगी और इसमें कुल 18 मैच खेले जायेंगे। प्रवीण ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, 'मैं रणजी खिलाड़ियों के योगदान को मान्यता देने के लिए ईवीसीएल का समर्थन कर के वास्तव में खुश हूं। इन खिलाड़ियों को श्रेय देना महत्वपूर्ण है क्योंकि इन खिलाड़ियों को करियर में ज्यादा पहचान नहीं मिली है।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह लीग उनके लिए अपने करियर को फिर से चमकाने और कमाई करने का अवसर प्रदान करेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि लीग के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण जल्द ही शुरू होगा।'

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान न्यायिक आयोग के सदस्य अख्तर हुसैन का इस्तीफा

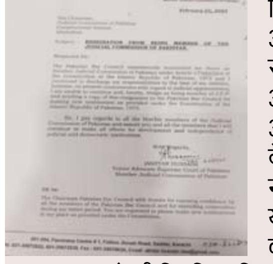

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान न्यायिक आयोग के सदस्य अख्तर हुसैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा सौंपते हुए आयोग के अध्यक्ष और देश के प्रधान न्यायाधीश याह्या अफरीदी को इसका कारण जजों की नियुक्ति प्रक्रिया में विवादों को बताया है। जियो न्यूज की खबर के अनुसार आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा देने वाले सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अख्तर हुसैन को पाकिस्तान बार काउंसिल ने इस पद के लिए तीन बार नामांकित किया। उन्होंने कहा कि मैंने तीनों बार अपनी सर्वोत्तम क्षमता के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। हुसैन ने भरोसा जताने के लिए पाकिस्तान बार काउंसिल का आभार जताया है। दरअसल, आयोग ने हाल ही में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सांसदों और सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों के बहिष्कार के बीच शीर्ष अदालत में छह नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की है। इस महीने की शुरुआत में न्यायिक आयोग ने सभी उच्च न्यायालयों से नामांकन मांगे थे।

बदलती अंतराष्ट्रीय परिस्थिति से नेपाल अछूता नहीं रहने वाला : प्रधान सेनापति

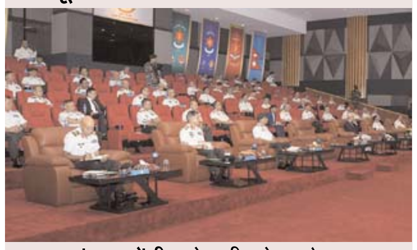

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति जनरल अशोक सिग्देल ने सैन्य कमांडरों की बैठक में सोमवार को कहा कि अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के साथ ही बदलती अंतराष्ट्रीय परिस्थिति के असर से नेपाल अछूता नहीं रहने वाला है। जिस तीव्र गति से अमेरिकी नीति में परिवर्तन हो रहा है, उसका सीधा असर नेपाल पर भी होने वाला है। नेपाली सेना के सभी कमांड के प्रमुख और सभी उच्च अधिकारियों के सम्मेलन में प्रधान सेनापति ने कहा कि बदलती भू राजनीतिक परिस्थिति का बड़ा असर नेपाल की सुरक्षा चुनौतियों पर भी होने वाला है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच तनाव कम होना दक्षिण एशिया के लिए ही सुखद खबर है, लेकिन पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ती नजदीकी और भारत के इन दोनों देशों के तनाव भरे संबंध से नेपाल की सुरक्षा चुनौती बढ़ी है। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच खुली सीमा सुरक्षा के लिहाज से चुनौती भरी है। प्रधान सेनापति ने कहा कि नेपाल अपनी भूमि को किसी भी दूसरे देश के खिलाफ प्रयोग नहीं होने देने के लिए प्रतिबद्ध है। नेपाली सेना इसके लिए मुस्तैद होकर दिन रात लगा रहता है। जनरल सिग्देल ने कहा कि खुली सीमा का फायदा उठाकर कोई अराजक तत्व अगर भारतीय सीमा में प्रवेश नहीं करे, इसके लिए हमें हमेशा सजग रहना होगा। उन्होंने कहा कि नेपाल में विदेशी आर्थिक प्रलोभन के चलते तेजी से हो रहे धर्म परिवर्तन को रोकने और इस्लामिक कट्टरपंथियों को नेपाल की भूमि का दुरुपयोग ना करने देने के लिए राजनीतिक स्तर पर एवं सरकारी स्तर पर भी और अधिक कड़े नीति नियम बनाने की आवश्यकता है।

अमेरिकी एमसीसी परियोजना रोके जाने का वामपंथी दलों ने किया स्वागत

काठमांडू, एजेंसी। अमेरिकी मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) परियोजना रोके जाने का नेपाल के अधिकांश वामपंथी दलों ने स्वागत किया है। संसद में पारित करते समय माओवादी, एकीकृत समाजवादी सहित अन्य छोटे कम्युनिस्ट दलों ने इस परियोजना का व्यापक विरोध किया था। माओवादी के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने एमसीसी का सहयोग रोके जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि उस समय एक ऐसी परिस्थिति आई थी, जब एमसीसी पारित करवाना पड़ा। उन्होंने इसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री शहर बहादुर देउवा और तत्कालीन प्रमुख विपक्षी दल के नेता केपी शर्मा ओली को जिम्मेदार ठहराया है। प्रचंड ने कहा कि 55 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सहयोग लेना ही गलत है। उनका दावा है कि अमेरिकी सहयोग के साथ साथ उसका हस्तक्षेप भी बढ़ जाता है, जो नेपाल के दोनों पड़ोसी देश के लिए भी ठीक नहीं था। एकीकृत समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल ने भी स्पष्ट किया है कि एमसीसी को लेकर उनका विरोध सदैव रहा है। उनका तर्क है कि यह नेपाल में एमसीसी के बहाने अमेरिकी हस्तक्षेप बढ़ने और उनके सेना के नेपाल में प्रवेश का बहाना के अलावा कुछ नहीं है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेत्र बहादुर चंद ने अमेरिका के इस निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद ही इसको वापस लेकर बहुत ही अच्छा काम किया है। अमेरिकी साम्राज्यवाद को खत्म करने के लिए यूएसएआईडी और एमसीसी का रोका जाना नेपाल के लिए सौभाग्य की बात है।

ट्रंप की विदेशी सहायता पर रोक से मैक्सिको में ड्रग्स रोकथाम योजना प्रभावित

वाशिंगटन/मैक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विदेशी सहायता पर लगाए गए व्यापक प्रतिबंध का असर मैक्सिको में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम पर पड़ा है। हालांकि यह रोक देश में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले फेंटानाइल रसायनों को रोकने के लिए ही शुरू किया गया था। इस कदम से मैक्सिको के मादक पदार्थ तस्करों (ड्रग कार्टेल) तक पहुंचने वाले रसायनों की निगरानी के प्रयासों को बड़ा झटका लगा है। इस मामले की जानकारी रखने वाले आठ सूत्रों ने इस स्थिति की पुष्टि की है।

ट्रंप प्रशासन के फंडिंग रोकने के फैसले के कारण हाल के हफ्तों में मैक्सिको में अमेरिका द्वारा संचालित कई नारकोटिक्स विरोधी अभियानों को रोक दिया गया है। यह पहल मैक्सिको की नौसेना को प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान करने पर केंद्रित थी, जिससे देश की सबसे व्यस्त मांज़ानिलो बंदरगाह पर आने-जाने वाले कार्गो की सख्ती से जांच की जा सके। इस योजना के तहत, दो अन्य प्रमुख बंदरगाहों लाज़ारो कार्डेनास और वेराक्रूज़ में भी इस परियोजना का विस्तार किया जाना था, लेकिन अब फंडिंग कटौती के चलते इसे अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया गया है।

यह प्रयास संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) और विश्व सीमा शुल्क संगठन (डब्ल्यूसीओ) की कंटेनर कंट्रोल प्रोग्राम का हिस्सा था, जो स्थानीय अधिकारियों को सीमा पार अवैध तस्करी रोकने के लिए कार्गो की जांच में मदद करता है। अमेरिका ने इस परियोजना के लिए 2023 में मांज़ानिलो बंदरगाह पर लगभग 8 लाख डॉलर की वित्तीय सहायता दी थी।

मांज़ानिलो बंदरगाह लंबे समय से ड्रग तस्करों के लिए एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां से चीन से अवैध रसायनों की तस्करी कर मैक्सिको में अवैध ड्रग लैब तक पहुंचाई जाती है। अब अमेरिकी फंडिंग कटौती के चलते मांज़ानिलो बंदरगाह के लिए नियोजित अतिरिक्त कार्गो स्कैनर और ड्रग-टेस्टिंग उपकरणों की आपूर्ति भी रोक दी गई है। इससे नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम कसने के प्रयासों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। वहीं, व्हाइट हाउस की डिप्टी प्रेस सचिव अन्ना केली ने इस मुद्दे पर सीधे जवाब देने से इनकार कर दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और संघीय खर्च को कम करने के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं।

ईरान से संपर्क पर अमेरिका का चार भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध : वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग में कथित संलिप्तता के लिए अमेरिका ने सोमवार को 16 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया, जिनमें चार भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। ट्रेजरी विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतिबंधित भारतीय कंपनियों में ऑस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बीएसएम मरीन एलएलपी, कॉसमॉस लाइन्स इंक और फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी शामिल हैं।

विदेश विभाग ने एक प्रेस बयान में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 4 फरवरी को राष्ट्रीय सुरक्षा ज्ञापन जारी करने के बाद से ईरानी तेल बिक्री को लक्षित करने वाले प्रतिबंधों का यह दूसरा दौर है, जिसमें ईरान पर अधिकतम दबाव के अभियान का आदेश दिया गया है। बयान में कहा गया है, ÷अमेरिकी विदेश विभाग आज ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग में उनकी संलिप्तता के लिए 16 संस्थाओं और जहाजों को नामित कर रहा है।÷ विदेश विभाग ने ट्रेजरी के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) के साथ मिलकर 22 व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए और ईरान के तेल उद्योग में उनकी संलिप्तता के लिए कई अधिकार क्षेत्रों में 13 जहाजों को अवरुद्ध संपत्ति के रूप में पहचाना। बयान में कहा गया कि अमेरिकी विदेश विभाग ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़ाव के लिए 16 कंपनियों को चिह्नित किया है और उनके खिलाफ प्रतिबंध लगाया जा रहा है। विदेश विभाग ने वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) के साथ मिलकर, 22 व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं और ईरान के तेल उद्योग से उनके मिले होने की वजह से विभिन्न क्षेत्रों में उनके 13 जहाजों को प्रतिबंधित संपत्ति के रूप में चिह्नित किया है। बयान में कहा गया है, अवैध शिपिंग करने का यह नेटवर्क एशिया में खरीदारों को बिक्री के लिए ईरानी तेल को लोड करने में अपनी भूमिका को छिपाता और धोखा देता है. इसने सैकड़ों मिलियन डॉलर मूल्य के कच्चे तेल के दसियों मिलियन बैरल भेजे हैं। आज की कार्रवाई ईरानी शासन पर ज्यादा दबाव के राष्ट्रपति ट्रंप के अभियान को साकार करने के लिए पहला है. यह आतंकवादियों की गतिविधियों को पैसा देने के लिए तेल राजस्व इकट्ठा करने के ईरान के प्रयासों को रोकेगा।÷ इसमें कहा गया है, ÷हम ईरान की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों के लिए इस तरह के अवैध वित्तपोषण प्रवाह को बाधित करना जारी रखेंगे।

नेतन्याहू ने न्यायाधीशों से कहा, इजराइल ऐतिहासिक मोड़ पर

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने आपराधिक मुकदमे से जुड़े न्यायाधीशों से आज कहा कि इजराइल एक ऐतिहासिक मोड़ के बीच में है। यह मोड़ देश के अस्तित्व के लिए निर्णायक है। इसलिए हफ्ते में मुकदमे की सुनवाई तीन बार न कर दो बार की जाए। उनकी तरफ से रक्षामंत्री हर सुनवाई पर अदालत में मौजूद होंगे। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, नेतन्याहू ने कहा कि हम उन मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं जो हमारे अस्तित्व की बुनियाद हैं। परिस्थितियों में बदलाव हुआ है। इससे देश के अस्तित्व और भविष्य पर प्रभाव पड़ सकता है। शिरी, केफिर और एरियल का अंतिम संस्कार बुधवार को द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, हमास के हाथों मारे गए बंधकों शिरी, केफिर और एरियल का अंतिम संस्कार बुधवार को होगा। अंतिम यात्रा सुबह 7ः45 बजे रिशोन लेटजियन (एहाद हा आम 1) में हेवरा कादिशा से प्रस्थान करेगी। इस वजह से यह मार्ग आम जनता के लिए बंद रहेगा। अंतिम यात्रा में शामिल लोग 15 मिनट बाद रिशोनिम इंटरचेंज से गुजरते हुए 8ः30 बजे सिल्वर जंक्शन पहुंचेंगे। 9ः15 बजे यह लोग शार हनेगेव जंक्शन से आगे बढ़ेंगे। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया सुबह 11ः30 बजे शुरू होगी। अंतिम संस्कार समारोह में केवल परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल होंगे। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के विपक्षी नेता केमी बडेनोच ने बीबीसी को पत्र भेजकर पूछा है कि क्या ब्रॉडकास्टर ने हमास को भुगतान करने के लिए ब्रिटिश जनता की लाइसेंस फीस का उपयोग किया है। बताया गया है कि बीबीसी ने शुक्रवार को अपनी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवा से गाजा युद्ध के बारे में एक वृत्तचित्र को हटा दिया है। यह वृत्तचित्र एक बच्चे पर केंद्रित है। यह उसका केंद्रीय पात्र है हमास के एक नेता का बेटा है। बीबीसी ने कहा कि वह तुरंत उनके सवाल का जवाब नहीं दे सकता है और कार्यक्रम कैसे बनाया गया, इस पर जांच कर रहा है। इस वृत्तचित्र में 14 वर्षीय अब्दुल्ला अल-याजौरी प्रमुख भूमिका में है।

बता दो कैसा रिश्ता रखना है, जयशंकर ने बांग्लादेश से पूछ लिया सीधा सवाल

ढाका एजेंसी। भारत सरकार अब बांग्लादेश के खिलाफ सख्त होती नजर आ रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कर दिया है कि पड़ोसी मुल्क को बताना होगा कि वह भारत के साथ किस तरह के संबंध चाहता है। खास बात है कि यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब भारतीय विदेश मंत्री ने मस्कट में अपने बांग्लादेशी समकक्ष के साथ मुलाकात की थी। साथ ही उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों का भी मुद्दा उठाया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जयशंकर ने कहा, अंतरिम सरकार में हर रोज कोई उठकर खड़ा होना और हर बात के लिए भारत पर आरोप लगा देना बकवास है। एक तरह तो आप कहते हैं कि मैं आपके साथ अच्छे संबंध चाहता हूं, लेकिन मैं रोज सुबह उठकर हर गलत बात का जिम्मेदार आपको बताऊंगा। आप ऐसा नहीं कर सकते हैं। यह एक फैसला उनको लेना है। उन्होंने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों का भी मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले स्वाभाविक रूप से हमारी सोच पर असर डालते हैं।

सुरक्षा परिषद में यूक्रेन पर मतदान आज, युद्ध की तीसरी वर्षगांठ पर जेलेंस्की हुए भावुक

न्यूयॉर्क/कीव, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के यूक्रेन पर पेश किए गए तटस्थ प्रस्ताव के मसौदे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 24 फरवरी को अपराह्न तीन बजे मतदान करेगी। अमेरिकी प्रस्ताव के मसौदे का मूल पाठ 21 फरवरी को सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया था। इस बीच युद्ध की तीसरी वर्षगांठ पर यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की भावुक हो गए। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने यह खबर संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी मिशन के हवाले से साझा की है। स्थायी मिशन ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहली बार यूक्रेन के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के रूस विरोधी प्रस्ताव के मसौदे का सह प्रस्ताव बनने से इनकार कर दिया। मसौदे में रूस और यूक्रेन के संघर्ष में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया गया है और इसके जल्द से जल्द अंत का आग्रह किया गया है। तास के अनुसार, पूर्व की खबरों में कहा गया था कि संयुक्त राज्य अमेरिका यह प्रस्ताव कर सकता है कि यूक्रेन में संघर्ष के समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अपने मसौदा प्रस्ताव पर मतदान करे। यह कीव और पश्चिमी देशों के मसौदा प्रस्ताव की तुलना में कहीं अधिक तटस्थ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने एक्स हैंडल पर भावुक होते हुए कहा कि इस साल रूसी आक्रमण की शुरुआत की तीसरी वर्षगांठ है। यह हमारे लोगों की पूर्ण वीरता के तीन वर्ष का कालखंड है। उन्होंने यूक्रेन के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले वीरों की स्मृति में मोमबत्ती जलाते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने हर बलिदानी का आभार किया। साथ ही सहयोगी राष्ट्रों का धन्यवाद किया।

पाकिस्तान में वकीलों और पत्रकारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के वकीलों और पत्रकारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम (पेका) में किए गए संशोधनों को तुरंत रद्द करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) की सोमवार को बुलाई गई सलाहकार सभा में स्वतंत्र पत्रकारिता पर प्रतिबंधों को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया गया।

डान समाचार पत्र की खबर के अनुसार, बैठक में सर्वसम्मत से पारित प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आधारशिला है। बैठक में मौजूद पत्रकारों और वकीलों ने पेका (संशोधन) अधिनियम, 2025 की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। इसे संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन माना। यह अनुच्छेद भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। प्रस्ताव में कहा गया है कि पेका (संशोधन) अधिनियम, 2025, संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाई गई नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय संधि (आईसीसीपीआर) के अनुच्छेद 19 के तहत संरक्षित मीडिया कर्मियों के अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार को याद दिलाया गया है कि इस संधि पर पाकिस्तान ने भी हस्ताक्षर किए हैं। यह संशोधन प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का भी उल्लंघन करता है। बैठक में डिजिटल क्षेत्रों में बढ़ती सेंसरशिप पर चिंता व्यक्त की गई।

एससीबीए की ओर से बैठक में इसके अध्यक्ष मियां मोहम्मद रऊफ अत्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद इशाक नोटजई, बलूचिस्तान के उपाध्यक्ष मोहम्मद औरंगजेब खान, कार्यवाहक सचिव चौधरी तनवीर अख्तर, वित्त सचिव मुनीर अहमद मलिक, आयशा मलिक, हमूद उर रहमान अवान, बलूचिस्तान बार काउंसिल के सदस्य खलील पानेजई और हाफिज अहसान खोखर ने हिस्सा लिया। मीडिया की ओर से बैठक में मुनीजा जहांगीर, अरशद अंसारी, अफजल बट, जाहिद हसन, हामिद मीर, मजहर अब्बास, आरिफा नूर और अन्य शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि सिंध हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर कर इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम (पेका) में किए गए हालिया संशोधनों को चुनौती दी गई है।

फ्रांस के मार्सिले में रूसी वाणिज्य दूतावास पर हमला, रूस ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

मार्सिले, एजेंसी। फ्रांस के मार्सिले स्थित रूसी वाणिज्य दूतावास में सोमवार को एक विस्फोट की घटना सामने आई है। रूसी अधिकारियों ने इसे एक सुनियोजित हमला करार दिया है और इसपर गहरी चिंता जताई है। रूसी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वाणिज्य दूतावास की इमारत के भीतर दो मोलोटोव कॉकटेल फेंके गए, जिससे आग लगने की आशंका बनी रही। घटनास्थल के पास ही एक चोरी हुआ वाहन भी पाया गया, जिससे हमले की सुनियोजित प्रकृति की ओर संकेत मिलता है। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रूस के महावाणिज्य दूत स्टानिस्लाव ओरांस्की ने विस्फोट की पुष्टि की है और मामले की गहन जांच की मांग की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने इस हमले को ÷आतंकवादी कृत्य÷ करार देते हुए इसकी निष्पक्ष जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, ÷यह हमला न केवल राजनयिक स्थलों की सुरक्षा के लिए खतरा है बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध की तीसरी वर्षगांठ के मौके पर हुए इस हमले की फिलहालल किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। इस घटना के बाद क्रेमलिन ने फ्रांस सरकार से रूसी राजनयिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है। रूस ने फ्रांस की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि वहां मौजूद रूसी राजनयिकों और प्रतिष्ठानों की रक्षा करना फ्रांस सरकार का दायित्व है। रूसी सरकार ने एक बयान में कहा, ÷हम उम्मीद करते हैं कि फ्रांस इस हमले को गंभीरता से लेगा और रूसी दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

स्टडी, वर्क परमिट पर कनाडा गए लोगों को झटका, कभी भी रद्द हो सकता है वीजा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा ने अपने इमिग्रेशन नियमों में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के मुताबिक वहां के सीमा अधिकारी कभी भी स्टडी, वर्क या टूरिस्ट वीजा पर गए अस्थाई निवास वीजा को रद्द कर सकते हैं। नए नियमों के तहत सीमा अधिकारियों की शक्ति में इजाफा किया गया है। हाल ही में लागू हुए नए आव्रजन और शरणार्थी संरक्षण नियम, सीमा अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण (ईटीए) और अस्थायी निवासी वीजा (टीआरवी) जैसे अस्थायी निवासी दस्तावेजों को रद्द करने के लिए पहले से ज्यादा अधिकार देते हैं।

नए नियमों से हर साल हजारों विदेशी नागरिकों पर असर पड़ने की आशंका है। इनमें बड़े पैमाने पर भारतीय भी शामिल हैं। नए नियमों के तहत होने वाले बदलाव छात्रों, कर्मचारियों और अस्थायी निवासी आगंतुकों पर असर डालेंगे, जिनमें से कई भारत से हैं। भारतीयों के लिए कनाडा में शिक्षा पाना सपना रहा है और बड़े पैमाने पर भारतीय अपने सपनों को साकार करने कनाडा आते रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, कनाडा में लगभग 4,27,000 भारतीय छात्र पढ़ रहे हैं। फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, अगर सीमा अधिकारी किसी भी बात से संतुष्ट नहीं है कि कोई व्यक्ति अपने प्रवास की अवधि खत्म होते ही कनाडा छोड़ देगा या अगर कोई दस्तावेज किसी प्रशासनिक त्रुटि के आधार पर जारी किया गया है तो अधिकारी स्टडी या वर्क परमिट रद्द कर सकता है। नए नियमों के मुताबिक, अगर परमिट धारक कनाडा का स्थायी निवासी बन

जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है, तब भी उसे रद्द किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संशोधित नियम ओटावा के आव्रजन ढांचे में कई बदलावों के बाद आए हैं, जिसमें 2024 के अंत में स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम वीजा कार्यक्रम को रद्द करना शामिल है।

नए नियमों में कहा गया है कि अगर किसी व्यक्ति की स्थिति या परिस्थितियाँ बदल जाती हैं, उससे भी वह अयोग्य हो सकता है। बता दें कि कनाडा में पढ़ने वाले 4,27,000 छात्रों के अलावा, भारत से हर साल लाखों पर्यटक जाते हैं। जनवरी से जुलाई 2024 के बीच, कनाडा ने भारतीयों को 3,65,750 विज़िटर वीज़ा जारी किए, जो 2023 में इसी अवधि के दौरान जारी किए गए 345,631 से ज़्यादा थे।

कंगना रनौत की अधिवक्ता ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए मांगा समय, अब 18 मार्च को सुनवाई

आगरा। हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र से भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ राष्ट्रद्रोह वाद में बृहस्पतिवार को एमपी-एमएलए अनुज कुमार की कोर्ट में सुनवाई हुई। कंगना की तरफ से उनकी अधिवक्ता हाजिर हुईं। उन्होंने वकालत नामा पेश कर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की। पिछली तारीख पर थानाध्यक्ष न्यू आगरा ने वादी और गवाहों के बयान दर्ज कर आख्या पेश की थी। 18 मार्च को अगली सुनवाई होगी। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कंगना रनौत के खिलाफ 11 सितंबर 2024 को वाद दायर किया था। उन्होंने देश के किसानों पर अभद्र टिप्पणी और क्रांतिकारी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का आरोप लगाया था। अदालत ने कंगना रनौत को पक्ष रखने के लिए उनके हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू मनाली और दिल्ली के पते पर तीन नोटिस भेजे थे। इसके बाद बृहस्पतिवार को हाई कोर्ट की अधिवक्ता उनकी तरफ से अदालत में हाजिर हुई। उन्होंने अपना बड़ा कालतनामा पेश कर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की थी।

नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़ करने की दिल्ली विधानसभा में उठी मांग

नई दिल्ली । दिल्ली में नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़ करने की मांग शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक नीलम पहलवान ने उठा दी। विधायक नीलम ने कहा कि 1857 के विद्रोह के दौरान, राजा नाहर सिंह ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और नजफगढ़ क्षेत्र को दिल्ली के क्षेत्र में शामिल कर लिया। उनकी मांग पर साथी विधायकों ने अपना समर्थन भी दिखाया। दिल्ली में बीजेपी नेताओं के बीच इलाकों का नाम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करने के बाद, वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह बिष्ट ने घोषणा की कि आधिकारिक तौर पर पदभार संभालने के बाद वे मुस्तफाबाद का नाम बदलकर शिव पुरी या शिव विहार कर दूंगा। मैंने यह पहले भी कहा है। मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि राजनीतिक दल मुस्तफाबाद नाम बरकरार रखने पर क्यों अड़े हुए हैं। मुख्य रूप से हिंदू आबादी वाले क्षेत्र का नाम शिव पुरी या शिव विहार क्यों नहीं रख सकते ? लोग मुस्तफा नाम से परेशान हैं और इस नाम को बदलना चाहते हैं, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसा हो। वहीं, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) आतिशी ने गुरुवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को सदन की कार्यवाही से तीन दिनों के लिए निलंबित करने के बाद उन्हें परिसर में प्रवेश करने से रोका जा रहा है। आतिशी ने कहा कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) वालों ने सरकार में आते ही' 'तानाशाही की हदें पार कर दीं।''

पुणे में सरकारी बस डिपो रेप मामले में आरोपी पर इनाम 1 लाख रुपये किया गया

पुणे । पुणे के सरकारी बस डिपो में 25 फरवरी को एक 26 साल की एक महिला के साथ बस के अंदर रेप हुआ। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए महाराष्ट्र पुलिस ने 13 टीमें बनाई हैं। उस पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। उधर, घटना के बाद महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने असिस्टेंट ट्रांसपोर्ट सुपरिटेंडेंट और बस डिपो मैनेजर के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषी होने पर इन्हें सस्पेंड किया जाएगा। उन्होंने बस डिपो पर तैनात पुराने सुरक्षाकर्मियों को हटाने का भी निर्देश दिया। जांच में जुटी 13 टीमों को जिले से बाहर भी भेजा गया है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर ने घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुंबई पुलिस ने की 10 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयां नष्ट

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने 40 मामलों में 10 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयों को नष्ट कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तलोजा स्थित एक प्रतिष्ठान में महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक और विधायक प्रशांत ठाकुर की उपस्थिति में इन दवाइयों को नष्ट किया गया। पुलिस ने बताया कि साल 2023 और 2024 में 1,143 मामलों के संबंध में 56 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयां जब्त की गई थीं और 1,743 लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में 111 अफ्रीकी देशों के थे, जिनके पास से 38 करोड़ रुपए मूल्य की कई दवाइयां जब्त की गई थीं। 40 मामलों में करीब 10 करोड़ रुपए कीमत के अवैध पदार्थ को नष्ट कर दिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने रोहिणी से गोगी-लाकड़ा गिरोह के शार्पशूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रोहिणी इलाके से गोगी-अंकेश लाकड़ा गिरोह के 23 वर्षीय शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान विशाल लाकड़ा के रूप में हुई है जो अंकेश लाकड़ा का करीबी सहयोगी है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सतीश कुमार ने बताया कि पुलिस ने 25 फरवरी को रोहिणी से विशाल को गिरफ्तार किया और उसके पास से एक पिस्तौल और दो कारतूस जब्त किए। डीसीपी ने कहा, 'आरोपी पर शस्त्र कानून की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसके घर पर एक और एक पिस्तौल और कारतूस रखे हुए हैं, जिसके बाद पुलिस ने एक पिस्तौल और दो और कारतूस बरामद किए।' अधिकारी के मुताबिक, विशाल ने गोगी-लाकड़ा गिरोह का सक्रिय सदस्य होने की बात भी स्वीकार की और बताया कि वह और अंकेश लाकड़ा दोनों मूल रूप से दिल्ली के मुंडका गांव के रहने वाले हैं। विशाल को पहले भी दो बार जेल हो चुकी है।

रूठे शशि थरूर मानेंगे या बड़ा निर्णय लेंगे..? आज की बैठक में हो जाएगा फैसला

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मैं शुक्रवार को पार्टी की बैठक में जाऊंगा। देखते हैं, क्या होता है। पिछले दिनों एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में दिए गए उनके बयान ने और आग में घी डालने का काम किया। उन्होंने कहा था, अगर पार्टी मुझे चाहती है, तो मैं रहूंगा। अगर नहीं, तो मेरे पास और भी विकल्प हैं। आपको ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि मेरे पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

इन तमाम घटनाक्रम के बाद शशि थरूर की स्थिति अभी भी असमंजस में है। पार्टी में उनके बढ़ते आलोचक चाहते हैं कि वे ज्यादा अनुशासित रहें, जबकि उनके समर्थक उन्हें केरल कांग्रेस में बड़ा चेहरा मानते हैं। अब सबकी नजरें 28 फरवरी की बैठक पर टिकी हैं, जहां तय होगा कि थरूर कांग्रेस के साथ बने रहेंगे या अपने विकल्प को आजमाएंगे। केरल कांग्रेस में अंदरूनी घमासान के बीच कांग्रेस के कद्दावर नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर शुक्रवार को पार्टी हाईकमान की बैठक में शामिल होंगे। कांग्रेस आलाकमान ने यह बैठक दिल्ली में 28 फरवरी को बुलाई है, जिसमें केरल के वरिष्ठ नेताओं को भी बुलाया गया है। इस बैठक का मकसद राज्य इकाई में बढ़ती नाराजगी और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों पर चर्चा करना है। गौरतलब है कि यह बैठक ऐसे वक्त पर हो रही है जब थरूर के हालिया बयानों ने कांग्रेस खेमे में हलचल बढ़ा दी है। उनके मेरे पास और भी विकल्प हैं वाले बयान ने थरूर के पार्टी छोड़ने क अटकलों को तेज कर दिया।

थरूर की हालिया गतिविधियों को लेकर केरल कांग्रेस का एक धड़ा खासा नाराज बताया जा रहा है। पिछले दिनों जब उन्होंने केरल सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी की तारीफ की थी, तो राज्य कांग्रेस ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया था। इस बयान के बाद उन्होंने राहुल गांधी और सोनिया गांधी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। दिल्ली में अपनी बैठकों के बाद थरूर ने इस विवाद को तूल न देने की अपील की। उन्होंने कहा, राहुल गांधी से मेरी अच्छी बातचीत हुई।

मैंने राहुल और प्रियंका की ओर से कुंभ में लगाई डूबकी : अजय राय

लखनऊ । महाशिवरात्रि के मौके पर महाकुंभ का समापन हुआ। महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इसमें आम लोगों से लेकर खास लोग भी शामिल थे। लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का संगम में डुबकी नहीं लगाना चर्चा में बना हुआ है। इस बीच उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा के महाकुंभ में स्नान नहीं करने के सवाल पर यूपी में कांग्रेस नेता राय ने कहा कि आस्था का पर्व समाप्त हो चुका है। तीर्थों के इस तीर्थ का समापन हुआ है। जो लोग यहां आएं, उनका सम्मान है। लेकिन ये आस्था का मामला है। कांग्रेस नेता अजय राय ने कहा कि मैंने खुद कुंभ पहुंचकर स्नान कर आशीर्वाद लिया था। मैं गांधी परिवार से ओर से वहां गया था। मैंने कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर डुबकी लगाई थी। देश की मंगलकामना की प्रार्थना की थी।

ममता ने अलापा केजरीवाल वाला राग, बंगाल में भाजपा फर्जी वोटरों के नाम जुड़वा रही

-चुनाव आयोग पर हमलावर दिखाई दीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी चुनाव आयोग पर हमलावार दिखाई दी। उन्होंने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग को मोदी सरकार ने अपने प्रभाव में रखा है। ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल में भाजपा की ओर से फर्जी वोटरों का नाम जुड़वाया जा रहा है। उनके नाम इसलिए जोड़ रहे हैं ताकि चुनाव के दौरान उनके वोटों से नतीजे को बदला सके। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने पिछले दिनों हुए कई राज्यों के चुनावों के नतीजों में भी धांधली का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि हम उन फर्जी मतदाताओं की पहचान करने वाले हैं, जिन्हें भाजपा की मदद से पंजीकृत किया है। दरअसल आप प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान बाहरी वोटरों के नाम जुड़वाने का आरोप लगाया था। हालांकि आयोग ने इस संबंध में केजरीवाल से सबूत मांगते हुए आरोपों को खारिज कर दिया था।

ममता ने कहा, अगर जरूरत हुई तब मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को हटाने की मांग को लेकर निर्वाचन आयोग कार्यालय के समक्ष धरना दूंगी। उन्होंने चुनावी जंग को बाहरी बनाम बंगाली बनाने का भी प्रयास किया।

ममता ने कहा कि हम बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देने वाले है। ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। अभी से ही बंगाल में फर्जी वोटर जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। ममता दीदी ने कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस जीतने की स्थिति में नहीं है। वहां भाजपा का मुकाबला आम आदमी पार्टी से ही है और हम चाहते हैं कि उसे ही जीत मिले।

हरियाणा में कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई, पूर्व विधायक रामबीर सिंह समेत 5 नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में कांग्रेस इकाई ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पांच नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान द्वारा जारी पार्टी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम चुनाव (2025) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल के दिनों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले पार्टी नेताओं/कार्यकर्ताओं से संबंधित संचार के विभिन्न माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त होने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी, पूजा रानी और रूपेश मलिक हैं। इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था। 19 फरवरी को, हरियाणा कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले नागरिक चुनावों से पहले 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों के लिए अपने सात नेताओं को निष्कासित कर दिया।

निष्कासित लोगों में करनाल के पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष तरलोचन सिंह और अशोक खुराना, यमुनानगर के पार्टी नेता प्रदीप चौधरी और मधु चौधरी, हिसार के वरिष्ठ नेता राम निवास रारा, गुरुग्राम के पार्टी नेता हरविंदर और पीसीसी प्रतिनिधि, गुरुग्राम, राम किशन सैन शामिल हैं। रारा और सिंह हाल ही में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए थे। रारा ने पिछला विधानसभा चुनाव असफल रूप से लड़ा था जबकि सिंह 2019 के विधानसभा चुनाव में करनाल विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से हार गए थे। मई 2024 में इस सीट पर हुए विधानसभा उपचुनाव में वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से हार गए।

कुंभ जल विवाद पर बोले श्री श्री रविशंकर, कहा- गंगा बैक्टीरिया को पनपने नहीं देती

आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर ने कहा कि लोगों की भक्ति के कारण ही करोड़ों लोग महाकुंभ में आए, जिसका समापन बुधवार को हुआ। उन्होंने कहा कि यह भारत की समृद्ध विविधता और आध्यात्मिक संपदा को दर्शाता है। इंडिया टुडे के राजदीप सरदेसाई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, रविशंकर ने प्रयागराज में पानी में पाए गए उच्च फेकल कोलीफॉर्म के विवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने पाया है कि गंगा दुनिया के सबसे मजबूत जल निकायों में से एक है। आर्ट्स ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक रविशंकर ने कहा, 'मुझे केवल तीन चीजें दिखाई देती हैं जो करोड़ों भक्तों को प्रेरित करती हैं – आस्था, आस्था और आस्था। यह लोगों की भक्ति है जो उन्हें प्रेरित करती है। यह त्योहार भारत के मानस में गहराई से समाया हुआ है।' 12 वर्षों के बाद आयोजित होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम माने जाने वाला महाकुंभ बुधवार को संपन्न हो गया, जिसमें 13 जनवरी से अब तक 67 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं।

भाजपा की घेराबंदी में घिरे अजित और शिंदे, महायुति में रहें तो फजीहत निकलें तो मुसीबत !

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं है। यहां भाजपा, एनसीपी(अजित) और शिंदे की शिवसेना मिलकर सरकार चल रहे हैं। देखने सुनने में बहुत आसान लगता है कि भाजपा का सीएम दोनों के दलों के सहयोगी उपमुख्यमंत्री है। किसी को क्या दिक्कत हो सकती है। सही मायने में दिक्कत है। यहां एकनाथ शिंदे और अजित पवार के बीच बहुत अच्छी पटरी नहीं बैठती और देवेंद्र फडणवीस सीएम रहते हुए भी खुद को बंधा बंधा महसूस कर रहे हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के गठबंधन महायुति ने भारी जीत दर्ज करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा में 234 सीट जीती थी।

महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की भारी जीत के बाद विपक्ष के हौसले पस्त हो गए थे। मुख्यमंत्री बने भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने सरकार के दोनों सहयोगी दलों शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) को साध के रखा हुआ है। हालांकि, शिवसेना शिंदे के नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ सामंजस्य की कमी कई बार सामने आई है। इसका दोनों तरफ से खंडन तो किया गया है, लेकिन मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद शिंदे सहज नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में शरद पवार और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के साथ उभर रहे नए समीकरण शिंदे के लिए और चिंता बढ़ा सकते हैं। महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों में महायुति को बड़ी जीत दिलाने के लिए फडणवीस कड़े कदम उठा रहे हैं, जिनमें मंत्रियों के निजी सहायकों की नियुक्ति का मामला अहम है। शिंदे गुट के कई मंत्रियों के निजी सहायकों के लिए आए विवादित नामों को फडणवीस ने रोक दिया है। इस काम की सामना में तारीफ की गई है। संजय राउत ने सामना में इस पर एकनाथ शिंदे पर निशाना भी साधा है।सूत्रों का कहना है शिवसेना (उद्धव ठाकरे) का एक तबका भाजपा के साथ आने की कोशिश में है और वह इसके लिए शिंदे गुट को भड़काने का काम कर रहा है। फिलहाल, भाजपा भी इससे शिंदे को संदेश देकर समीकरण साध रही है।

महाराष्ट्र की राजनीति में उभर रहे नए समीकरणों से राज्य में बड़े बदलाव आने के संकेत मिलने लगे हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में संजय राउत की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ और एनसीपी (शरद पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल की भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बाबनकुले से हुई मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। इसके पहले हाल में ही एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शरद पवार का करीब आना भी काफी महत्वपूर्ण है।

क्या शरद पवार भी कमजोर पड़ रहे

एनसीपी (शरद पवार) के नेता शरद पवार के साथ प्रधानमंत्री मोदी का बेहद सदाशयता भरा व्यवहार और उसके बाद उसके प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल की भाजपा अध्यक्ष बाबनकुले के साथ मुलाकात के भी राजनीतिक मायने हैं। इससे भाजपा कांग्रेस को झटका देने के साथ महाविकास आघाड़ी को आगामी निकाय चुनाव में और कमजोर करने में जुटा है। शरद पवार भी राज्य की राजनीति में कमजोर पड़ रहे हैं। ऐसे में उनको भी नए फैसले लेने पड़ सकते हैं।

हिंदी ने उत्तर भारत की 25 से ज्यादा भाषाओं को खत्म किया, अब तमिल को खत्म करने की तैयारी

सीएम एमके स्टालिन ने केंद्र की नई शिक्षा नीति का किया विरोध

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में हिंदी बनाम तमिल की जंग छेड़ने वाले सीएम एमके स्टालिन लगातार आक्रामक रुख दिखा रहे हैं। उन्होंने फिर कहा हैं कि हम हिंदी को तमिलनाडु पर थोपने का विरोध करने वाले है। उन्होंने कहा कि हिंदी के चलते उत्तर भारत की 25 से ज्यादा भाषाओं को खत्म किया गया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु हिंदी भाषा को 'थोपने' की इजाजत नहीं देगा और उन्होंने तमिलों एवं इसकी संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प जताया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित उन्होंने कहा, 'हम हिंदी थोपने का विरोध करने वाले है। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।' डीएमके ने आरोप लगाया है कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में तीन-भाषा फार्मूले के माध्यम से हिंदी को थोपने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने सीएम स्टालिन के आरोप का खंडन किया है।

सीएम स्टालिन ने दावा किया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बोली जाने वाली मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी जैसी कई उत्तर भारतीय भाषाओं को 'आधिपत्यवादी हिंदी ने नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु एनईपी का विरोध कर रहा है क्योंकि केंद्र शिक्षा नीति के माध्यम से हिंदी और संस्कृत को थोपने की कोशिश कर रहा है।

एनईपी के अनुसार तीसरी भाषा विदेशी भी हो सकती है। भाजपा के दावे का जवाब देकर स्टालिन ने दावा किया कि त्रिभाषा नीति कार्यक्रम के अनुसार,''कई राज्यों में केवल संस्कृत को बढ़ावा दिया जा रहा है।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राजस्थान उर्दू प्रशिक्षकों के बजाय संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति कर रहा है। उन्होंने कहा, अगर तमिलनाडु त्रिभाषा नीति को स्वीकार करता है, तब मातृभाषा को नजरअंदाज कर दिया जाएगा और भविष्य में संस्कृतीकरण होगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, 'इससे यह स्पष्ट होता है कि केंद्र ने तमिल जैसी भाषाओं को खत्म करने और संस्कृत को थोपने की योजना बनाई है।' स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई ने दशकों पहले राज्य में द्विभाषा नीति लागू की थी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि 'हिंदी-संस्कृत के माध्यम से आर्य संस्कृति को थोपने और तमिल संस्कृति को नष्ट करने के लिए कोई जगह नहीं है।'

भारत में 14 करोड़ लोगों का आर्थिक विकास, 100 करोड़ गरीबी में

-देश के 90 फीसदी लोगों के पास बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसा नहीं

-रिपोर्ट देश की आर्थिक असमानता को दिखाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में 5वें पायदान पर है और विकास दर की रफ्तार सबसे तेज है, लेकिन इसके बाद भी आम आदमी के जीवन में कुछ नहीं बदला है। हाल में जारी रिपोर्ट बताती है कि देश के 90 फीसदी लोगों के पास अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने से ज्यादा पैसे ही नहीं हैं। इस तरह के लोग अतिरिक्त खर्चे के बारे में सोच भी नहीं सकते। यह रिपोर्ट देश की आर्थिक असमानता को दिखाती है। एक अध्ययन में बताया गया है कि करीब देश की 90 प्रतिशत आबादी के पास जरूरत से ज्यादा कपड़े खरीदने या अन्य किसी सर्विस का फायदा उठाने की शक्ति नहीं है। रिपोर्ट 2025 में बताया गया है कि भारत की शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी जो करीब 13-14 करोड़ है और मैक्सिको की पूरी आबादी के बराबर है। इस आबादी के पास अपनी आर्थिक उपलब्धियों और खर्चे के लिए बहुत पैसे हैं, जबकि 90 फीसदी लोग जरूरत की चीजों में ही उलझकर रह जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया हैं कि एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में यह उपभोक्ता वर्ग आकार में नहीं बढ़ रहा है, बल्कि अधिक संपन्न हो रहा है। इसका मतलब है कि अमीर और अमीर हो रहे हैं, जबकि कुल अमीर व्यक्तियों की संख्या स्थिर बनी हुई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि हालिया खपत में गिरावट तेज आई है, जो न केवल खरीदने की ताकत में कमी के कारण है, बल्कि वित्तीय बचत में भारी गिरावट और बड़े पैमाने पर कर्ज में वृद्धि की वजह से भी है। खपत के इस पैटर्न ने भारत की बाजार रणनीति को नया आकार दिया है। इसमें ब्रांड अब बड़े पैमाने पर उत्पादों के बजाय प्रीमियम प्रोडक?ट पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। रिपोर्ट में रियल एस्टेट सेक्टर में भी बदलाव का जिक्र है, जहां अब किफायती आवास का हिस्सा बाजार में केवल 18 फीसदी है, जो पांच साल पहले 40 फीसदी था।

बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 लाख रुपये तक की आय वालों को टैक?स में पूरी छूट दे दी है। इससे मध्यम वर्ग की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी। छूट से करीब 92 फीसदी वेतनभोगी को टैक्स के दायरे से बाहर कर दिया गया है। साल 1990 में भारत के शीर्ष 10 फीसदी लोगों के पास राष्ट्रीय आय का 34 प्रतिशत हिस्सा था, जो 2025 तक बढ़कर 57.7 फीसदी हो गया। इसके विपरीत निचले 50 फीसदी लोगों का राष्ट्रीय आय में हिस्सा 22.2 फीसदी से घटकर 15 फीसदी रह गया।

यह रिपोर्ट साफ बताती है कि खर्च करने के मामले में अभी भारत अपने पड़ोसी चीन से करीब 13 साल पीछे है। भले ही हाल के दिनों में भारत की खपत प्रभावशाली हुई है, लेकिन अभी भी चीन से कम से कम 13 साल पीछे है।